@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 2 सितंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 297 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'मृतक डॉक्टर के परिवार को पुलिस ने घर में नजरबंद किया': अधीर रंजन

कोलकाता, 1 सितंबर। पश्चिम बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया है कि बलात्कार और हत्या की शिकार डॉक्टर के माता-पिता को पुलिस ने घर में नजरबंद कर रखा है। चौधरी ने मृत डॉक्टर के घर जाकर माता-पिता से बातचीत की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने माता-पिता से जल्दी शव का अंतिम संस्कार करने के लिए पैसे देने की बात कही थी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने बताया, मैंने मृतक डॉक्टर के परिवार के घर जाकर उनसे काफी देर तक बात की। पुलिस ने परिवार को घर में नजरबंद कर रखा है। वे तरह-तरह के बहाने बनाकर उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे हैं। उनके चारों ओर मोर्चाबंदी कर दी गई, जबकि सीआईएसएफ को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। चौधरी ने आरोप लगाया कि कोलकाता पुलिस ने राज्य सरकार के निर्देश का पालन करते हुए पिता को पैसे की पेशकश करते हुए कहा था कि उनकी बेटी के शव का बिना किसी देरी के अंतिम संस्कार किया जाए। वरिष्ठ कांग्रेस नेता को पुलिस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रवेश करने से रोक दिया जब वह आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टरों से मिलने वहां पहुंचे थे। अधीर रंजन चौधरी ने कहा, मैं उनके प्रति एकजुटता व्यक्त करने के लिए एक राजनीतिक नेता नहीं बल्कि एक आम व्यक्ति के रूप में वहां गया था। लेकिन पुलिस ने मुझे उनसे मिलने से रोक दिया। अगर पुलिस ने इतनी ही तत्परता पहले दिखाई होती तो हमारी डॉक्टर बहन का ये हश्र नहीं होता।'' स्नातकोत्तर प्रशिक्षु का शव 9 अगस्त को कोलकाता में सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सेमिनार कक्ष में पाया गया था। जिसके बाद से दोषियों को सजा दिलाने के लिए जूनियर डॉक्टर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ एफआईआर पर वकील सायन सचिन बसु ने बताया, हमने कोलकाता पुलिस कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज कराई थी कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष ने एक इंटरव्यू में पीड़िता का नाम 7 से 9 बार लिया। भारतीय न्याय संहिता की धारा 72 के अनुसार, पीड़िता का नाम उजागर नहीं किया जा सकता। हमने पुलिस कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज कराई थी और आज हमें एफआईआर की कॉपी मिली है, हमने सांसद रचना बनर्जी और आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

न्यायालयों में लंबित मामले कम करने के लिए सीजेआई का बड़ा एलान

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 1 सितंबर। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को भारत मंडपम में आयोजित जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक ठोस योजना बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तीन मुख्य चरण हैं। जिसमें पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां लंबित मामलों और रिकॉर्ड की स्थिति की जांच करेंगी। दूसरे चरण में, उन मामलों का निपटारा किया जाएगा जो 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरे चरण में, जनवरी 2025 से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तकनीकी और डाटा प्रबंधन प्रणालियों की जरूरत होगी।लंबित मामलों से निपटने के अन्य उपायों में विवादों का समाधान करने की पहल भी शामिल है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की, जिसमें 1,000 से ज्यादा मामलों का समाधान किया गया। मुख्य न्यायाधीश ने आगे यह भी कहा, हमें यह स्थिति बदलनी होगी कि हमारे जिला न्यायालयों में केवल 6.7 फीसदी इन्फ्रास्ट्रक्चर ही महिलाओं के अनुकूल है। आज के समय में जब कुछ राज्यों में भर्ती में 60 फीसदी से 70 फीसदी महिलाएं हैं, तो क्या यह स्वीकार्य है? हमारी प्राथमिकता है कि न्यायालयों तक

पहुंच को बढ़ाया जाए। इसके लिए हम इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट करेंगे, कोर्ट में मेडिकल सुविधाएं आदि स्थापित करेंगे और ई-सेवा केंद्र व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों का उपयोग बढ़ाएंगे। इन प्रयासों का मकसद न्याय तक सभी की पहुंच को आसान बनाना है। उन्होंने कहा, इसके साथ ही हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हमारे न्यायालय समाज के सभी लोगों के लिए सुरक्षित और अनुकूल हों, खासतौर पर महिलाओं, दिव्यांगों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य संवेदनशील समूहों के लिए। वहीं, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ हमारे लिए गर्व का विषय है। आज, न्यायपालिका में विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले सभी महान लोगों का एक ही लक्ष्य है- विकसित भारत का निर्माण। उन्होंने आगे कहा, एक अच्छी न्याय प्रणाली का होना जरूरी है, ताकि नागरिक अपनी पूरी क्षमता से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को अपनाने से न्यायिक बिरादरी को मदद मिलेगी और नागरिकों के लिए न्याय की प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तारीख पर तारीख की पुरानी संस्कृति को बदलने का संकल्प लें।

विपक्ष नाम तो छत्रपति शिवाजी का लेता है, लेकिन काम औरंगजेबी है: शिंदे

कौमी संवाददाता

मुंबई, 1 सितंबर। महाराष्ट्र में शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने से शुरू हुआ विवाद हर बीतते दिन के साथ बढ़ता ही जा रहा है। अब महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने इस मामले में राजनीति करने के लिए विपक्ष पर हमला बोला है। एकनाथ शिंदे ने विपक्षी नेता और राज्य के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे पर औरंगजेब और अफजल खान का अनुसरण करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। एकनाथ शिंदे ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए 26 अगस्त को सिंधुदुर्ग के मालवन इलाके में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति के ढहने पर राजनीति करने के लिए विपक्ष की भी आलोचना की। शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपमुख्यमंत्रियों देवेन्द्र फड़णवीस और अजित पवार और उन्होंने खुद इस घटना को लेकर माफी मांग ली है, बावजूद इसके विपक्ष का राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आप नाम तो छत्रपति

शिवाजी महाराज का लेते हैं, लेकिन काम औरंगजेबी और अफजल खानी हैं। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित कर्नाटक में छत्रपति शिवाजी महाराज की एक मूर्ति को दो जेसीबी से उखाड़ दिया गया, लेकिन उसपर किसी का बयान नहीं आया। एकनाथ शिंदे ने आगे उद्धव पर हमला बोलते हुए कहा कि महाराष्ट्र के लोगों ने उन्हें उनकी जगह दो साल पहले ही दिखा दी है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र की जनता विपक्ष को सबक सिखाएगी।

शिवाजी के नाम पर राजनीति न करें महयुति सरकार और विपक्ष

मुंबई, 1 सितंबर। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के मामले में कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस मामले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार और विपक्ष को राजनीति करने से मना किया। जरांगे ने कहा जो भी राज्य और राष्ट्रीय प्रतीक को अपमानित करने में शामिल हैं, उन्हें सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने सिंधुदुर्ग में राजकोट किले के दौरा भी किया। बता दें कि राजकोट किले में ही छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फीट ऊंची प्रतिमा ढह गई थी। शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने के बाद महाराष्ट्र में आक्रोश फैल गया। इस घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से माफी मांगी। पत्रकारों से बात करते हुए जरांगे ने कहा, इस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को राजनीति नहीं करनी चाहिए। सरकार को इस मामले में विस्तृत जांच करानी चाहिए। ठेकेदारों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। जरांगे ने कहा कि विपक्ष और महायुति सरकार शिवाजी के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।

मथुरा की शाही ईदगाह को बम से उड़ाने की धमकी

मथुरा, 1 सितंबर। मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद पर तैनात सुरक्षाकर्मियों के पसीने उस समय छूट गए, जब एक युवक ने मस्जिद को बम से उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद युवक दौड़कर एक कार में बैठ गया और खुद पर पेट्रोल डाल लिया। ये देख सुरक्षा जवानों के पसीने छूट गए। कार अंदर से लॉक कर ली। पुलिस ने कार के शीशे तोड़कर उसे बाहर निकाला और गिरफ्तार कर थाने ले गई। घटना करीब एक बजे की बताई जा रही है, जब शाही ईदगाह के गेट पर सुरक्षा जवान मुस्तैदी के साथ खड़े थे, तभी एक युवक वहां आ पहुंचा। उसने शादी ईदगाह को बम से उड़ाने की धमकी दी। इसके बाद वो तेजी से कार में बैठ गया और दरवाजे अंदर से बंद कर लिए। इसके बाद उसने खुद पर पेट्रोल डाल लिया। ये देख सुरक्षाकर्मी हैरान रह गए। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत ही कार के शीशे तोड़ दिए और युवक को बाहर निकाल लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम पुष्पेन्द्र बताया। पुष्पेन्द्र थाना जमुनापार क्षेत्र की मीरा विहार कॉलोनी का रहने वाले है। सूचना पर उसके परिवार के लोग भी थाने पहुंच गए। उन लोगों ने बताया कि पुष्पेन्द्र के बच्चों की मौत हो चुकी है, तभी से उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। वो ऐसी ही बातें करता रहता है। पुलिस के सामने बैठकर भी पुष्पेन्द्र ये कहता रहा कि वो मस्जिद तोड़ने के लिए आया है। आज नहीं तो कल मस्जिद को तोड़ ही देगा।

बांग्लादेश सुरक्षित नहीं: हिंदू शिक्षकों को इस्तीफा देने के लिए किया जा रहा मजबूर

सौरभ शर्मा

ढाका, 1 सितंबर। भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश में हिंसा थमने के बाद भी फिलहाल सबकुछ ठीक नहीं है। हसीना सरकार के पतन के बाद से पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है। देश में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर हिंदुओं के लिए स्थिति काफी कठिन हो गई है। अब सामने आया है कि बांग्लादेश में अब हिंदू शिक्षकों को अपने पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। सामने आया है कि हिंसा बढ़ने और शेख हसीना द्वारा पीएम पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद से अब तक कम से कम 49 अल्पसंख्यक शिक्षकों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया है। इतना ही नहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कई शिक्षकों पर हमले भी हुए हैं। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई ओइक्या परिषद की एक छात्र शाखा ने इस बारे में जानकारी दी। बांग्लादेश छात्र ओइक्या परिषद के समन्वयक साजिब सरकार ने बताया कि अब तक 49 शिक्षकों से जबरन इस्तीफा ले लिया गया है, हालांकि इनमें से 19 शिक्षकों को बाद में दोबारा बहाल कर दिया गया है। साजिब सरकार ने बताया कि शेख हसीना के पद छोड़ने के बाद से स्थिति और खराब हो गई है। अल्पसंख्यकों खास तौर पर हिंदुओं को हमलों,

लूटपाट, महिलाओं पर हमले, मंदिरों में तोड़फोड़, घरों और व्यवसायों में आगजनी और हत्याओं का भी सामना करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि 18 अगस्त को, लगभग 50 छात्रों ने अजीमपुर गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल और कॉलेज में प्रिंसिपल बरुआ के कार्यालय पर धावा बोल दिया और उनसे और दो अन्य शिक्षकों से इस्तीफा देने की मांग की। कुछ इसी तरह, काजी नजरूल विश्वविद्यालय में लोक प्रशासन और शासन अध्ययन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर शंजय कुमार मुखर्जी ने भी अपनी व्यथा बताई। उन्होंने कहा कि हिंसा के बाद उनको भी पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया। एसोसिएट प्रोफेसर शंजय कुमार मुखर्जी ने कहा कि उनसे कहा गया कि वे बहुत कमजोर हो गए हैं इसलिए उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर निर्वासित बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने प्रतिक्रिया दी है। अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार पर निशाना साधा। तस्लीमा नसरीन ने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि बांग्लादेश में, शिक्षकों को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जाता है। पूर्व सरकार के पत्रकार, मंत्री, अधिकारी मारे जा रहे हैं, प्रताड़ित किये जा रहे हैं या जेल में डाले जा रहे हैं।

राहुल गांधी ने उठाया वायनाड में पर्यटन को पुनर्जीवित करने का मुद्दा

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 1 सितंबर। लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वायनाड में पर्यटन को पुनर्जीवित करने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने यह भी कहा कि भूस्खलन के बाद क्षेत्र में हुई तबाही को लेकर लोगों के डर को दूर करना होगा। उनको समझाना होगा कि भूस्खलन पूरे वायनाड नहीं बल्कि एक क्षेत्र विशेष में हुआ था। राहुल गांधी ने केरल कांग्रेस के नेताओं और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ वर्चुअल बैठक में पर्यटन के मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने वायनाड में राहत और पुनर्वास को लेकर किए जा रहे प्रयासों की एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि वायनाड भूस्खलन के बाद हुई तबाही से लगातार उबर रहा है। यहां सभी समुदाय और संगठनों के लोगों को एक साथ आता देखकर खुशी हो रही है। उन्होंने लिखा कि वायनाड के लिए पर्यटन सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। जब वहां बारिश बंद हो जाए तो पर्यटन क्षेत्र को पुनर्जीवित करने के लिए पहल की जाए। साथ ही लोगों को यहां आने के लिए

प्रोत्साहित किया जाए। हमें यह ध्यान रखना है कि भूस्खलन वायनाड के एक विशिष्ट क्षेत्र में हुआ था। राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड अद्भुत पर्यटन स्थल है। जल्द ही यह अपने पूरे प्राकृतिक आकर्षण के साथ भारत और पूरी दुनिया के पर्यटकों का स्वागत करने के लिए तैयार होगा। इसके लिए हम सबको एक बार फिर साथ में आना होगा। उन्होंने कहा कि वायनाड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सबसे अहम यह है कि हम लोगों के मन से यह डर दूर करें कि यह एक खतरनाक जगह है। उन्होंने कुछ प्रमुख मुद्दों पर ध्यान देने की बात कही। राहुल ने कहा कि राहत और पुनर्वास पर अंतर-विभागीय समन्वय, अपर्याप्त मुआवजा, किराये और पर्यटन पर प्रभाव जैसे मामलों पर ध्यान देने की जरूरत है। भूस्खलन में कई लोगों ने अपनी आजीविका खो दी है, इसलिए किराये के मुद्दे पर फोकस करने की जरूरत है। दरअसल, लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी ने दो निर्वाचन क्षेत्रों रायबरेली और वायनाड सीट से जीत हासिल की थी।

आज पूरे बिहार में राजद का आंदोलन, धरने पर बैठे तेजस्वी

पटना, 1 सितंबर। आज राष्ट्रीय जनता दल के नेता और कार्यकर्ता बिहार के 32 जिलों में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। पटना में राजद के वरीय नेताओं के साथ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। तेजस्वी यादव पटना हाईकोर्ट द्वारा रद्द किए गए आरक्षण को फिर से लागू करने और संविधान की नौवीं अनुसूची में डालने की मांग कर रहे हैं। उनके साथ राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, राजद नेता उदय नारायण चौधरी, जयप्रकाश नारायण, अब्दुल बारी सिद्दीकी, प्रवक्ता चितरंजन गगन, शक्ति यादव, मृत्युंजय तिवारी धरना पर बैठे हैं। अभी लोग आरक्षण और पूरे देश में जातीय गणना कराने की मांग कर रहे। राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हम जब 17 महीने सत्ता में रहे तभी तो आरक्षण की सीमा बढ़ाई गई? उनके(राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) कार्यकाल में ऐसा क्यों नहीं हुआ? नौटंकी तो वे लोग कर रहे हैं। तेजस्वी ने पूछा की आरक्षण को नौवीं अनुसूचि में क्यों नहीं डाला जा रहा है? जो आज बयान दे रहे हैं वही तो मेरे साथ बैठकर आरक्षण की घोषणा कर रहे थे। तेजस्वी ने कहा कि पांच लाख नौकरी उसी दौरान (महागठबंधन सरकार) मिला। खेल नीति, शिक्षा नीति उसी दौरान बनी। तेजस्वी यादव ने कहा कि भाजपा और जदयू वाले नाकारात्मक लोग हैं। अगर आप कुछ सकारात्मक बात कहेंगे तो उन्हें तकलीफ होनी ही है। हालांकि अगर वे सत्ता में बैठे है तो उनकी जिम्मेदारी बनती है। बिहार का विशेष राज्य का दर्जा तो छोड़ ही दीजिए। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया गया तो जदयू के लोग ताली बजा रहे थे। क्यों नहीं मिलना चाहिए?

केसी त्यागी के इस्तीफे के बाद सियासी गलियारे में अटकलों का दौर

नई दिल्ली, 1 सितंबर। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने के पीछे उन्होंने कोई बड़ा कारण नहीं बताया है, बल्कि इसे अपने निजी मामलों तक सीमित रखा है। केसी त्यागी को जदयू का मुख्य प्रवक्ता और नीतीश कुमार के दाहिने हाथ के तौर पर देखा जाता रहा है। जब भी बिहार सरकार या नीतीश कुमार का राजनीतिक तौर पर कहीं बचाव करना होता था, पार्टी की तरफ से केसी त्यागी ही सबसे पहले सामने आते थे और मजबूत तर्कों के साथ बिहार सरकार, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जनता दल यूनाइटेड का बचाव करते थे, लेकिन अब उन्होंने इस्तीफा दे दिया है। राजनीतिक गलियारों में इसको लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। केसी त्यागी के पार्टी प्रवक्ता पद से हटने के बाद पार्टी ने अपना एक मजबूत साथी खो दिया है जो बुरे समय में भी मजबूती के साथ पार्टी और सरकार का बचाव किया करता था। हालांकि, राजीव रंजन प्रसाद अब जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव के लगभग एक साल पहले ही नीतीश कुमार के खास सहयोगी केसी त्यागी का यह इस्तीफा कई मामलों में लोगों को चौंका रहा है। लंबे समय से इस बात की चर्चा चल रही थी कि जदयू केसी त्यागी को राज्यसभा भेज सकती है।

प्रधानमंत्री की माफी से अहंकार की बू आ रही थी: उद्धव ठाकरे

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 1 सितंबर। महाराष्ट्र का विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के नेताओं ने रविवार को राज्य की महायुति और केंद्र की मोदी सरकार को जमकर घेरा। एमवीए ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति ढहने के विरोध में दक्षिण मुंबई के प्रतिष्ठित हुतात्मा चौक से गेटवे ऑफ इंडिया तक मार्च निकाला। इस दौरान उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माफी को नाटक बताया, जबकि शरद पवार ने घटना को भ्रष्टाचार का एक उदाहरण बताया। दरअसल, मुंबई से करीब 480 किलोमीटर दूर मालवन तहसील के राजकोट किले में 17वीं सदी के मराठा योद्धा राजा की मूर्ति 26 अगस्त को गिर गई थी। इसका अनावरण पीएम मोदी ने 4 दिसंबर, 2023 को नौसेना दिवस के अवसर पर किया था। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) सुप्रीमो शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे, कांग्रेस राज्य इकाई के प्रमुख नाना पटोले और पार्टी की मुंबई प्रमुख वर्षा गायकवाड़ ने हुतात्मा चौक पर पुष्पांजलि अर्पित करके विरोध मार्च की शुरुआत की। यह चौक संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में शहीद हुए लोगों की याद में बनाया गया है। गेटवे ऑफ इंडिया पर एक सभा को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि क्या आपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माफी में अहंकार देखा? इसमें अहंकार की बू आ रही थी। एक उपमुख्यमंत्री मुस्कुरा रहे थे। महाराष्ट्र के लोग महान योद्धा राजा के अपमान को कभी माफ नहीं करेंगे। उद्धव ने मोदी की गारंटियों का मजाक उड़ाने के

लिए मूर्ति ढहने, राम मंदिर और नए संसद परिसर से बारिश का पानी के टपकने की घटना का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किस बात के लिए माफी मांग रहे थे? आठ महीने पहले जिस मूर्ति का उन्होंने उद्घाटन किया था, उसके लिए? उसमें शामिल भ्रष्टाचार के लिए? एमवीए कार्यकर्ताओं को शिवाजी महाराज का अपमान करने वाली ताकतों को हराने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। मूर्ति का गिरना महाराष्ट्र की आत्मा का अपमान है। इससे पहले शुक्रवार को पालघर में अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि छत्रपति शिवाजी महाराज सिर्फ एक नाम या राजा नहीं हैं, बल्कि एक देवता हैं। आज मैं उनके चरणों में सिर झुकाता हूं और माफी मांगता हूं। विरोध मार्च में बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति का गिरना भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है। यह सभी शिवाजी के अनुयायियों का अपमान है। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री से बहुत पहले विपक्ष ने ऐसी छत्रपति शिवाजी के सिद्धांतों के साथ विश्वासघात करने वाले सरकार को सत्ता में आने देने के लिए सम्राट से माफी मांगी थी। आगामी विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि हमने यह संकल्प लिया है कि ऐसा दोबारा नहीं होने देंगे। पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य चुनावों को ध्यान में रखते हुए माफी मांगी है। कोल्हापुर कांग्रेस सांसद शाहू छत्रपति ने कहा कि सम्राट की गरिमा को हर कीमत पर बनाए रखा जाना चाहिए।

बांग्लादेश से नकली नोट लाकर भारत में कर रहा था तस्करी

बंगलूरू, 1 सितंबर। बांग्लादेश से लाकर भारत में नकली नोटों की तस्करी के मामले में एनआईए बंगलूरू की अदालत एक आरोपी को छह साल की सजा सुनाई। अदालत ने पश्चिम बंगाल निवासी आरोपी सरीफुल इस्लाम पर पांच हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। एनआईए अधिकारियों के मुताबिक 2018 के नकली नोटों के मामले में अदालत ने सातवें आरोपी को सजा सुनाई है। एनआईए बताया है कि आरोपी सरीफुल ने छह अन्य लोगों के साथ मिलकर बांग्लादेश सीमा से भारत के विभिन्न हिस्सों में 82,000 रुपये मूल्य के 41 जाली भारतीय मुद्रा नोटों की तस्करी की साजिश रची थी। उसने पश्चिम बंगाल से नकली नोट लाने और देशभर में उनको चलाने का काम किया। उसने सह-आरोपियों से बात करने के लिए धोखे से एक सिम कार्ड हासिल किया था। जांच में आरोपियों की ओर से कई ऐसे लेन-देन का पता चला है। उन्होंने पहले पश्चिम बंगाल में मुख्य दोषी दलिम मिया को 10.3 लाख रुपये के फर्जी नोट दिए थे। साजिश का उद्देश्य भारतीय मुद्रा की स्थिति और आर्थिक सुरक्षा को अस्थिर करना था। एनआईए ने अब तक इस मामले में दो आरोपपत्र दाखिल किए हैं। दो बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ जांच चल रही है। इससे पहले एनआईए ने इससे पहले दिसंबर 2019 में तीन आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था। इसके बाद मई 2020 में एक और आरोपी के खिलाफ पहला पूरक आरोप पत्र दायर किया गया था। 2018 में असम पुलिस ने आरोपी मतलेब अली, अमीर हमजा और दिलबर हुसैन को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उनके कब्जे से 1,84,000 रुपये के नकली नोट भी जब्त किए गए थे।

नेपाल में दो नाबालिगों को जहर खिलाने के बाद गायब हुई मां

एजेंसी

काठमांडू। मोरंग के सुंदरहरैचा में दो नाबालिग लड़कियां मृत पाई गई हैं। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक उनकी मौत जहर खाने से हुई है। केला के बागान में जिन दो नाबालिग लड़कियों का शव बरामद हुआ है उनकी पहचान 3 वर्षीया अर्पणा कार्की और 1 वर्षीया आयशा कार्की के रूप में हुई है।दोनों मृतक नाबालिग लड़कियां 31 वर्षीय अर्जुन कार्की और अस्मिता पौडेल की बेटियां हैं, जो धनकुटा के रहने वाले हैं और वर्तमान में मोरंग सुंदरहरैचा, मालती टोल में सीता रेग्मी के घर में रह रहे हैं। जिला पुलिस कार्यालय मोरंग के एसपी नवराज कार्की ने कहा कि जिस स्थान पर दोनों लड़कियों के शव मिले हैं, वहां कीटनाशक भी पाया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि बीते शाम करीब छह बजे अर्जुन और अस्मिता के बीच झगड़ा हुआ था। अर्जुन, जो एक ट्रक ड्राइवर था, वह सुबह जल्दी ही अपने काम पर चला गया। पुलिस प्रमुख एसपी कार्की ने बताया कि बच्चों की मां अस्मिता ने अपने मकान मालिक और पड़ोसियों को यह बताया था कि वह सुबह अपने दो बच्चियों को छोड़कर पूर्वांचल विश्वविद्यालय एक की ओर जा रही है। दोपहर करीब साढ़े चार बजे दो नाबालिगों के शव मिले। शव मिलने के बाद भी अभी देर शाम तक उनकी माँ अस्मिता नहीं मिली हैं। पुलिस ने कहा कि हो सकता है कि उसने अपनी दोनों बेटियों को जहर दे दिया हो और भाग गई हो।

दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस की दस्तक, इस साल दूसरा मामला आया सामने, 4 गायें संक्रमित

सोल। दक्षिण कोरिया में लंपी वायरस का एक और मामला सामने आया है। कृषि मंत्रालय ने कहा कि एलएसडी के दूसरे मामले की पुष्टि ग्योंगगी के इचोन में एक मवेशी फार्म में हुई है। योनहाप समाचार एजेंसी ने मंत्रालय के हवाले से बताया कि मवेशी फार्म के मालिक ने रिपोर्ट सौंपी थी। अधिकारियों ने उनकी जांच की तो चार डेयरी गायों के लंपी बीमारी से संक्रमित होने की पुष्टि हुई। दक्षिण कोरिया में इस साल एलएसडी के पहले मामले की पुष्टि 12 अगस्त को हुई थी। सोल से लगभग 65 किमी दक्षिण में अनसेओंग में एक मवेशी फार्म में संक्रमण पाया गया था। मंत्रालय ने कहा कि आगे संक्रमण को रोकने के लिए, प्रभावित फार्म को प्रतिबंधित कर दिया है। साथ ही संक्रमित मवेशियों को क्वारंटीन करने की व्यवस्था कर दी गई है। गाइडलाइन के अनुसार संक्रमित गायों को खत्म कर दिया जाएगा। एलएसडी एक संक्रामक बीमारी है। इससे त्वचा पर घाव, बुखार और भूख न लगने की समस्या उत्पन्न होती है। इससे दुग्ध उत्पादन पर असर पड़ता है और आगे चलकर मवेशियों की मृत्यु भी हो जाती है। यह मच्छरों और अन्य खून पीने वाले कीड़ों के जरिए मवेशियों में फैलता है।

इराक के सलाहुद्दीन प्रांत में बम धमाका, दो नागरिकों की मौत

बगदाद। इराक के सलाहुद्दीन प्रांत में हुए बम धमाके में दो लोगों की मौत हो गई है। एक पुलिस अधिकारी ने घटना की पुष्टि की है। अधिकारी के अनुसार, बगदाद के उत्तर में स्थित सलाहुद्दीन प्रांत में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह द्वारा एक बम रखा गया था। अचानक विस्फोट हो गया और इसकी चपेट में आने से दो नागरिकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, सलाहुद्दीन प्रांत के बैजी शहर में एक कार के पास विस्फोट हुआ। सलाहुद्दीन पुलिस कमांड मीडिया कार्यालय के मोहम्मद अल-बाजी के अनुसार, ये विस्फोट इतना जोरदार था कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। यही नहीं, इसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। बता दें कि 2017 में इस्लामिक स्टेट (आईएस) को इराक से खदेड़ दिया गया था। इसके बावजूद आईएस के लड़ाके इराक में गुरिल्ला हमले कर रहे हैं। आतंकी शहरी केंद्रों, रेगिस्तानों और बीहड़ क्षेत्रों में घुसपैठ कर उन्हें निशाना बनाते हैं। इसके अलावा वह सुरक्षा बलों और नागरिकों पर भी हमला करते हैं।

यूक्रेन के ड्रोन हमलों को विफल किया, यूएवी एयरक्राफ्ट को मार गिराया: रूस

मास्को। रूस ने दावा किया है कि उसने पोडॉल्स्क में यूक्रेन के ड्रोन हमलों को विफल कर दिया है। इसके साथ ही यूएवी एयरक्राफ्ट को भी नष्ट कर दिया गया। रूसी अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

रूसी एयर डिफेंस फोर्सेज ने मास्को की ओर उड़ान भरने वाले एक ड्रोन के हमले को फेल कर दिया। रूसी अधिकारियों के मुताबिक यूक्रेनी ड्रोन के निशाने पर मॉस्को समेत कई अन्य इलाके थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मलबा गिरने वाली जगह पर कोई नुकसान या हताहत नहीं हुआ है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा, आपातकालीन सेवा जारी है और विशेषज्ञ घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। बाद में अलग-अलग पोस्ट में उन्होंने कहा कि एयर डिफेंस फोर्स ने मॉस्को की ओर उड़ान भर रहे दो ड्रोनों को मार गिराया। क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा, ब्रांस्क क्षेत्र में यूएवी (मानवरहित विमान) का उपयोग करके आतंकवादी हमले को अंजाम देने के कीव शासन के प्रयास को विफल कर दिया गया है। उन्होंने कहा, रूसी रक्षा मंत्रालय के एयर डिफेंस फोर्सेज द्वारा यूएवी का पता लगाया गया और उसे नष्ट कर दिया गया। इससे कोई नुकसान नहीं हुआ है। घटनास्थल पर आपातकालीन सेवाओं की टीम अपना काम कर रही हैं।

इजराइली सैनिकों को गाजा की सुरंग से अमेरिकी नागरिक समेत 6 बंधकों के शव मिले

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइली सुरक्षा बलों ने रविवार को गाजा शहर रफाह की एक सुरंग से छह बंधकों के शव बरामद किए हैं। इन्हें बीते साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए आतंकी हमले के दौरान बंधक बनाया था।

इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के अनुसार गाजा की एक सुरंग से 6 बंधकों के शव बरामद किए गए हैं। इजरायली सेना ने पुष्टि की है कि गाजा से बरामद शव 7 अक्टूबर को बंधक बनाए गए लोगों के हैं। इजरायली रक्षा बल आईडीएफ और शिन बेट के मुताबिक हमास ने कैद के दौरान इन छह बंधकों की हत्या की थी। बताया जा रहा है कि सभी शव ही मिल गए थे लेकिन इनकी पहचान में समय लग गया। जिन 6 बधकों के शवों मिले हैं उनमें 3 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। मृतकों की पहचान हेरश

गोल्डबर्ग पोलिन (23), एडेन यरुशलमी (24), कार्मेल गाट (39), अलमोग सरुसी (26), एलेक्स लुबनोव (32) और ओरी डानिनो (25) के रूप में हुई है। अमेरिका नागरिक गोल्डबर्ग पोलीन का शव भी इनमें शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसकी पुष्टि की है कि गाजा के सुरंग में मिले शवों में हर्श गोल्डबर्ग पोलिन का शव भी शामिल है। बाइडेन ने एक बयान में कहा, आज सुबह, रफाह शहर के नीचे एक सुरंग में इजरायली बलों ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए छह लोगों के शव बरामद किए। हमने अब पुष्टि कर ली है कि बंधकों में से एक अमेरिकी नागरिक, हर्श गोल्डबर्ग-पोलिन था। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास आतंकियों ने दक्षिणी इजराइल में हमला कर करीब 1200 लोगों को मार कर 251 लोगों को बंधक बना लिया था। जिसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू कर दिया जो अबतक जारी है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजरायली हमलों में मृतकों (फिलिस्तीनी) की संख्या 40,691 तक पहुंच गई है।

ब्राजील में भीषण सड़क हादसा, छह लोगों की मौत

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील में दो ट्रकों और एक कार की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। ब्राजील पुलिस ने बताया कि यह सड़क हादसा क्यूरीटिबा-पराना संघीय राजमार्ग पर हुआ। शुक्रवार रात संघीय राजमार्ग पर कुछ गाड़ियों की टक्कर हो गई थी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह हादसा क्यूरीटिबा के साओ जोस डॉस पिन्हास के पास हुआ। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त गाड़ियों की रफ्तार धीमी थी। इसी दौरान पीछे आ रहा ट्रक एक कार से टकरा गया। पुलिस ने एक बयान में बताया कि हादसे के दौरान ट्रक की रफ्तार ज्यादा थी और जैसे ही पीछे से आ रहे ट्रक ने कार को टक्कर मारी तो गाड़ी आगे चल रहे एक और ट्रक से जा टकराई। पुलिस के मुताबिक, कार में सवार पांच यात्रियों और ट्रक चालक की मौत हो गई। हादसे के दौरान ट्रक चालक ने ब्रेक नहीं लगाया था। फिलहाल ब्राजील पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

नेपाल में 288 परिवारों के डेढ़ हजार लोगों ने की सनातन धर्म में वापसी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सुनसरी जिले में 288 परिवारों के डेढ़ हजार लोगों ने सनातन धर्म में वापसी की है। विश्व हिंदू परिषद नेपाल के तत्वावधान में आयोजित शुद्धिकरण महायज्ञ के दौरान इन लोगों ने ईसाई पंथ त्याग कर फिर से सनातन धर्म अपनाया।

विहिप नेपाल के मुताबिक सुनसरी जिले के देवानगंज में आयोजित एक कार्यक्रम में वहां रह रहे 288 परिवार के करीब 1500 लोग सहभागी थे। विहिप के संगठन सचिव प्रहलाद रेग्मी ने बताया कि घर वापसी करने वाले लोगों के लिए स्थानीय श्रीकृष्ण माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में शुद्धिकरण महायज्ञ का आयोजन किया गया था।

रेग्मी ने बताया कि विहिप के घर वापसी अभियान का देशभर से जोरदार समर्थन मिल रहा है और लगातार इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन अलग-अलग जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विहिप के प्रयास से लोग स्वधर्म में वापसी करने को लेकर जागृत हो रहे हैं। सुनसरी जिले के देवानगंज में हुए

नेपाल में ईसाई मिशनरियों द्वारा जिस तरह से पैसे के लोभ में मतांतरण किया जा रहा है उसकी असलियत अब लोगों को समझ में आ रहा है। कार्यक्रम में विहिप के पदाधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मोहम्मद युनुस के वायदे का सच सामने आया, हिंदू शिक्षकों से जबरन लिया जा रहा इस्तीफा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार की बर्खास्तगी के बाद कट्टरपंथी देश के विभिन्न सरकारी क्षेत्रों में काम करने वाले हिंदू कर्मचारियों को निशाना बना रहे हैं। उन्हें सरकारी नौकरियों से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ताजा मामला सरकारी शिक्षण संस्थानों में काम करने वाले हिंदु शिक्षकों से जबरन इस्तीफा लिए जाने का है। जिसमें बकरगंज के सरकारी कॉलेज की प्रिंसिपल शुक्ला रानी हलदर की तस्वीर सामने आई है, जिसमें वे इस्तीफा देते हुए दिख रही हैं।बांग्लादेशी दैनिक प्रोथोम अलो के मुताबिक 29 अगस्त की दोपहर छात्रों और कुछ बाहरी लोगों के समूह ने प्रिंसिपल शुक्ला रानी हलदर के कार्यालय को लगभग चार घंटे तक घेरे रखा और अंततः उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस दौरान उन्हें भीड़ ने जिस तरह बंधक बनाए रखा, वे काफी असहज दिख रही थीं, जिसकी तस्वीर देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। 14वें बीसीएस शिक्षा संवर्ग की

अधिकारी शुक्ला रानी हलदर ने 2022 के मध्य में बेकरगंज सरकारी कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी।इससे पहले, उन्होंने बरिशाल में सरकारी ब्रोजोमोहन (बीएम) कॉलेज में अंग्रेजी प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। सोशल मीडिया पर कई शिक्षाविदों और पूर्व छात्रों ने उनके जबरन इस्तीफा लिए जाने की निंदा की। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात चिंताजनक हैं, सरकारी अधिकारियों को मार रहे हैं। उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। जेलों में डाला जा रहा है। हिंदुओं के अलावा, अहमदिया मुसलमानों को भी प्रताड़ित किया जा रहा है, उनके उद्योगों को जलाया जा रहा है। सूफी मुसलमानों की मजारों और दरगहों को ध्वस्त किया जा रहा है। इन सब पर नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस चुप हैं।दावा किया जा रहा है कि शेख हसीना के देश छोड़ने के दिन 05 अगस्त से अबतक करीब 50 हिंदु शिक्षकों को देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से इस्तीफा देना पड़ा है। बांग्लादेश छात्र एक्स परिषद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया।

नेपाल में जल विद्युत परियोजना के प्रभावितों को भारतीय कंपनी देगी 140 करोड़ का मुआवजा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के संखुवासभा में बनने जा रही 669 मेगावाट क्षमता की लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना से प्रभावित होने वाले 268 परिवारों को करीब 140 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए नेपाल सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय निकाय के साथ भारतीय कंपनी सतलज जल विद्युत निगम समन्वय का काम कर रही है।

सतलज जल विद्युत निगम द्वारा प्रस्तावित लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन की मसौदा रिपोर्ट के अनुसार परियोजना के निर्माण के लिए लगभग 65 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। लोअर अरुण पावर डेवलपमेंट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण धीमान ने बताया कि इस परियोजना के लिए 65 हेक्टेयर निजी भूमि के

अलावा 70 हेक्टेयर वन क्षेत्र और 6 हेक्टेयर सरकारी भूमि का भी अधिग्रहण किया जाएगा।

धीमान ने बताया कि प्रभावित 268 परिवारों को 1 अरब 40 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित किया जाएगा। नेपाल और भारत सरकार के बीच इस परियोजना के निर्माण पर समझौता होने के बाद भारत सरकार की तरफ से पहली किस्त के रूप में 500 करोड़ रुपये भी अवमुक्त कर दिए गये हैं। इसके बाद ही सतलज कंपनी ने प्रभावित क्षेत्र के निवासियों के साथ चर्चा शुरू कर दी है।

900 मेगावाट क्षमता के अरुण-3 जलविद्युत उत्पादन से निकलने वाले पानी को 17.4 किमी सुरंग के माध्यम से खादबारी के चेवाबेसी तक लाकर इसी पानी से 669 मेगावाट बिजली उत्पादन किए जाने की योजना है।

इस समय 900 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना का निर्माण का काम अंतिम चरण में है। इस परियोजना का निर्माण कार्य 2024 के आखिरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना से उत्पादित बिजली का 25 प्रतिशत नेपाल को मुफ्त में दिया जाएगा जबकि बाकी 75 प्रतिशत बिजली भारत को दिया जाएगा।

22 लोगों के साथ उड़ान भरने वाला हेलीकॉप्टर लापता, दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका

एजेंसी

मॉस्को। रूस का एमआई-8टी हेलीकॉप्टर उड़ान भरते ही लापता हो गया। हेलीकॉप्टर में तीन क्रू सदस्यों समेत 22 लोग सवार हैं। लापता हेलीकॉप्टर की तलाश चल रही है। हालांकि हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका जताई जा रही है। इस हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का लंबा इतिहास है।उपलब्ध विवरण के अनुसार, एमआई-8टी हेलीकॉप्टर ने रूस के पूर्वी इलाका स्थित कामाचाटका पेनिसुला के वचकाझेट्स बेस से उड़ान भरी। हेलीकॉप्टर में तीन क्रू सदस्यों समेत कुल 22 लोग सवार थे। तय समय पर हेलीकॉप्टर के गंतव्य तक नहीं पहुंचने पर इसकी तलाश में अभियान शुरू किया गया। दो इंजन वाले इस हेलीकॉप्टर को 1960 में डिजाइन किया गया था। रूस के अलावा कई अन्य देश इस हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करते हैं।

नेपाल में बांग्लादेश और श्रीलंका वाली स्थिति आने की कोई संभावना नहीं: पीएम ओली

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा है कि नेपाल में बांग्लादेश और श्रीलंका वाली स्थिति आने की कोई संभावना नहीं है। काठमांडू में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि नेपाल की तुलना बांग्लादेश और श्रीलंका से करना उचित नहीं है।

पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने बीते दिन नेपाल की सत्ता पर बैठे दलों को चेतावनी दी थी कि दो तिहाई के अभिमान में रहे सतारूढ़ गठबंधन को बांग्लादेश और श्रीलंका की घटनाओं से सबक सीखना चाहिए। इसी पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि देश की भूमि का 10 वर्षों तक रक्त रंजित करने वाले नेताओं से हमे पाठ सीखने की जरूरत नहीं है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम ओली ने कहा कि सत्ता परिवर्तन के नाम पर 17 हजार लोगों को मौत का घाट उतारने वाले नेता आज हमें बांग्लादेश और श्रीलंका की

तरफ दिखा रहे हैं, यह किसी भी नजरिए से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश और श्रीलंका की स्थिति से उन नेताओं को डरने की जरूरत है जो लोकतांत्रिक मूल्य मान्यता में विश्वास नहीं रखते हैं।

ओली ने कहा कि माओवादी बंदूक के बल पर सत्ता शासन चलाने की सोच रखती है। लेकिन नेपाली समाज की सोच और समझ इतना क्रूर नहीं है जो श्रीलंका और बांग्लादेश वाली स्थिति आए। इसलिए किसी को भी इस गलतफहमी में रहने की आवश्यकता नहीं है।

अमेरिका के ह्यूस्टन में नेपाली छात्रा की हत्या के आरोप में भारतीय मूल का 51 वर्षीय व्यक्ति गिरफ्तार

एजेंसी

ह्यूस्टन। अमेरिका में टेक्सास के ह्यूस्टन में पुलिस ने एक नेपाली छात्रा की हत्या के आरोप भारतीय मूल के 51 वर्षीय बॉबी सिंह शाह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया है कि आरोपित शाह चोरी के इरादे से नेपाली छात्रा के फ्लैट में घुसा। पकड़े जाने के डर से उसने छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी।

नेपाल मूल की छात्रा की पहचान मुना पांडे के रूप में हुई है। मुना ह्यूस्टन के सामुदायिक कॉलेज में नर्सिंग की छात्रा थी। सोमवार शाम करीब साढ़े पांच बजे मुना के ह्यूस्टन स्थित अपार्टमेंट से उसका शव बरामद हुआ। मुना के शरीर पर गोलियों के कई निशान मिले हैं। शुगर डैडी बेवसाइट की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ की। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान अपार्टमेंट से निकलते हुए हथियारबंद बॉबी सिंह शाह की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गई थी। सीसीटीवी फुटेज

के आधार पर आरोपित की तस्वीर जारी की गई। इसके बाद आरोपित को बुधवार को एक ट्रैफिक स्टॉप से गिरफ्तार कर लिया गया। एक सीसीटीवी फुटेज में मुना आरोपित से संघर्ष करती भी दिख रही है।

मुना पांडे साल 2021 में नेपाल से यहां पढ़ने आई थी। नेपाली एसोसिएशन ऑफ ह्यूस्टन के एक सदस्य ने बताया कि मुना की मां अपनी बेटी से कई दिनों से संपर्क करने की कोशिश कर रहीं थी। मुना अपने माता-पिता की इकलौती संतान थी। एसोसिएशन ऑफ नेपाल, नेपाली वाणिज्य दूतावास के साथ मिलकर मुना की मां को ह्यूस्टन लाने की व्यवस्था कर रहा है। इसके लिए फंड भी जुटाया जा रहा है। दोस्तों ने मुना को जीवंत और खुशहाल व्यक्ति बताया है। उसकी पूर्व रूममेट ओरुशा निरौला ने सोशल मीडिया पर लिखा है, उसे इतने हिंसक तरीके से खोने का दर्द असहनीय है। इस हत्याकांड ने स्थानीय समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। ह्यूस्टन में एक सप्ताह के भीतर किसी स्टूडेंट की यह दूसरी हत्या है।

अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज पर हुए हमले की जिम्मेदारी हूती ने ली

एजेंसी

सना। अदन की खाड़ी में ग्रोटन नामक मालवाहक जहाज पर हुए हमले की जिम्मेदारी हूती ने ली है। यमन में हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित अल-मसीराह टीवी पर हूती प्रवक्ता याहया सारिया ने कहा, हमने फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में अदन की खाड़ी में ग्रोटन जहाज पर हमला किया, क्योंकि इस जहाज की मालिकाना हक वाली कंपनी इजरायल के साथ व्यापार कर रही थी।

समाचार एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने कहा, मिलाइलों और ड्रोन्स को इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया। सारिया ने आगे कहा कि यह दूसरी बार है जब हूती ने किसी जहाज को अगस्त महीने में निशाना बनाया है। पहला हमला 3 अगस्त को किया गया था, और इस बात की चेतावनी जारी की गई थी कि अभी और जहाजों को निशाना बनाया जाएगा।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में जेल में बंद इमरान खान के इलाज में कोताही के सवाल पर हंगामा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में लंबे समय से अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में बंद पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता इमरान खान के इलाज में कोताही के सवाल पर शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, विपक्ष और सत्ता पक्ष के सदस्यों के बीच मौखिक झड़प के बाद नेशनल असेंबली में अराजकता फैल गई।

इस दौरान योजना एवं विकासमंत्री अहसान इकबाल और हनीफ अब्बासी ने अपने तीखे भाषणों में इमरान खान कार्यकाल में विरोधियों पर दमन का आरोप लगाया। इस पर विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया और जोरदार नारे लगाए। अब्बासी के भाषण के दौरान सदन के गलियारे में दोनों पक्ष के सदस्यों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। यह देख स्पीकर अयाज सादिक ने बैठक सोमवार शाम तक के लिए स्थगित कर दी।

व्यवस्था के प्रश्न पर नेता विपक्ष उमर अयूब खान ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में पीटीआई संस्थापक अध्यक्ष इमरान खान के साथ कथित दुर्व्यवहार की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि खान को उनके परिवार और पार्टी नेताओं से मिलने नहीं दिया जा रहा है। उन्हें विदेश में रहने वाले अपने बेटों से फोन पर बात करने की भी अनुमति नहीं दी जा रही है। जेल अधिकारी और सुरक्षाकर्मी पार्टी सांसदों का अपमान करते हैं। पीटीआई सांसदों को जेल में बंद अपने नेता से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही है। नेता विपक्ष ने अपने भाषण में जेल में इमरान की सुविधाएं बंद करने के सरकार के फैसले, बलूचिस्तान में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति, पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं के कथित राजनीतिक उत्पीड़न और यूटिलिटी स्टोर्स कॉरपोरेशन के कर्मचारियों के विरोध प्रदर्शन का मुद्दा भी उठाया।

धर्मेंद्र दिल्ली के नए मुख्य सचिव नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1989 बैच के अधिकारी धर्मेंद्र को दिल्ली का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी आदेश में कहा है कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव धर्मेंद्र को एक सितंबर से दिल्ली का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। श्री धर्मेंद्र को 1987 बैच के आईएएस अधिकारी नरेश कुमार के स्थान पर यह जिम्मेदारी दी गई है।श्री कुमार का कार्यकाल आज समाप्त हो रहा है । श्री धर्मेंद्र एक सितंबर या जिस दिन वह पदभार ग्रहण करेंगे उसे दिन से दिल्ली के मुख्य सचिव का कार्य भार संभालेंगे।

आठ सितंबर से अमेरिका की यात्रा पर रहेंगे राहुल गांधी

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आठ सितंबर से अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर रहेंगे जहां वह टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्राओं और शिक्षाविदों के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने श्री गांधी की अमेरिका यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा के दौरान वह विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोगों के साथ ही डैलस क्षेत्र के राजनेताओं से भी विचार विमर्श करेंगे।

उन्होंने कांग्रेस नेता की यात्रा का विवरण देते हुए बताया कि श्री गांधी 8 सितंबर को डलास, टेक्सास और 9 तथा 10 सितंबर को वाशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे। इस दौरान वह प्रवासी भारतीयों, टेक्नोक्रेट, बिजनेस लीडर, छात्र, मीडिया बिरादरी और राजनीतिक नेताओं से भी मिलेंगे।

श्री पित्रोदा ने बताया कि अमेरिका यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता टैक्सास विश्व विद्यालय में छात्रों से भी बातचीत करेंगे।

दिल्ली में प्रदूषण के मुद्दे पर भाग रही केजरीवाल सरकार : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली । दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने एक बार फिर आम आदमी पार्टी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को लेकर केजरीवाल सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी से भागने की कोशिश कर रहे हैं।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को कैसे सुधारा जाए, उसको रोकने के बजाय वह केंद्र सरकार को पत्र लिखकर अपनी जिम्मेदारी से भागने की कोशिश कर रहे हैं। हमें उम्मीद थी कि दिल्ली सरकार अपनी पिछली गलतियों से सीख लेगी और इस मुद्दे पर कुछ नया विजन लेकर सामने आएगी। मगर केजरीवाल सरकार इससे भाग रही है। उन्होंने कहा, अरविंद केजरीवाल सरकार की लापरवाही के कारण दिल्ली में लोग हर साल अपनी जान गंवाते हैं। सांस और अस्थमा की बीमारियों से पीड़ित होते हैं। इन समस्याओं को सुलझाने के बजाय दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय, केंद्र सरकार को पत्र लिखकर एक नाटक कर रहे हैं।वीरेंद्र सचदेवा ने गोपाल राय से सवाल पूछते हुए कहा, ÷उन्हें ये बताना चाहिए कि उन्होंने अपनी ही पार्टी की पंजाब सरकार के मुख्यमंत्री भगवंत मान से पराली को जलाने से रोकने के लिए कोई बात की है या नहीं। गोपाल राय से दिल्ली वाले जानना चाहते हैं कि कृत्रिम वर्षा से दिल्ली के किन शहरों में प्रदूषण का स्तर कम हुआ है।

24 घंटे पानी सप्लाई के कार्य का निरीक्षण करने मनीमाजरा पहुंचे मुख्य अभियंता

संजय अरोड़ा

चंडीगढ़। स्मार्ट सिटी चंडीगढ़ में शहर वासियों को 24 पानी दिए जाने की योजना पर काम होने के बाद , पब्लिक को नियमत रूप से पानी सप्लाई करने से पहले अंतिम रूप दिया जा रहा है ताकि लोगो की किसी भी तरह की समस्या न हो। इसी कड़ी के चलते चंडीगढ़

नगर निगम के मुख्य अभियंता एन पी शर्मा अपनी टीम के साथ शांति, नगर पीपली वाला टाउन, माड़ी वाला टाउन में पानी की 24 घंटे सप्लाई का जायजा लेने पहुंचे । उन्होंने वहा रह रहे लोगों के घरों में जा कर पानी की सप्लाई को चैक किया स्थानीय लोगो ने बताया कि यह पर पानी की दिन शाम की सप्लाई स्थिर है अब मोटर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती । मुख्य अभियंता एन पी शर्मा ने टेक्निकल टीम से भी विचार विमर्श किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि यदि पानी सप्लाई में कहीं भी, थोड़ी सी भी त्रुटि होने की संभावना नजर आती है तो उसे प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए। और उन्होंने बताया जल्दी ही दोपहर की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

दिल्ली सरकार जेलों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध : गहलोत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के गृह मंत्री कैलाश गहलोत ने तिहाड़ जेल का दौरा किया और कहा कि सरकार जेलों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

श्री कैलाश गहलोत ने कहा कि जेल की स्थितियों में सुधार के लिए दिल्ली सरकार के चल रहे प्रयासों के तहत तिहाड़ जेल का दौरा कर कैदियों को दी जा रही बुनियादी सुविधाओं का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार जेलों में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। तिहाड़ जेल का हमारा यह दौरा जेल की स्थितियों में सुधार लाने और यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक और कदम है कि कैदियों को आवश्यक संसाधन मुहैया कराए जाएं, जिससे कि वह खुद को सुधारें। हमारा मानना है कि प्रत्येक व्यक्ति में सुधार करने की क्षमता होती है और उसे ऐसा करने के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने कैदियों को व्यवसायिक प्रशिक्षण देने वाले गैर सरकारी संगठनों की सरहाना की और इस बात पर बल दिया कि कैसे ये कार्यक्रम जेल से बाहर आने के बाद

कैदियों के पुनर्वास में मददगार साबित होंगे। कैलाश गहलोत ने महिला कैदियों के लिए उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की भी समीक्षा की और मेडिकल रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसे वह राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के साथ लेने की योजना बना रहे हैं।

बाद में गृह मंत्री ने सेंट्रल जेल नंबर-3 का भी दौरा किया, जहां उन्होंने गौशाला, लंगर (सामुदायिक रसोई) और 120 बिस्तरों वाले अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने कैदियों के लिए तैयार किए गए भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता की सराहना की। उन्होंने कैदियों को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए गहन कौशल विकास कार्यक्रमों के विस्तार का निर्देश दिया। व्यावसायिक प्रशिक्षण और पुनर्वास प्रयासों को बढ़ाने के लिए जेल विभाग कई संगठनों के साथ सहयोग कर रहा है।

इस अवसर पर उनके साथ गृह सचिव चंचल यादव, जेल महानिदेशक सतीश गोलचा, अतिरिक्त महानिरीक्षण कारागार डॉ. अजय कुमार बिष्ट, जेल उप महानिर्देशक राजीव सिंह समेत जेल विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

राहुल ने युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने युवाओं में बढ़ रही आत्महत्या की घटनाओं पर गहरी चिंता जाहिर करते हुए सरकार से युवाओं के खुशहाल भविष्य के लिए विकासोन्मुखी योजना बनाने का आग्रह किया है।

श्री गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर जारी एक संदेश में कहा ÷देश मे युवाओं के बीच बढ़ता आत्महत्या दर बहुत ही दुखद और चिंताजनक है। पिछले दशक में जबकि 0-24 आयु के बच्चों की जनसंख्या 58.20 करोड़ से घटकर 58.10 करोड़ हो गई, छात्र आत्महत्याओं की संख्या चौंकाने वाले रूप से 6,654 से बढ़कर 13,044 हो गई।

उन्होंने कहा भारत आज सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है-अफसोस की बात है कि इस शक्ति को सही इस्तेमाल की सुविधाओं की जगह उन्हें कठिनाइयां और मजबूरियां मिल रही हैं। ये सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत ही गहरी समस्याओं की ओर इशारा

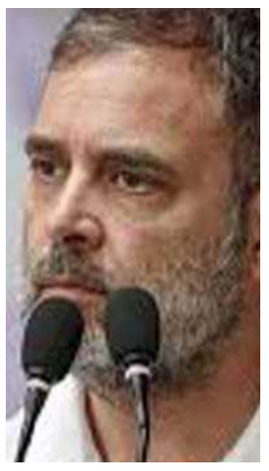

कर रहा है। भयंकर बेरोज़गारी, पेपर लीक, शिक्षा में भ्रष्टाचार, महंगी पढ़ाई, सामाजिक उत्पीड़न, आर्थिक असमानता, माता-पिता का दबाव- आज के विद्यार्थी ऐसी अनगिनत समस्याओं से जूझते हुए सफलता तलाशने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने सरकार से इस समस्या का निदान निकालने का आग्रह करते हुए कहा मेरी सरकार से अपेक्षा है कि वह विद्यार्थियों और युवाओं के इस कठिन रास्ते को आसान करने की हर संभव योजना बनाए-उनके रास्ते में बाधाएं नहीं, उन्हें समर्थन पहुंचाएं।

श्री गांधी ने ब्च्चों के माता-पिता से भी अनुरोध करते हुए कहा विद्यार्थियों के माता-पिता और अभिवावकों से अनुरोध है की उन्हें मानसिक समर्थन और प्रोत्साहन दें और देश के युवा साथियों से अपील है समस्याओं के विरुद्ध आवाज़ उठाओ, सवाल करो, अपना हक़ मांगो-डरो मत। मैं आपके साथ खड़ा हूं और आपके अधिकार दिलाने के लिए सड़क से संसद तक लड़ता रहूंगा।

चक्रवाती असना के पश्चिमी तटों पर आने पर भारी बारिश, तेज हवाएं चलने की आशंका

एजेंसी

नई दिल्ली ।मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चक्रवाती तूफान असना के आने के कारण गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक तटों पर भारी बारिश और तूफानी हवाओं की चेतावनी जारी की, जिसके अरब सागर के ऊपर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और एक सितंबर की सुबह तक इसकी तीव्रता बने रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने कहा कि तूफान के दो सितंबर की सुबह तक कमजोर पड़ने का अनुमान है। विभाग ने रविवार तक गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक तटों पर भारी बारिश और 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग ने कहा, ÷पाकिस्तानी तट से सटे उत्तर-पश्चिम अरब सागर में 70-80 किमी प्रति घंटे से 90 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। इसके बाद, हवाओं की रफ्तार धीरे-धीरे कम हो जाएगी और 50-60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी और एक सितंबर की शाम तक 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंच जाएगी और धीरे-धीरे इसमें सुधार होगा। मौसम विभाग ने मछुआरों को 31 अगस्त से दो सितंबर के दौरान उत्तर-पूर्व और आसपास के पूर्व-मध्य और पश्चिम-मध्य अरब सागर, गुजरात और आसपास के उत्तरी महाराष्ट्र के तटों और पाकिस्तान के तटों पर न जाने की सलाह दी है। विभाग ने अगले दो दिनों के लिए ओडिशा, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश या फिर अतिवृष्टि के साथ-साथ अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान लगाया है।पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्पष्ट रूप से चिह्नित निम्न दबाव का क्षेत्र बना है और जो उसी क्षेत्र पर केंद्रित है। मौसम विभाग ने कहा कि इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और शनिवार देर रात के आसपास विशाखापत्तनम और कलिंगपत्तनम के पास गोपालपुर के बीच उत्तर आंध्र प्रदेश तथा उससे सटे दक्षिण ओडिशा तटों को पार करने का अनुमान है। विभाग ने कहा, ÷पश्चिम-मध्य और निकटवर्ती उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उत्तर आंध्र प्रदेश और दक्षिण ओडिशा तटों और उत्तर ओडिशा और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर 31 अगस्त और एक सितंबर को 45-55 किमी प्रति घंटे से 65 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवा चलने का अनुमान जताया है।

हत्या के मामले में वांछित आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 2018 के रनहौला में हत्या के मामले में वांछित चल रहे आरोपित को गरिफ्तार किया है। आरोपित की पहचान अभय सिंह उर्फ दारा सिंह (25) के रूप में की गई है। आरोपित राजस्थान के सीकर जिले के नीमका थाना के पांडालिकीधानी का निवासी है। रनहौला थाने में दर्ज मामले में कोर्ट ने उसको 29 सितंबर 2018 को भगोड़ा घोषित कर दिया था। स्पेशल सेल के डीसीपी अमित कौशिक के मुताबिक रनहौला पुलिस स्टेशन में 8 जुलाई 2018 को आईपीसी की धारा 302/308/34 के तहत अभय सिंह उर्फ दारा सिंह के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया था। आरोपित अभय सिंह इस हत्या के मामले में शामिल था और तभी से फरार चल रहा था। पुलिसि को इस आरोपित की सरगर्मी से तलाश की जा रही थी। इस दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि राजस्थान के सीकर का रहने वाला एक व्यक्ति रनहौला में हत्या का आरोपित अभय सिंह है, जो दिल्ली के धौला कुआं बस स्टैंड के पास मौजूद है।

कंगना रनौत ने ऐतिहासिक प्रधानमंत्री संग्रहालय में 'इमरजेंसी' म्यूजिक एल्बम लॉन्च किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कंगना रनौत ने हाल ही में नई दिल्ली के प्रधानमंत्री संग्रहालय में अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी का म्यूजिक एल्बम लॉन्च किया, जिससे फिल्म के लिए एक ऐतिहासिक माहौल तैयार हुआ। जीवी प्रकाश कुमार और अर्को प्रावो मुखर्जी द्वारा रचित और मनोज मुंतशिर द्वारा लिखे गए इस एल्बम में शक्तिशाली गानों और भावपूर्ण धुनों के मिश्रण के साथ 1970 के दशक के सार को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इसमें उदित नारायण, नक्श अजीज और नकुल अभ्यंकर द्वारा गाया गया एक प्रभावशाली गाना 'सिंहासन खाली करो' शामिल है, जिसने पहले ही श्रोताओं के दिलों को छू लिया है। अन्य उल्लेखनीय गीतों में हरिहरन का दिल को छू लेने वाला गीत 'ऐ मेरी जान', नकुल अभ्यंकर, नीति मोहन और रोमी की विशेषता वाला जोशीला युद्ध गीत 'शंखनाद कर', मोनाली ठाकुर का मधुर 'बेकारियां' और श्री राम चंद्र द्वारा गाया गया नेतृत्व को श्रद्धांजलि 'सरकार को सलाम है' शामिल हैं। प्रत्येक गीत को फ़िल्म की शक्ति, सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी प्रमुख

प्रतिरोध और मानवीय भावना के विषयों को प्रतिबिंबित करने के लिए तैयार किया गया है, जो साउंडट्रैक को आपातकाल की कहानी का एक सम्मोहक साथी बनाता है। कंगना रनौत द्वारा लिखित और निर्देशित, 'इमरजेंसी' में वह मुख्य भूमिका में हैं और इसमें अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद भूमिकाओं में हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और मणिकर्णिका फ़िल्म्स द्वारा निर्मित, फ़िल्म का संगीत संचित बलहारा और जी वी प्रकाश कुमार द्वारा तैयार किया गया है, जबकि पटकथा और संवाद रितेश शाह द्वारा लिखे गए हैं। यह फिल्म 6 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जीतन राम माझी ने खादी के व्यापक प्रचार-प्रसार और इसको अपनाने दिया जोर

केवीआईसी क्षेत्र के प्रदर्शन और खादी महोत्सव-2024 की तैयारियों की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने यहां खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) क्षेत्र के प्रदर्शन और खादी महोत्सव, 2024 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने देश में खादी के व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से इस क्षेत्र में प्रयास करने और व्यापक रूप से इसको अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री जीतन राम माझी ने केवीआईसी के द्वारा अक्टूबर-2024 में आयोजित होने वाले खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) क्षेत्र के प्रदर्शन और खादी महोत्सव, 2024 पर एक समीक्षा बैठक की। उन्?होंने इस समीक्षा बैठक में लोगों को खादी को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन में शोभा करंदलाजे और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज

योगदान के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के कार्यान्वयन के बारे में बताया।मंत्रालय के मुताबिक इस बैठक का आयोजन देश में खादी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया। इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री कुमार, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के सचिव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एआरआई) के संयुक्त सचिव, केवीआईसी के सीईओ, और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारत छोड़ो आंदोलन में वीरेंद्र नारायण ने किया था जेल के भीतर नाटक

नई दिल्ली । लोकनायक जयप्रकाश नारायण के सहयोगी एवं आधुनिक हिंदी रंगमंच के निर्माता वीरेंद्र नारायण ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में जेल के भीतर नाटक किया था। आज़ादी के बाद जब वह रंगकर्मी के रूप में मशहूर हुए तो बिग बी अमिताभ बच्चन की माँ तेजी बच्चन ने उनके द्वारा निर्देशित नाटक मैकबेथ में काम किया और देवानंद की फिल्म तीन देवियां एवं प्रोफेसर फिल्म की अभिनेत्री कल्पना ने भी उनके नाटक में काम किया था। साहित्य अकादमी ने यहां वीरेंद्र नारायण की जन्मशती पर संगोष्ठी की थी। उनकी जन्मशतवार्षिकी के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने यह बात कही थी। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रतिष्ठित रंग आलोचक एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) के पूर्व निदेशक देवेंद्र राज अंकुर ने की। मुख्य अतिथि हिंदी के प्रतिष्ठित आलोचक ज्योतिष जोशी एवं विशिष्ट अतिथि प्रख्यात रंगकर्मी एवं एनएसडी रंगमंडल के प्रमुख राजेश सिंह थे। इसके अलावा वीरेंद्र नारायण के पुत्र विजय नारायण ने भी सभा को सम्बोधित किया। संगोष्ठी में स्वागत भाषण साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने दिया। प्रसिद्ध रंग समीक्षक रविन्द्र त्रिपाठी और प्रकाश झा ने भी विचार व्यक्त किये। बिहार के भगलपुर में 16 नवम्बर 1923 को जन्मे वीरेंद्र नारायण हबीब तनवीर और इब्राहम अल्का जी के हमउम्र थे और सांग एंड ड्रामा डिवीजन के निदेशक थे। उनके नाटकों को देखने के लिए प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू मोरारजी देसाई और लाल कृष्ण आडवाणी जैसे राजनीतिज्ञ भी आये थे। वक्ताओं ने बताया कि लंदन के म्यूज़िक एवं ड्रामाटिक आर्ट संस्थान से 1956 में नाटक का डिप्लोमा करने वाले पहले भारतीय वीरेंद्र नारायण ने विद्यापति सुब्रमण्यम भारती और तेलगु के महान कवि कृष्ण देव राय जैसे राष्ट्रीय नायकों पर लाइट एंड साउंड प्रोग्राम कर इस विधा की शुरुवात की एवम कुम्भ में रामचरित मानस पर भी लाइट एंड साउंड कार्यक्रम किये। नारायण के पुत्र विजय नारायण ने बताया कि किस तरह उनके पिता जय प्रकाश नारायण (जेपी) के सम्पर्क में आकर 1942 के आंदोलन में कूदे और बंगला के सुप्रसिद्ध लेखक सतीनाथ भादुड़ी तथा हिंदी के प्रख्यात लेखक फणीश्वर नाथ रेणु के साथ भगलपुर जेल में बंदी बनाये गए और जेल में ही नाटक किया। जेल से निकलने के बाद जेपी के अखबार जनता में काम किया। फिर 1950 नई धारा पत्रिका में काम किया और 1955 में वे लंदन चले गए नाटक का प्रशिक्षण लेने।

Name Change

I, Meenu S/o Balbir Singh R/o House No-516, VPO-Sarhaul, Sector-18, Gurgaon, Haryana - 122015, Have Changed My Name To Meenu Yadav For All Future Purpose

Name Change

I, Sunder Singh Solanki S/o Dalip Singh Solanki R/o WZ-309, Palam Village, South West Delhi, Delhi-110045, Have Changed My Name To Sunder Singh For All Future Purpose

PUBLIC NOTICE

I hitherto known as KM MONI KUMARI alias SANDHYA PARJAPATI W/O SANJAY KUMAR PARJAPATI D/O OM PARAKASH PARJAPATI , R/O Sanjay Kumar Prajapati, Behind Fauji Kirana Store, Near Bank Of Baroda, Kandharpur, Bareilly,Uttar Pradesh - 243001have changed my name and shall hereafter be known as MONI KUMARI.

Name Change

It is for general information that I, SATPAL SINGH S/o RAMESH KUMAR R/o 1394, V.P.O Karala, Karala, North West Delhi, Delhi-110081, declare that name of my wife has been wrongly written as PUNAM in my minor son's namely SUMIT KUMAR aged 16 years, in his 10th class Educational Documents. The actual name of my wife is PUNAM GOLA.

Name Change

I, Vershita D/o Meenu Yadav R/o VPO-Sarhaul, Sector-18, Gurgaon, Haryana - 122015, Have Changed My Name To Vershita Yadav For All Future Purpose

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुवक्किला शशि बाला पत्नी स्व श्री राम ,निवासी-RZR-47 ,निहाल विहार, Q- Block, गुरद्वारा , नांगलोई, West Delhi, दिल्ली-41, ने अपने पुत्र धीरज को इनके दुर्व्यवहार के कारण अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर सभी संबंध विच्छेद कर लिए हैं। इन पर हुए लेनदेन, पुलिस/कोर्ट केस की जवाबदेई मेरे मुवक्किला की नहीं होगी ।

प्रदीप कुमार शर्मा (एडवोकेट)

Name Change

I, Amardev Singh S/o Sh. Gurdev Singh R/o House no. F-71, Ground Floor, Near Sapna Cinema, East of Kailash, New Delhi-110065 have changed my name from Amardev Singh to A.S. Marwah for all future purpose. That my true and correct date of birth is 06.10.1979.

Name Change

I hitherto known as APURVA SINHA alias SINHA APURVA RAJEEVKUMAR D/O RAJIV KUMAR SINHA , R/O H-1902,French apartment, greater Noida West, Noida sector 16B, Bishrakh, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh 201306 have changed my name and shall hereafter be known as APURVA SINHA

Name Change

I, KRISHNAVATI mother of NO-15175964X Rank-HAV Name-PRAMOD KUMAR R/o VILL-KUDI, PO-SAFDARGANJ, TEH-NAWABGANJ, DIST-BARABANKI, U.P-225412 have changed my name from KRISHNAVATI to KRISHNAWATI for all future purposes vide affidavit dated 31/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, SHESHABAI mother of NO-4580724K Rank- L/NK Name-SHIVSHARAN VISHAL SANTRAM, residing at VPO-CHINCHOLI (BHUYAR), TEH-OMERGA, DIST-OSMANABAD, MAHARASHTRA-413605 have changed my name from SHESHABAI to SHESHABAI SANTRAM SHIVSHARANE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 03/12/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1963 vide affidavit dated 31/08/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

It is hereby informed to the public at large that my client Smt. Babita Widow of Lt. Ram Kumar, R/o H. No.1582, Mata Wali Gali, Valmiki Mohalla, Najafgarh, New Delhi - 43, has debarred her both son namely Kunal & Abhishek and daughter in laws namely Smt. Aliza W/o Sh. Kunal & Smt. Sharul W/o Sh. Abhishek, from all her movable and immovable properties and has severed all relations with them because of their quarrelsome & egoistic attitude. My clients shall not be responsible for any of their acts against anyone and anyone dealing with them shall be doing so at their own risk.

Neeraj Dahiya Advocate
Chamber no. 342, Lawyer's Chamber's Block, Dwarka Court, Delhi

Name Change

I, Antima D/O Naresh Kumar W/O Inder Jeet Uppal R/O WZ-3535-D, Raja Park, Gali No.1, Shakur Basti, Delhi -110034, have changed the Name of my minor son Keshavjeet Uppal aged 10 years and he shall hereafter be known as Raghvan Singh.

Name Change

I, No. JC-708125Y Rank-NB SUB Name-GIRI VINAYAK GURUDAS S/o GURUDAS Presently residing at VPO-TUDAYE, TEH-CHANDGAD, DIST-KOHLAPUR, MAHARASHTA-416507 have changed my wife's name from BHARATI to BHARATI VINAYAK GIRI for all future purposes vide Affidavit dated 31/08/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि श्रीमती संतोश उर्फ संतोश कुमारी के नाम से भी जानी जाती हैं, प्लॉट नंबर RZ-5/1-A, जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है, जो खसरा नंबर 688/274 का हिस्सा है शंकर पार्क कॉलोनी, सागरपुर, गांव नसीरपुर, दिल्ली, नई दिल्ली-46, में स्थित है की मालिक हैं। यह संपत्ति मूलत: श्रीमती चंदर वती द्वारा श्री सुंदरलाल शर्मा से दिनांक 24.11.1972 को बिक्री विलेख (Sale Deed) के माध्यम से खरीदी थी। इसके बाद श्रीमती चंदर वती ने श्री टी. विजय राम मेनन के पक्ष में दिनांक 17.12.1989 को एक सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), बिक्री समझौता (ATS), और वसीयत (Will) की। श्री टी. विजय राम मेनन ने फिर श्रीमती संतोश कुमारी के पक्ष में दिनांक 05.01.1987 को एक सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), बिक्री समझौता (ATS), और वसीयत (Will) की। श्रीमती संतोश कुमारी ने हाल में ही दिनांक 22.08.2024 को अपने नाम पर बिक्री विलेख (Sale Deed) की। इस संपत्ति को आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड, शाखा लाजपत नगर, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

Name Change

I, SUBON GOGOI father of NO-14941716A Rank-HAV Name- PINKU GOGOI R/o 2 No SENSUA GAON, ROWRIAH TINI ALI, PO-BORBHETA, TEH-CHARAIBAHI, DIST-JORHAT, ASSAM-785004 have changed my name from SUBON GOGOI to SUVAN GOGOI for all future purposes vide affidavit dated 31/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change

I, KAMAL Mother of No. 15237475X L/NK, MALI SANTOSH RAMCHANDRA Presently residing at VPO-WATHAR (KI), TEH-KOREGAON, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415116 have changed my name from KAMAL to MUKTABAI for all future purposes vide Affidavit dated 31/08/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

THROUGH THIS PUBLIC NOTICE, PUBLIC IN GENERAL IS INFORMED THAT MY CLIENT SMT BIMLA W/O LATE SH ATTAR SINGH R/O C-16, NEW HIRA PARK, DICHAON CHOWK, NAJAFGARH, DELHI-110043 HAS DISOWNED AND DEBARRED HER SON SUNIL DUTT S/O LATE SH ATTAR SINGH, HIS WIFE ANJNA @POONAM AND THEIR CHILDERNS ASHA@ ANSHU NAVDEEP & NIKKU FROM HER MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES, HENCEFORTH AND HAVE SEVERED ALL HER RELATIONSHIP DUE TO THEIR CALLOUS BEHAVIOR AND MY CLIENT WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR THEIR ACTS AND DEEDS DONE BY THEM, IN ANY MANNER WHATSOEVER HENCE FORTH.

SANJAY K SHARMA Advocate
Chamber No.841, Lawyers Chambers Complex, Dwarka Courts, New Delhi-110075

Name Change

I, SANTRAM father of NO-4580724K Rank- L/NK Name- SHIVSHARAN VISHAL SANTRAM, residing at VPO-CHINCHOLI (BHUYAR), TEH-OMERGA, DIST-OSMANABAD, MAHARASHTRA-413605 have changed my name from SANTRAM to SANTRAM NARASU SHIVASHARANE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 20/01/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1949 vide affidavit dated 31/08/2024 before Notary Public Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री कपिल सिंघल और श्री अचिन सिंघल खसरा/खेत संख्या 303 में से 300 वर्ग गज के फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट क्षेत्र के मालिक हैं, जो ग्राम सूरजपुर परगना दादरी तहसील और जिला में स्थित है। गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश। विक्रय विलेख के आधार पर दिनांक 16.07.2021 को दस्तावेज़ संख्या 11751, खंड संख्या 38987 पृष्ठ संख्या 201-230 एसआर- ग्रेटर नोएडा और अन्य बिक्री विलेख के रूप में। आज तक और उनके निम्नलिखित दस्तावेज खो गए हैं/गुम हो गए हैं अर्थात मूल बिक्री विलेख दिनांक 27.05.2016 जिसे श्री सुरेंद्र कुमार पुत्र श्री कैलाश चंद ने श्री राजेश्वर दयाल गर्ग पुत्र स्वर्गीय श्री राम गोपाल गर्ग के पक्ष में दस्तावेज़ संख्या 13928 वॉल्यूम नंबर 20647 पेज नंबर 1-32 एसआर-ग्रेटर नोएडा, के रूप में निष्पादित किया था। अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे पीरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा झेंडेवालान, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

चुनाव तारीख बदलने पर बोले अनिल विज-पहले चुनाव की मतदान तिथि की वजह से वोट परसेंटेज डाउन जा सकती थी

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने कहा कि चुनाव आयोग का बहुत-बहुत धन्यवाद है क्योंकि उन्होंने हमारे पत्र पर संज्ञान लेते हुए चुनाव की तिथि में बदलाव किया है। विज आज यहां पत्रकारों द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों में बदलाव के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा यही कहना था कि जो पहले चुनाव की मतदान तिथि थी उसमें एक छुट्टी लेने से पांच छुट्टियों का चंक बनता था और इससे लोगों का बाहर जाने का अंदेशा ज्यादा था, जिससे वोट परसेंटेज में डाउन जा सकती थी। उन्होंने कहाकि हम चुनाव आयोग के आभारी है कि आयोग ने चुनाव की तारीखों में बदलाव किया है। भाजपा में बगावत के सुरों के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि बीजेपी में ऐसा कुछ भी नहीं होता है और बीजेपी की लिस्ट कब आनी है इसके बारे में उन्हें कोई अभी पता नहीं है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा ने गौरक्षा और बीफ खाने वालों के लिए बहुत ही सख्त कानून बनाया गया है परंतु किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि इस मामले में कानून बनाया गया है और पुलिस थाने में रिपोर्ट करें तथा आज के युग में मोब लिंचिंग जैसी बातें ठीक नहीं है।

जेजेपी प्रमुख अजय सिंह चौटाला का भाजपा और हुड्डा पर निशाना, चुनावी ईडी कार्रवाई को बताया नाटक, 2 सितंबर को टिकटों की घोषणा

रोहतक। हरियाणा विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रोहतक में आयोजित जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) की कार्यकर्ताओं की बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा आपस में मिले हुए हैं और चुनाव के समय में उनके खिलाफ ईडी की कार्रवाई केवल एक नाटक है। चौटाला ने कहा कि भाजपा और हुड्डा एक-दूसरे की मदद करते हैं जब भी किसी को जरूरत होती है, और इसी वजह से भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। अजय सिंह चौटाला ने दोनों पार्टियों को जहरीला नाग करार दिया और कहा कि चाहे कोई भी कुछ दावा करता रहे, लेकिन विधानसभा चुनाव में मुद्दे अलग होते हैं और जनता इसका सही नतीजा बताएगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 2 सितंबर को जेजेपी की पीएसी की बैठक के बाद सभी टिकटों की घोषणा की जाएगी और जल्द ही पार्टी का घोषणापत्र भी जारी किया जाएगा। अजय सिंह चौटाला का यह बयान रोहतक में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान आया, जो आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में जेजेपी की तैयारियों को दर्शाता है।

एचकेआरएनएल कर्मचारी की सेवानिवृति पर स्वास्थ्यकर्मियों ने एकत्रित कर 51 हजार रुपये दिए

जींद। सीएचसी अलेवा में कार्यरत एचकेआरएनएल कर्मचारी सुभाषचंद्र के 25 साल के बाद सेवानिवृत होने पर सीएचसी प्रभारी डा. जितेंद्र शर्मा ने अनूठे अंदाज में उन्हें विदाई दी। इस दौरान कर्मचारी के सम्मान में सीएचसी में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कर्मचारी को सरकार की तरफ से किसी प्रकार की प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने के चलते सीएचसी प्रभारी ने स्वास्थ्य विभाग के सभी कर्मचारियों की तरफ से उक्त कर्मचारी को 51 हजार रुपये नकद व अन्य सामान देकर सम्मानित किया। सीएचसी प्रभारी जितेंद्र शर्मा ने शनिवार को कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि एचकेआरएनएल कर्मचारी सुभाषचंद्र अपने काम के प्रति बड़ा ही सवेंदनशील था। यह कर्मचारी ने कोरोना काल में लोगों को जागरूक कर समाज हित में कार्य किया है। सेवानिवृत कर्मचारी खुद को रिटायर्ड न समझकर समाज सेवा के कार्यो में लिप्त होकर अपने परिवार को ज्यादा से ज्यादा समय दें। इस अवसर पर डा. अमित कुमार, सीनीयर नर्सिंग आफिसर रेखा, नर्सिंग आफिसर मुकेश कुमारी, स्वास्थ्य निरीक्षक रमेश शर्मा, सूचना सहायक राजेश कुमार, संजय कुमार, कृष्ण रेढ़ू, रमेश सैनी के अलावा एचकेआरएनएल कर्मचारी सुरेंद्र, रविंद्र, प्रवीण, मोनिका चहल, पूजा, अलजीना समेत अनेक कर्मचारी उपस्थित थे।

सिरसा में रिटायर्ड बीडीपीओ से 22 लाख की ठगी,टेलीग्राम में टास्क पूरा करने को कहा

सिरसा। सिरसा में सेवानिवृत बीडीपीओ से साइबर फ्रॉड के जरिए 22 लाख की ठगी हुई है। पुलिस ने चारों आरोपियों को हिमाचल प्रदेश के मनाली से गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने शनिवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से अब तक ठगी की 75 हजार रुपए की राशि, पांच मोबाइल और बैंकों के कुछ एटीएम के साथ चेक बुक बरामद की गई है। सेवानिवृत्त बीडीपीओ सुखदेव ने 12 जून को ठगी का शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच के दौरान साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन की विशेष टीम ने महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए। घटना के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

शपथ बाद में लूंगा पहले 24 हजार युवाओं की कराएंगे ज्वाइनिंग : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस सरकार के झूठ का पर्दाफाश किया। सैनी ने कहा कि भर्ती रोको गैंग ने युवाओं का भविष्य खराब किया है। हम भर्ती करने वाले थे लेकिन भूपेंद्र हुड्डा और रणदीप सुरजेवाला के कांग्रेस नेता जयराम रमेश चुनाव आयोग के पास चले गए और सभी भर्तियां रुकवा दीं। 24 हजार युवाओं की भर्तियां हमारे पास तैयार हैं, सिर्फ परिणाम घोषित करना बाकी है। जयराम रमेश चुनाव आयोग से अपनी शिकायत वापस लेते हैं और आयोग मंजूरी देता है तो हम तुरंत 24 हजार नौकरियां दे देंगे।

मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि आज वे हरियाणा के युवाओं से वादा करते हैं कि आठ अक्टूबर को चुनाव का

रिजल्ट आएगा तो वे मुख्यमंत्री पद की शपथ बाद में लेंगे पहले 24000 भर्तियों की ज्वाइनिंग कराएंगे। जब युवा नौकरी पर लग जाएंगे उसके बाद ही शपथ लेंगे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि भूपेंद्र और दीपेंद्र हुड्डा भाजपा से हिसाब मांग रहे हैं, लेकिन इनका खुद का हिसाब कहां है पता नहीं। कांग्रेस ने तो अपने 10 साल के कार्यकाल में हरियाणा के विकास पर फुल स्टॉप लगा दिया था, लेकिन भाजपा ने नॉन स्टॉप विकास किया।

उन्होंने कहा कि उनके 51 दिनों के कार्यकाल में 126 ऐसे बड़े निर्णय लिए जिनका लाभ जनता ले रही है। युवाओं को नौकरी भी दी। जो भी निर्णय लिया उसे कैबिनेट में पास करवाया,पक्का काम किया लेकिन हुड्डा एंड पार्टी प्रदेश में दुष्प्रचार कर रही है कि भाजपा ने 10 साल के कार्यकाल में कुछ नहीं किया। कांग्रेस के तो डीएनए में ही झूठ है। भूपेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार पर काम न करने का आरोप लगाया, जबकि वे उसी सड़क पर चल रहे थे और उसे ठीक से देख नहीं पा रहे थे। कांग्रेस की सरकार के 10 वर्षों में 80 हजार नौकरियों का दावा किया गया था, जो पर्ची और खर्च के माध्यम से दी गई थीं। हुड्डा ने नौकरियां रेवड़ियों की तरह बांटी, उनके खास लोगों और नेताओं के बच्चों को नौकरी दी गई लेकिन भाजपा सरकार ने बिना किसी पर्ची या खर्च के 1 लाख 45 हजार नौकरियों देने का काम किया है। भाजपा और कांग्रेस की सरकार में यह बड़ा अंतर स्पष्ट देखा जा सकता है। कांग्रेस के 10 वर्षों की तुलना में भाजपा सरकार ने लगातार काम किया है, लेकिन कांग्रेस झूठ बोलने का काम कर रही है और दुष्प्रचार फैला रही है। पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री सैनी ने कांग्रेस का किसान विरोधी चेहरा दिखाया। नायब सैनी ने बकायदा 2 रुपये वाले चेक की फोटो कॉपी भी दिखाई, जो एक किसान को मुआवजे के रूप में दिया गया था। सैनी ने कहा कि कांग्रेस सरकार में किसानों को अपमानित किया जाता है, फसल खराब होने पर किसानों को 2-2 और 3-3 रुपये के चेक दिए जाते थे। कांग्रेस की सरकार में किसानों की फसलों का भुगतान समय पर नहीं किया था लेकिन भाजपा सरकार ने इस समस्या को दूर किया है और सीधे किसानों के बैंक खातों में पैसा भेजने का कार्य किया है। नायब सैनी ने 10 साल के शासन में, कांग्रेस सरकार ने सिर्फ 1158 करोड़ का किसानों को मुआवजा दिया, जबकि भाजपा सरकार ने किसानों की तबाह फसलों के लिए 13 हजार 276 करोड़ रुपए सीधे उनके खातों में जमा किए हैं। यह दिखाता है कि भाजपा सरकार ने किसानों के हक और मुआवजे को प्राथमिकता दी है, जो कांग्रेस के शासनकाल में नहीं हुआ।

हरियाणा में अक्टूबर से दिसंबर के बीच होगा दूसरा सीईटी

एजेंसी

चण्डीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने कहा कि आयोग द्वारा प्रदेश में दूसरा कॉमन एलीजीबिल्टी टेस्ट (सीईटी) 24 अक्टूबर से 24 दिसंबर के बीच आयोजित किया जाएगा। इसे लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से चल रही भर्तियों को लेकर उठ रहे सवालों पर आयोग की तरफ से रिपोर्ट जारी करते हुए चेयरमैन हिम्मत सिंह ने चंडीगढ़ में मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले साल आयोजित किए गए सीईटी के आधार पर भर्ती प्रक्रिया सिरे लगने जा रही है। अब आयोग द्वारा आगामी भर्तियों के मद्देनजर सीईटी की तैयारी शुरू कर दी गई है। आयोग चेयरमैन ने कहा कि हरियाणा

में भर्तियों के परिणाम का इंतजार कर रहे युवाओं को झटका लगा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन को सभी परिणाम चुनाव के बाद ही जारी करने के लिए लेटर भेजा है।

उन्होंने बताया कि जिन परीक्षाओं का कार्यक्रम तय हो चुका है वह उसी अनुसार आयोजित की जाएंगी। हिम्मत सिंह ने साफ किया कि ग्रुप 56, 57,1,2 और हरियाणा पुलिस का परिणाम 6 अक्टूबर से पहले नहीं आ सकता है। इसके अलावा ग्रुप डी के 2600 पदों का परिणाम तैयार हो चुका है लेकिन यह भी चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद जारी किया जाएगा।

चेयरमैन ने कहा कि 24 हजार पदों के लिए परीक्षा हो चुकी है। 12 से 14 हजार पोस्टों की लिखित परीक्षा व स्क्रीनिंग टेस्ट अभी पेंडिंग है। छात्रों द्वारा परीक्षाओं के परिणाम को लेकर रोजाना सवाल किए जा रहे हैं। कुछ पेपर हो गए हैं।

कुछ अभी होने बाकी हैं। एक सवाल के जवाब में आयोग चेयरमैन ने बताया कि एचएसएससी से जुड़े करीब 2800 केस विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। जिनकी पैरवी करके उन्हें समाप्त करवाने का प्रयास किया जा रहा है।

रेवाड़ी न्यायिक परिसर में 14 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

एजेंसी

रेवाड़ी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार 14 सितंबर को रेवाड़ी स्थित न्यायिक परिसर सहित बावल व कोसली में भी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। परिवादी राष्ट्रीय लोक अदालत में आपसी सुलह व समझौते के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से केस का निपटारा करा सकते हैं।

सीजेएम एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव अमित वर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन से संबंधित मामले, मोटर एक्सीडेंट, एनआई एक्ट, फौजदारी, रेवेन्यू, वैवाहिक विवाद का निपटारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के

माध्यम से उसका निस्तारण करा सकता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में दोनों पक्षों की आपसी सहमति व राजीनामे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पक्षकारों की रजामंदी से विवाद निपटाया जाता है। इससे शीघ्र व सुलभ न्याय, कहीं कोई अपील नहीं, अंतिम रूप से निपटारा, समय की बचत जैसे लाभ मिलते हैं।

किसानों को घाटे में धकेलना चाहती है बीजेपी, इसलिए लगाई धान के निर्यात पर रोक - हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि बीजेपी तय नीति के तहत किसानों को घाटे में धकेल रही है। इसलिए उसने धान के निर्यात पर रोक लगाई है और बासमती पर भारी भरकम 20 प्रतिशत निर्यात ड्यूटी थोप दी है। इसके चलते ना किसानों को अंतरराष्ट्रीय मार्किट में ऊंचे दामों का लाभ मिल पा रहा है और ना ही व्यापारियों को। इसलिए सभी के हक में फैसला लेते हुए सरकार को धान के निर्यात पर रोक को तुरंत खत्म कर देना चाहिए और बासमती पर लगाए गए निर्यात शुल्क को भी हटा देना चाहिए। किसानों, राइस मिलर्स और आढ़ियों के प्रतिनिधिमंडलों ने हुड्डा से मुलाकात कर अपनी मागों का ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान किसानों को इसीलिए धान के ऊंचे रेट मिलते थे क्योंकि उस समय निर्यात पर रोक नहीं होती थी। अंतरराष्ट्रीय मार्किट में ऊंचे दामों के चलते अक्सर स्थानीय बाजारों में भी धान की कीमत

एमएसपी से भी ऊपर जाती थी और किसानों को खासी आमदनी होती थी। निर्यात के चलते किसानों, कारोबारियों को तो लाभ होता ही था, साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को भी इसका फायदा मिलता था। लेकिन बीजेपी सरकार हर बार धान की आवक से पहले उसके निर्यात पर प्रतिबंध लगा देती है। पिछले साल भी जुलाई 2023 में केंद्र सरकार ने पहले टुकड़ा चावल के निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाया और उसके बाद परमल चावल के निर्यात पर रोक लगा दी। धान की आवक से ठीक पहले अगस्त माह में सरकार ने बासमती का न्यूनतम निर्यात मुल्य 950 डॉलर प्रति टन तय करके उसपर 20त्न निर्यात शुल्क थोप दिया। इसके चलते देश का धान गोदामों में धरा धराया रह गया। आज 1 साल बाद भी स्थिति यह है कि चावल के गोदाम भरे पड़े हैं। नया चावल रखने के लिए उनमें जगह ही नहीं है। राइस मिलर्स सरकार को चावल देने को तैयार हैं लेकिन सरकार के गोदामों में जगह ही नहीं है। 25 प्रतिशत बकाया चावल अभी भी मिलों में पड़ा हुआ है।व्यापारियों का आरोप है कि सरकार फिजिकल वेरिफिकेशन के नाम पर भी उन्हें बेवजह परेशान कर रही है। मिलर्स को एक प्रतिशत ड्रायज के रूप में जो रियायत मिलती थी, उसे भी आधा कर दिया गया है। उसके कस्टम मिलिंग चार्ज को भी 15 से घटाकर 10 रुपये कर दिया गया है। बोरियों पर जो टैग लगते हैं, उसके पैसे भी व्यापारियों को नहीं मिलते। ऊपर से बीजेपी सरकार ने पोर्टल का ऐसा जंजाल बना रखा है कि उससे हर कोई परेशान है। जरूरत के वक्त हमेशा पोर्टल बंद हो जाता है।

डिजिटल युग में पारदर्शी ढंग से चुनाव संपन्न करवाने में भारत निर्वाचन आयोग के एप की अहम भूमिका

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा विधानसभा आम चुनाव चुनावों के संदर्भ में मतदाताओं व कैंडिडेट द्वारा भारत निर्वाचन आयोग की विभिन्न एप का उपयोग किया जा सकता है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने आमजन से आह्वान किया कि चुनाव आयोग की एप वोटर हेल्पलाइन, सक्षम, वोटर टर्नआउट, सुविधा, केवाईसी एप, सी.विजिल, वोटर इन क्यू का इस्तेमाल करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव में पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से आयोग द्वारा कई प्रकार के एप संचालित किए जा रहे हैं। इन एप के माध्यम से महज एक क्लिक पर वोट बनवाने, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत करने, उम्मीदवारों के नामांकन पत्र देखने सहित कई कार्य किये जा सकते हैं।

दिव्यांग मतदाताओं के लिए सक्षम एप लॉन्च किया है। दरअसल, चुनाव में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आयोग ने तकनीकी युग में मतदाता फ्रेंडली कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया सबसे अहम होती है और निष्पक्ष व स्वतंत्र चुनाव प्रक्रिया में नागरिकों की पूर्ण सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में चुनाव प्रक्रियाओं को भी डिजिटल करने का अहम कार्य चुनाव आयोग ने किया है। संपूर्ण चुनावी गतिविधियों के लिए कई एप बनाए गए हैं जिनमें से एप मतदाताओं व नागरिकों के लिए हैं। नो योर कैंडिडेट (केवाईसी) एप के जरिए आम नागरिक उम्मीदवार के बारे में तमाम जानकारियां प्राप्त कर सकता है। जिसे कोई भी आम नागरिक अपने मोबाइल पर देख सकता है।

सीआईडी के जिला निरीक्षक रघुबीर सिंह 39 साल की सर्विस देकर सेवानिवृत

एजेंसी

हिसार। गुप्तचर विभाग के जिला निरीक्षक रघुबीर सिंह जांगड़ा पुलिस विभाग की लंबी सर्विस के बाद सेवानिवृत हो गए हैं। उन्होंने विभाग में लगभग 39 साल सेवा दी।

उनकी सेवानिवृति के उपलक्ष्य में विदाई पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उपायुक्त प्रदीप दहिया एवं पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण, डीएसएपी सीआईडी अजय कुमार शर्मा शामिल हुए।

इसके अतिरिक्त जिला फतेहाबाद के सीआईडी इंस्पेक्टर विक्रम भादू, जिला सिरसा के सीआईडी इंचार्ज प्रताप सिंह, पुलिस जिला डबवाली के सीआईडी इंस्पेक्टर ईश्वर सिंह, पुलिस जिला हांसी के सीआईडी इंचार्ज अजमेर सिंह तथा जिला हिसार से सीआईडी इंचार्ज कर्मबीर, गुप्तचर विभाग के अन्य कर्मचारीगण तथा रघुबीर सिंह के पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहे।

विदाई पार्टी में सीआईडी विभाग हरियाणा के चीफ आलोक मित्तल आईपीएस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल होकर इंस्पेक्टर रघुबीर सिंह की 39 साल की बेदाग सर्विस और उनके विभाग के प्रति समर्पित

होकर ड्यूटी करने पर उनकी प्रशंसा की और उनकी अच्छी सेहत पर सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। रघुबीर सिंह जांगड़ा जिले के गांव जुगलान के रहने वाले हैं। वे दो अगस्त 1985 को पुलिस विभाग में सिपाही भर्ती हुए थे। सिपाही से पदोन्नत होकर इंस्पेक्टर के पद तक पहुंचे रघुबीर सिंह को वर्ष 2007 में सराहनीय एवं उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था। इन्होंने वर्ष 2012 से गुप्तचर विभाग में पुलिस जिला हांसी, जिला फतेहाबाद एवं जिला हिसार में बतौर सीआईडी इंस्पेक्टर अपनी सेवाएं दी है। 15 अगस्त 2023 को इनको सराहनीय सेवाओं के लिए तत्कालीन उप मुख्यमंत्री द्वारा हिसार में सम्मानित किया गया था।

हिसार शहर का संपूर्ण विकास करवाना ही हमारा संकल्प : डॉ. कमल गुप्ता

एजेंसी

हिसार। कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि हिसार शहर का संपूर्ण विकास करवाना ही हमारा संकल्प है। दस वर्षों के दौरान अनेक विकास कार्यों को सिरे चढ़ाया गया है और अन्य योजनाएं बनाई गई है।

डॉ. गुप्ता शहर के दौरे के दौरान समर्थकों से मिल रहे थे। इसी कड़ी में स्वास्थ्य व नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने भाजपा नेत्री प्रोमिला पूनिया, राजेंदर बिश्नोई, पूर्व पार्षद रेखा सैनी, सुशील नागपाल, समाजसेवी कमल सर्राफ, मनप्रीत सिरसवा, भाजपा नेता कृष्ण ऐरन से उनके निवास पर जाकर मिले व जलपान किया। मंत्री ने कहा कि शहर के संपूर्ण विकास के लिए वे निरंतर प्रयास करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में जितने विकास कार्य हुए हैं दूसरी सरकारों में कभी भी नही हुए।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि पड़ाव बाजार में त्रिवेणी के चबूतरे पर बछड़े का सिर मिलना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। दोषियों को शीघ्र पकड़ने के लिए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं। अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और जो भी दोषी होगा उसे कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

आदमपुर की जनता 56 वर्षों के अटूट रिश्ते में दरार नहीं आने देगी: कुलदीप

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने आदमपुर विधानसभा क्षेत्र में परिवार सहित डेरा डाल दिया है। कुलदीप बिश्नोई, विधायक भव्य बिश्नोई व पूर्व विधायक रेनुका बिश्नोई ने हलके के अलग-अलग गांवों में जाकर जन संवाद किया और आने वाले चुनाव के लिए समर्थन मांगा।

कुलदीप बिश्नोई के दौरे के दौरान शनिवार सदलपुर में सुभाष उर्फ तेलू पंडित ने अपनी पूरी टीम के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा की नीतियों में आस्था जताई और आगामी चुनाव में भव्य बिश्नोई का खुलकर समर्थन करने का आश्वासन दिया। कुलदीप बिश्नोई ने उनकी पूरी टीम का स्वागत करते हुए परिवार में भरपूर मान-सम्मान का आश्वासन दिया। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि आदमपुर और भजनलाल परिवार का सदैव अटूट रिश्ता रहा है। 56 वर्षों से हम एक दूसरे सुख-दुख के साथी रहे हैं और दोनों ने समय-समय पर साथ निभाकर अपनेपन का परिचय दिया है। जब भी चुनाव आते हैं कुछ विपक्षी यहां की जनता को गुमराह करके हमारे भाईचारे में दरार डालने का प्रयास करते हैं, लेकिन आदमपुर की जनता ऐसे लोगों की चाल को भली भांति समझते हुए उन्हें करारा जवाब देती है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में भी यही होने वाला है, क्योंकि आदमपुर में

भजनलाल परिवार का चुनाव यहां की जनता लड़ती है और जनता नहीं चाहती की कोई विपक्षी 56 वर्षों के आपसी अटूट रिश्ते में दरार डाले। इस दौरान उन्होंने आदमपुर मंडी गोपीराम धर्मशाला में त्रिदेव सम्मेलन में भी भाग लिया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान से राजेन्द्र सिंह राठौड़ पहुंचे और पार्टी कार्यकर्त्ताओं को चुनाव बारे आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। विधायक भव्य बिश्नोई ने मंडी आदमपुर, शिव कालोनी, गांव मोहब्तपुर, चौधरीवाली, सुंडावास, बगला व सदलपुर में कई कार्यक्रमों में शिरकत की तथा सभी चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान करते हुए कहा कि उन्होंने पिछले 1.5 वर्ष में उन्होंने आदमपुर में विकास की गति को तेज करने के लिए प्रयास किए और उन्हें खुशी है कि जितना उन्हें समय मिला, उस समय उन्होंने हलके से जुड़ी समस्याओं का समाधान करने तथा हर गांव में विभिन्न विकास कार्यों को करवाने में सफलता पाई है।

भर्तियों को लेकर नौ साल 11 माह तक सोता रहा है हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग - कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि रोजगार देने के मामले में प्रदेश की भाजपा सरकार की नीयत में शुरू से ही खोट रहा इसलिए उसने खाली पड़े दो लाख पदों को भरने के लिए कभी सार्थक कदम नहीं उठाया। जुमलेबाज भाजपा सरकार भर्तियों के लिए घोषणाएं तो करती रही। जब प्रदेश में आचार संहिता लग चुकी है ऐसे में हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग चुनाव आयोग से भर्तियों की अनुमति मांग रहा है जिससे आयोग ने साफ इंकार कर दिया है। आयोग अब अनुमति मांग रहा है जबकि वह नौ साल 11 माह हाथ पर हाथ रखकर बैठा रहा, उसे श्वेतपत्र जारी करते हुए जनता को बताना चाहिए कि उसने करीब दस साल के कार्यकाल में क्या किया। ये जनता है, अब भाजपा के बहकावे में आने वाली नहीं हैं, चुनाव में वोट की चोट से पूरा हिसाब चुकता करके रहेगी। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग हिम्मत सिंह के पत्रकार वार्ता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कुमारी सैलजा ने जब प्रदेश में चुनाव आचार संहिता लगी हुई है ऐसे में आयोग भर्ती की बात कर रहा है। सरकार अच्छी प्रकार से जानती है आयोग चेयरमैन भी जानते है कि चुनाव आयोग ऐसा करने की कभी अनुमति नहीं देता है, आयोग ने साफ कर दिया है कि जो भी भर्ती करनी है वो चुनाव के बाद करनी होगी। चेयरमैन कह रहे है कि वे तो भर्ती के लिए तैयार है पर चुनाव आयोग अनुमति नहीं दे रहा है, ऐसा कहकर चेयरमैन और भाजपा सरकार जनता को गुमराह करने का काम कर रही है, अगर भर्ती ही करनी थी तो अब तक क्या कर रहे है थे या उन्हें प्रदेश में चुनाव आचार संहिता लगने का इंतजार है। उन्होंने कहा कि भाजपा जुमलेबाज सरकार है जिसका एक ही काम है झूठी घोषणाएं करना है। अब जनता सरकार की झूठी घोषणाओं में फसने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की मंशा कभी भी युवाओं को रोजगार को देने की नहीं रही। युवाओं ने हर परीक्षा के लिए कड़ी मेहनत की, पेपर दिया पर बाद में पता चला कि पेपर लीक हो गया। सरकार पेपरलीक वालों पर कोई अंकुश न लगा सकी और पेपरलीक में हरियाणा एक नया रिकॉर्ड ही बन गया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में सप्ताहांत पर तीव्र गिरावट के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.12 प्रतिशत की गिरावट लेकर 73.65 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 1.43 प्रतिशत उतरकर 78.82 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

पहली तिमाही में अनुमान से कमजोर रही आर्थिक वृद्धि

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में प्राथमिक क्षेत्रों विशेषकर कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों के साथ ही वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर गतिविधियों में रही सुस्ती के कारण आर्थिक वृद्धि अनुमान से कम 6.7 प्रतिशत रही है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 8.2 प्रतिशत रही थी। विशेषज्ञों ने पहली तिमाही में इसके सात प्रतिशत से अधिक रहने का अनुमान लगाया था। राष्ट्रीय सांख्कीय कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अप्रैल-जून 2024-25 में वास्तविक जीडीपी या स्थिर मूल्यों पर जीडीपी 43.64 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जबकि 2023-24 की पहली तिमाही में यह 40.91 लाख करोड़ थी, जो 6.7 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी 77.31 लाख करोड़ होने का अनुमान है, जबकि 2023-24 की पहली तिमाही में यह 70.50 लाख करोड़ रुपए थी, जो 9.7 प्रतिशत अधिक है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 39 रुपये तक महंगा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 39 रुपये प्रति सिलेंडर का इजाफा किया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस की कीमत 39 रुपये बढ़कर अब 1691.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गयी है, जो पहले 1652.50 रुपये में मिल रहा था। वहीं, कोलकाता में इसका दाम बढ़ कर 1802.50 रुपये हो गया है, जो पहले 1764.50 रुपये था। इसी तरह मुंबई में कॉमर्शियल गैस की कीमत बढ़ कर 1605 रुपये से 1644 रुपये हो गयी है। इसके अलावा चेन्नई में ये सिलेंडर 1855 रुपये का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन किया, नई दरें लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय बजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) को घटा दिया है। सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 2,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन कर दिया है। नई दरें शनिवार से प्रभावी हो गई हैं। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि घेरलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 2,100 रुपये प्रति टन से घटाकर 1,850 रुपये प्रति टन कर दिया गया है। नई दरें 31 अगस्त, 2024 से प्रभावी होंगी। हालांकि, पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर लगने वाले दर को फिर शून्य पर बरकरार रखा गया है। इससे पहले सरकार ने 16 अगस्त, 2024 घरेल स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स को 54.3 फीसदी घटाकर 4,600 रुपये से 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया गया था, जबकि डीजल और एटीएफ पर लगने वाले टैक्स को शून्य पर अपरिवर्तित रखा था। इस तरह से सरकार ने अगस्त महीने में दो बार में करीब 60 फीसदी तक विंडफॉल टैक्स में कटौती की है।

भारत में सीसा विषाक्तता पर पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक

एजेंसी

नयी दिल्ली ।पहले इंडिया फाउंडेशन ने भारत में सीसा विषाक्तताः स्थिति, चुनौतियाँ और मार्ग पर पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया है जिसमें विशेषज्ञों ने देश में विभिन्न स्तरों पर सीसा के स्तरों में हो रही वृद्धि पर गहरी चिंता जतायी है।

इस सम्मेलन में केक स्कूल ऑफ मेडिसिन, विश्वविद्यालय कैलिफोर्निया के प्रोफेसर डॉ. हॉवर्ड हू , एम्स दिल्ली के निदेशक डॉ एम श्रीनिवास, आईसीएमआर-एनआईओएच के निदेशक डॉ संतसबुज दास शामिल है। पहले इंडिया के अध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने इसकी अध्यक्षता की। इस सम्मेलन में प्रभावी समाधान निकालने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया गया। सीसा विषाक्तता पर भारत कार्य समूह के अध्यक्ष और प्रतिष्ठित अध्येता पहले इंडिया फाउंडेशन डॉ इंदु भूषण ने कहा, क्योंकि सीसा की सीमा एक्सपोज़र अदृश्य है, हमारे देश में इसे काफी हद तक नजरअंदाज कर दिया गया है।

एक हालिया सर्वेक्षण में हम झारखंड में किए गए सर्वेक्षण से एक चिंताजनक वास्तविकता सामने आई। हमारे डॉक्टरों और स्वास्थ्य का एक बड़ा हिस्सा श्रमिकों को सीसा विषाक्तता के मामले की जानकारी तक नहीं है।

शक्कर में मांग, खाद्य तेलों में मजबूती, दलहन, दाल में सुधार, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग रही। खाद्य तेलों में तेजी दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा होकर बिका। तिलहनों में मजबूती रही। दलहन मांग से बने रहे। दाल में सुधार बताया गया। चावल बना रहा।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में ग्राहकी रही। आज शक्कर में चार गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला में दिसावर के साथ मजबूती रही। साबूदाना, खोपरा बूरा में उठाव रहा।

तेल-तिलहन

खाद्य तेलों में पूछपरख से तेज़ी हुई। आज सोयाबीन रिफाइंड तथा मूंगफली तेल में तेजी दर्ज की गई। आने वाले दिनों में खाद्य तेलों में मांग बढ़ने के आसार हैं। तिलहनों में सरसों में लिवाली से सुस्ती से नरमी रही।

दाल-दलहन

संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में दाल मिलों की मांग रही, इससे चना कांटा ही नहीं वरन चने की विभिन्न किस्मों में तेजी हुई। दालें मांग से मजबूत रही। तुअर दाल तथा मूंग मोगर महंगी बिकी। चावल में उठाव बना रहा।

एक दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुयीः मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में देश की अर्थव्यवस्था में 90 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि इसके मुकाबले में दुनिया की अर्थव्यवस्था 35 फीसदी ही बढ़ी है।

श्री मोदी ने यहां ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम में भारत की आर्थिक प्रगति, गरीबी उन्मूलन और बुनियादी ढांचे के विकास पर रोशनी डालने के साथ ही पिछले एक दशक में भारत की प्रगति और लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों के बारे में बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। पिछले एक दशक में भारत ने गरीबी कम करने में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में भारत की अर्थव्यवस्था में 90 प्रतिशत से ज?यादा का इजाफा हुआ है जो लगातार विकास का नतीजा है जिसका वादा किया गया था। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विकास की यह रफ्तार भविष्य में भी जारी रहेगी। ये विकास सिर्फ वादा नहीं, बल्कि एक हकीकत है जो आगे भी बनी रहेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का मंत्र सरकार के कामकाज का आधार रहा है। इस मंत्र के तहत कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इससे भारतीयों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा हम भारतीयों के जीवन में एक बड़ा बदलाव लाने में कामयाब हुए हैं। इन सुधारों से देश में जीवन स्तर बेहतर हुआ है और प्रगति को गति मिली है।प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में देश की उपलब्धियों को देखते हुए भारतीयों का आत्मविश्वास बढ़ा है। यह आत्मविश्वास भारत के विकास और सुधारों में एक नए विश्वास को दर्शाता है। कई देशों में जहां सरकारों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वहीं भारत की स्थिति अलग है। भारत के युवाओं और महिलाओं ने निरंतरता और राजनीतिक स्थिरता के लिए वोट दिया है, जो चल रही प्रगति और स्थिर सरकार के प्रति उनके समर्थन को दर्शाता है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत की उपलब्धियां अब वैश्विक सुर्खियां बन गई हैं। पिछले एक दशक में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकले हैं जिससे एक नए मध्यम वर्ग का उदय हुआ है। जहां एक तरफ गरीबों के पास अपनी आकांक्षाएं थीं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें बैंक खाते और बुनियादी सुविधाओं जैसी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता था। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमने गरीबों को सशक्त बनाने का रास्ता चुना और इसके चलते काफी बदलाव आया है।

श्री मोदी ने कहा कि 100 दिनों से भी कम समय में सरकार ने गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों को लाभान्वित करने वाले महत्वपूर्ण सुधारों को लागू किया है। इन सुधारों में उच्च उपज वाले बीजों को पेश करना और 11 लाख नई 'लखपति दीदी' बनाना शामिल है।

टीच फॉर इंडिया 2025 फैलोशिप

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा में समानता की समर्थक गैर लाभकारी संस्था टीच फॉर इंडिया अपने 2025 फैलोशिप के लिए आवेदन आमंत्रित कर रही है। संस्था ने आज यहां जारी बयान में कहा कि फैलो के रूप में बच्चों के भविष्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आएंगे और स्नेहपूर्वक भविष्य के नेतृत्वकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। इसके लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि एक सितंबर 2024 है। टीच फॉर इंडिया एक दो वर्षीय, पूर्णकालिक सशुल्क फैलोशिप प्रोग्राम है। इसमें 500 से ज्यादा विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और 300 कंपनियों से विभिन्न पृष्ठभूमि और उम्र के फैलो एक जगह आकर फैलोशिप करते हैं। फैलोशिप की आवेदन प्रक्रिया बहुत कठोर है और इसके लिए भारत के सबसे प्रतिभाशाली एवं होनहार लोगों से आवेदन प्राप्त होते हैं। फैलोशिप के लिए चयन होने के बाद ये फैलो किफायती निजी स्कूलों में या इंग्लिश मीडियम के सरकारी स्कूलों में पूर्णकालिक टीचर्स के रूप में काम करेंगे और भारत में असमानताओं की चुनौतियों के बीच विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे। इससे उन्हें नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं, जैसे भावनात्मक कौशल, सहानुभूति, धैर्य से सुनने, और संबंधों के विकास का बहुमूल्य ज्ञान भी प्राप्त होगा। ये सभी कौशल उनके व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। 2024 के फैलोशिप समूह में अभी तक 670 से ज्यादा फैलो शामिल हो चुके हैं। इन सभी का उद्देश्य शिक्षा की मदद से एक उदार और समानतापूर्ण भारत का निर्माण करना है। टीच फॉर इंडिया फैलोशिप की खासियत है कि यह शिक्षा के मौजूदा परिदृश्य में महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने का अवसर प्रदान करती है।

मानक ब्यूरो ने 92 शैक्षणिक संस्थानों के साथ किए समझौते

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अकादमिक शोध को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देश भर के 92 उच्च शैक्षणिक संस्थानों के साथ मजबूत साझेदारी के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी उपभोक?ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है। विज्ञप्ति के अनुसार बीएसई ने राष्ट्रीय मानकीकरण प्रक्रिया में शिक्षाविदों को एक महत्वपूर्ण और निष्पक्ष हितधारक के रूप में मान्यता प्रदान की है।

बीआईएस का मानना है कि ये समझौता ज्ञापन शैक्षणिक संस्थानों के लिए राष्ट्रीय मानकों के निर्माण हेतु बीआईएस तकनीकी समितियों में सक्रिय रूप से भाग लेने, बीआईएस द्वारा प्रस्तावित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का संचालन करने और अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण प्रयासों में योगदान देने का मार्ग तैयार करेंगे। बीआईएस ने अकादमिक शोध को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने को लेकर उदयपुर (राजस्थान) और धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में दो सम्मेलन आयोजित किए जिसमें देश भर में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा और अनुसंधान में लगे चुनिंदा संस्थानों के विद्वानों को आमंत्रित किया गया था। इनमें सिविल इंजीनियरिंग, केमिकल इंजीनियरिंग और रसायन विज्ञान क्षेत्र में मानकीकरण के तकनीकी पहलुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी का आदान प्रदान किया गया। बीएसएस के ये प्रयास भारत में उत्पादों के गुणवत्ता मानकों को विश्व में अग्रणी स्तर पर रखना है।

सर्राफा बाजार में गिरावट से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट नजर आ रही है। आज की गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 73,290 रुपये से लेकर 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 67,190 रुपये से लेकर 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी भी आज 500 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ता हुआ है। भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 87,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,290 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,190 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 73,140 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7.0 प्रतिशत रहने का अनुमान: एसबीआई

जेंसी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अप्रैल -जून की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान से कम 6.7 प्रतिशत रहने के मद्देनजर चालू वित्त में जीडीपी विकास दर 7.0 प्रतिशत रहने की संभावना जताती है।

एसबीआई के ग्रुप मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ सौम्य कांति घोष ने जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 25 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 7.1 प्रतिशत की पहली तिमाही की वृद्धि के आधार पर 7.2प्रतिशत लगाया है। अब पहली तिमाही में 6.7प्रतिशत की वृद्धि के साथ, नया वार्षिक अनुमान 7.1प्रतिशत होगा। हमारा मानना है कि वित्त वर्ष 2025 के लिए जीडीपी वृद्धि आरबीआई के अनुमान से थोड़ी कम होगी और 7.0प्रतिशत की वृद्धि अधिक उचित लगती है। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछली चार तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में 7 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और कृषि तथा सेवा दोनों क्षेत्रों में कम वृद्धि के कारण पहली तिमाही का प्रदर्शन उससे कम रहा। कृषि में जहाँ मात्र 2.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई, वहीं सेवा क्षेत्रों में 7.2प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालाँकि नॉमिनल जीडीपी में पहली तिमाही में 9.7प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही की 8.5प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। हालाँकि जीडीपी तिमाही में जीडीपी वृद्धि घटकर 6.7 प्रतिशत हो गई है, लेकिन यह अभी भी पहली तिमाही में 6.4प्रतिशत की औसत दशकीय वृद्धि से अधिक है।

डॉ घोष ने कहा जीवीए में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई और पिछली तीन तिमाहियों में 122 आधार अंक के औसत अंतर की तुलना में चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी और जीवीए के बीच का अंतर घटकर मात्र 19 आधार अंक रह गया। हमारा मानना ??है कि यह जीडीपी-जीवीए अंतर पिछले वित्त वर्ष में 93 आधार अंक के अंतर के मुकाबले चालू वित्त वर्ष में संभवतः एक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि तिमाही-दर-तिमाही के लिहाज से, वास्तविक जीडीपी हमेशा पहली तिमाही में कम रहती है। मौसमी रूप से समायोजित जीडीपी वृद्धि हमेशा पहली तिमाही के लिए गैर-मौसमी रूप से समायोजित जीडीपी वृद्धि से अधिक होती है, जो दर्शाता है कि पहली तिमाही की वृद्धि गैर-मौसमी रूप से समायोजित आंकड़े से बेहतर है और इसमें मौसमी घटक अधिक है। उन्होंने कहा कि व्यय पक्ष या सामान्य मांग काफी हद तक सकारात्मक तस्वीर दिखाती है, जिसमें मूल्यवान वस्तुओं को छोड़कर सभी मदों में चालू वित्त की पहली तिमाही में सकारात्मक वृद्धि दिखाई देती है। निजी खपत में मौजूदा कीमतों में 12.4प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई। निवेश में भी मौजूदा कीमतों में 9.1प्रतिशत की स्वस्थ वृद्धि दर्ज की गई। लेकिन निवेश दर 31प्रतिशत पर स्थिर रही। सरकारी व्यय में 4.1प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो धीमी थी, लेकिन यह ध्यान में रखते हुए कि पहली तिमाही आम चुनावों की अवधि भी थी।

डॉ घोष ने कहा कि जून में सुस्त प्रदर्शन के बाद चल रहे मानसून सीजन में पिछले दो महीनों में लगातार भारी बारिश देखी गई है। जुलाई-अगस्त 2024 की अवधि पिछले 30 वर्षों में देश में सबसे अधिक बारिश वाली जुलाई-अगस्त अवधि में से एक होने जा रही है। जुलाई-अगस्त 2024 के दौरान दर्ज की गई वर्षा वर्तमान में 595 मिमी है, जो एलपीए से लगभग 12.5प्रतिशत ??अधिक है। हालाँकि, दूसरा पहलू यह है कि दक्षिणी और मध्य भारत में मानसून असामान्य रूप से भारी रहा है (सामान्य से 17-18प्रतिशत अधिक), लेकिन पूर्व और उत्तर पूर्व में कम (12प्रतिशत) और उत्तर-पश्चिम भारत में लगभग बराबर (3प्रतिशत) रहा है। सामान्य मानसून आने वाले महीनों में खरीफ फसल की बुवाई और मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए अच्छा संकेत है। इसके बाद खाद्य सीपीआई पर नीचे की ओर प्रभाव पड़ेगा। हाल के वर्षों में मजबूत रहने के बाद बैंक ऋण वृद्धि में नरमी आती दिख रही है। वित्त वर्ष 25 में ऋण वृद्धि 12-13प्रतिशत की सीमा में बढ़ सकती है और जमा राशि 10-11प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

आईओसी के चेयरमैन वैद्य ने कार्यकाल खत्म होने पर अपना पद छोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी) के चेयरमैन एस. एम. वैद्य ने अपना कार्यकाल पूरा होने के उपरांत अपना पद छोड़ दिया है। श्रीकांत माधव वैद्य पेट्रोलियम उद्योग में विगत 37 वर्षों से ज?यादा की विशेषज्ञता के साथ वैश्विक ऊर्जा टेक्नोक्रेट के रूप में प्रतिष्ठित हैं। कंपनी ने जारी एक बयान में बताया कि इंडियन ऑयल के चेयरमैन एस. एम. वैद्य पिछले 37 साल से ज्यादा के अनुभव वाले एक रसायन इंजीनियर हैं। वैद्य आईओसी को अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण शक्ति रहे हैं। आईओसी के मुताबिक वैद्य ने जुलाई, 2020 में कंपनी की बागडोर संभाली थी, उनके कार्यकाल में कंपनी ने असाधारण वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने कहा कि हार्दिक आभार के साथ इंडियन ऑयल की टीम उन्हें एक सफल दूसरी पारी की शुभकामनाएं देती है।

आईओसी ने कहा कि उनके नेतृत्व में कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2019-20 में 1,313 करोड़ रुपये से बढ़कर बीते वित?त वर्ष 2023-24 में 39,619 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का परिचालन आय 5,66,354 करोड़ रुपये से 53 फीसदी बढ़कर 8,66,345 करोड़ रुपये हो गई। इसके साथ ही आईओसी का बाजार पूंजीकरण भी रिकॉर्ड तीन गुना 33.8 अरब डॉलर का हो गया। आईओसी ने कहा कि एक दूरदर्शी व्यक्ति के रूप में उन्होंने ग्रीन हाइड्रोजन, जैव ईंधन और संधारणीय ऊर्जा में अग्रणी पहलों के साथ कंपनी के ऊर्जा भविष्य के लिए एक मजबूत खाका तैयार किया है, जिसने इंडियन ऑयल को भारत के हरित परिवर्तन में उत्प्रेरक के रूप में स्थापित किया है। %राष्ट्र पहले% की भावना को शामिल करते हुए, और व्यावसायिक पहलों से परे वैद्य का विजन इंडियन ऑयल को 2047 तक %एक ट्रिलियन डॉलर की दिग्गज कंपनी% बनाना है।

एफएंडओ सेगमेंट के लिए सेबी ने लागू किया नया नियम, 23 स्टॉक्स पर गिर सकती है गाज

एजेंसी

नई दिल्ली । मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) सेगमेंट के लिए नया एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया लागू कर दिया है। आशंका जताई जा रही है कि इस एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के कारण आने वाले दिनों में 23 स्टॉक्स फ्यूचर-ऑप्शंस सेगमेंट से बाहर हो सकते हैं और इनका एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट बंद हो सकता है। सेबी द्वारा लागू किए गए नए नियमों के अनुसार फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट के जो स्टॉक लगातार 3 महीने तक एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरा नहीं कर पाएंगे, उन्हें इस सेगमेंट से हटा दिया जाएगा। ऐसा होने के बाद एफएंडओ के लिए नए कॉन्ट्रैक्ट्स जारी नहीं किए जाएंगे। सेबी के एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के हिसाब से अब स्टॉक का मेडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज (एमक्यूएसओएसः कम से कम 75 लाख रुपये होना चाहिए। अभी तक एमक्यूएसओएस की बाध्यता न्यूनतम 25 लाख रुपये की थी। इसी तरह सेबी ने स्टॉक्स के लिए मार्केट वाइड पोजिशन लिमिट (एमडब्लूपीएल) को भी 500 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,500 करोड़ रुपये कर दिया है। इसके अलावा स्टॉक्स की एवरेज डेली डिलीवरी वैल्यू को 10 करोड़ रुपये से बढ़कर 35 करोड़ रुपये कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि एवरेज डेली डिलीवरी वैल्यू में हुई जोरदार बढ़ोतरी की वजह से सेबी ने एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया में 10 करोड़ रुपये की लिमिट को बढ़ाकर 35 करोड़ रुपये कर दिया है।ब्रोकरेज फर्म आईआईएफएल ने सेबी के नए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को लेकर की गई अपनी स्टडी में कहा है कि इन नए नियमों की वजह से 23 स्टॉक्स फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट से बाहर हो सकते हैं। ऐसा होने पर उनके कॉन्ट्रैक्ट भी बंद हो जाएंगे। माना जा रहा है कि नए नियमों के प्रभावी होने पर चंबल फर्टिलाइजर्स, जेके सीमेंट, रामको सीमेंट्स, गुजरात गैस, टॉरेंट फार्मा, सन टीवी नेटवर्क, दीपक नाइट्राइट, गुजरात नर्मदा वैली फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स, डॉ लाल पैथ लैब्स, लॉरिंस लैब यूनाइटेड ब्रेवरीज, महानगर गैस लिमिटेड, कोरोमंडल इंटरनेशनल, सिंजिंग इंटरनेशनल, कैन फिन होम्स जैसी कंपनियों के स्टॉक फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस सेगमेंट से बाहर हो सकते हैं। दूसरी ओर अडाणी ग्रीन, डीमार्ट, टाटा टेक्नोलॉजीज, जोमैटो और जिओ फाइनेंशियल जैसे स्टॉक्स फ्यूचर एंड ऑप्शंस सेगमेंट में अपनी जगह बना सकते हैं।

6 महीने के बाद बच्चों के लिए किस तरह की डाइट फायदेमंद क्या खिलाना चाहिए और क्या नहीं, डॉक्टर से जानें

डॉक्टर्स की मानें तो 6 महीने से छोटे बच्चों को ब्रेस्टफीड के अलावा कुछ भी नहीं खिलाना चाहिए. 6 महीने के बाद बच्चों को सेमीसॉलिड फूड्स देना शुरू कर सकते हैं. इससे जुड़ी जरूरी बातें डॉक्टर से जान लेते हैं.

अधिकतर नए पैरेंट्स इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि वे अपने छोटे बच्चे को क्या खिलाएं और क्या नहीं खिलाएं. बच्चों का डाइजेस्टिव सिस्टम काफी सेंसिटिव होता है और कई फूड्स से उन्हें एलर्जी हो सकती हैं. ऐसे में बच्चे को कुछ भी खिलाने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए. अक्सर लोगों का सवाल होता है कि 6 महीने के बाद बच्चों की डाइट किस तरह की होनी चाहिए. इस बारे में डॉक्टर से जानते हैं.

ग्रेटर नोएडा के फोर्टिस हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक्स एंड नियोनेटोलॉजी डिपार्टमेंट की कंसल्टेंट डॉ. अंजिमा बासुमतारी ने ह्न2ह्य18 को बताया कि बच्चा पैदा होने के बाद 6 महीने तक सिर्फ ब्रेस्टफीडिंग करानी चाहिए. इसके अलावा पानी भी नहीं पिलाना चाहिए. 6 महीने के बाद ब्रेस्टफीडिंग के साथ सेमीसॉलिड फूड्स खिला सकते हैं. 7 महीने के बाद फूड्स की थिकनेस बढ़ा सकते हैं और 1 साल के बाद धीरे-धीरे सॉलिड डाइट देना शुरू कर सकते हैं. इससे बच्चे को जरूरी पोषक तत्व मिलने लगेंगे और उसकी ग्रोथ तेजी से होगी. बच्चों के लिए सही डाइट फॉलो करना बेहद जरूरी है.

किन फूड्स से करें शुरुआत?

डॉक्टर अंजिमा ने बताया कि 6 महीने के बाद बच्चों को ब्रेस्टफीडिंग के अलावा चावल, अलग-अलग तरह की दाल को सेमीसॉलिड फॉर्म में खिलाना शुरू कर सकते हैं. इसके अलावा केला, सेब या नाशपाती को अच्छी तरह मैश करके थोड़ा-थोड़ा खिला सकते हैं. इसके 1-2 सप्ताह बाद गाजर, बीन्स और आलू उबालकर अच्छे से मैश करके खिलाना सकते हैं. शुरुआत में ये चीजें दिन में एक बार खिलाएं और 2-3 चम्मच पानी पिलाएं. धीरे-धीरे फूड्स और पानी की मात्रा बढ़ा दें.

बच्चों को जब भी कोई नया फूड खिलाएं, तो ऐसा दिन के वक्त करें. अगर उसे उस फूड से एलर्जी होगी, तो डायरिया या उल्टी हो सकती है. अगर ऐसा हो, तो फिर अगले 1 महीने तक उस फूड को न खिलाएं. 1 महीने बाद फिर उस फूड को दोबारा ट्राई कर सकते हैं. अगर फिर दिक्कत हो, तो कुछ महीनों के लिए अवॉइड करें.

1 साल तक ये चीजें करें अवॉइड

हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो जब तक आपका बच्चा 1 साल का न हो जाए, तब तक आप उसे हरी सब्जियां, बिस्किट, पैकेज्ड जूस, अंडा या शुगर न खिलाएं. 6 महीने से 12 महीने तक बेहद कम मात्रा में नमक खिला सकते हैं, लेकिन नमक की मात्रा ज्यादा नहीं होनी चाहिए. बिस्किट और जूस अवॉइड करने चाहिए, क्योंकि इसमें शुगर ज्यादा होती है. इसके बजाय फ्रूट पल्प देना बेहतर होता है. अखरोट और अन्य ड्राई फ्रूट्स 1 साल के बाद ही खिलाने चाहिए, ताकि बेबी को किसी तरह की एलर्जी महसूस न हो. हरी सब्जियों में फाइबर ज्यादा होता है, जिसे पचाना छोटे बच्चों के लिए मुश्किल हो सकता है. इसकी वजह से 1 साल से पहले हरी सब्जियां देने की सलाह नहीं दी जाती है.

क्या गाय-भैंस का दूध पिला सकते हैं?

डॉक्टर ने बताया कि कई लोग बच्चों को एक साल तक सिर्फ ब्रेस्टफीडिंग कराते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए. इसमें सिर्फ केल्शियम और प्रोटीन होता है. बच्चों की ग्रोथ के लिए अन्य पोषक तत्वों की भी जरूरत होती है. सिर्फ दूध पिलाने से बच्चों में आयरन की कमी होने लगती है और इससे उनकी ग्रोथ बुरी तरह प्रभावित हो सकती है. बच्चों को 1 साल के बाद ही गाय या भैंस का दूध देना चाहिए. इससे पहले पिलाने से एलर्जिक रिएक्शन का चांस ज्यादा होता है. ऐसे में लोगों को 1 साल तक बच्चों की डाइट को लेकर बेहद सावधानी बरतनी चाहिए.

मुश्किल है राहुल को रोकना

विक्टर ह्यूगो का एक मशहूर कथन है कि दुनिया की कोई ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है

लोकसभा चुनाव के दरमियान राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी द्वारा हो रहे भारत के संविधान पर हमले का मजबूती से सामना किया। अपने हाथ में बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान लेकर राहुल गांधी ने लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए बीजेपी और आरएसएस की हिंदुत्ववादी राजनीति को हराने का आह्वान किया। नतीजा यह हुआ कि जो अबकी बार 400 पार का नारा दे रहे थे और संविधान बदलने की मुनादी कर रहे थे, वह 240 पर सिमट गए। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि कांग्रेस पार्टी को भले ही 99 सीटें मिली हों लेकिन चुनाव के मैन ऑफ द मैच राहुल गांधी रहे।

विक्टर ह्यूगो का एक मशहूर कथन है कि दुनिया की कोई ताकत उस विचार को नहीं रोक सकती, जिसका समय आ गया है। व्यक्ति जब विचार बन जाए तो फिर उसे भी समय आने पर नहीं रोका जा सकता। राहुल गांधी आज एक व्यक्ति से बढ़कर विचार बन चुके हैं। एक ऐसा विचार; जो देश में मोहब्बत की दुकान खोलना चाहता है। हिंसा मिटाना चाहता है। नफरत की दीवारें गिरकर लोगों को जोड़ना चाहता है। सम्मान और सौहार्द के साथ देश के लोगों को भारत के विकास की मुख्यधारा में शामिल चाहता है। राहुल गांधी आज समाजवादी मूल्यों और सामाजिक न्याय की राजनीति के नायक बन चुके हैं। वह राहुल गांधी जो चांदी नहीं बल्कि सोने की चम्मच लेकर के पैदा हुए हैं। जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी, तीन प्रधानमंत्री वाले परिवार में जन्मे राहुल गांधी सत्तापरक राजनीति से हमेशा दूर रहे। 2004 से लेकर 2014 के बीच रही यूपीए सरकार में राहुल गांधी मंत्री बन सकते थे और प्रधानमंत्री भी हो सकते थे। लेकिन उन्होंने एक सांसद और पार्टी कार्यकर्ता के रूप में अपना सफर जारी रखा।जो भारतीय जनता पार्टी और आरएसएस आज सत्ता में है, टकटकी लगाए यूपीए सरकार की उपलब्धियों और उसके भीतर के अंतरविरोधों को देख रही थी। 2012-13 में एक छद्म आंदोलन खड़ा किया गया। इसके जरिए यूपीए सरकार नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी और उसके नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को सबसे ज्यादा निशाना बनाया गया। एक अनुमान के मुताबिक राहुल गांधी के कद और छवि को बिगाड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने कॉर्पोरेट घरानों के सहारे प्रतिवर्ष 500 करोड रुपए खर्च किए। नतीजा यह हुआ कि सारे देश में राहुल गांधी को कमजोर नेता, परिवारवादी शहजादे के रूप में प्रचारित किया गया। व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक और तमाम सोशल मीडिया माध्यमों से राहुल गांधी की छवि को धूमिल किया जा रहा था। लोग इसके शिकार हो रहे थे। वे नहीं समझ पा रहे थे कि उस नफरत से देश को कितना बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। राहुल गांधी के खिलाफ दुष्प्रचार के अंधेरे में झूठ और लूट का पूरा साम्राज्य खड़ा किया गया। इसी झूठ और लूट के सहारे अंबानी और अडानी दुनिया के बड़े धनपति कुबेर बनकर उभरे। जबकि दूसरी तरफ 81 करोड लोग भूख और गरीबी के दलदल में धंसते चले गए। इतिहास के प्रसंगों से लेकर वर्तमान मुस्लिम समाज, धर्म और उनके पूजा स्थलों को लगातार टारगेट करके साम्प्रदायिक नफरत फैलाई गई। सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म द्वारा सम्प्रदायिक छवियों को लोगों की आंखों में झोंका जाता रहा।

इसलिए वे नहीं देख पा रहे थे, कि महंगाई के कारण उनकी थाली से आधा भोजन गायब हो गया। उनके बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा खत्म कर दी गई। जो नरेंद्र मोदी 2 करोड़ प्रतिवर्ष रोजगार का वादा करके आए थे, सरकारी नौकरियों पर कुंडली मारकर बैठ गए। उन्हें विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले नौजवान नहीं चाहिए थे, बल्कि नफरत की ध्वजा पताका लहराने वाली विध्वंसक और कुंठा की शिकार एक ऐसी भीड़ चाहिए थी जिसे कहीं भी झौंका जा सके। एक ऐसी भीड़ जो झंडा और डंडा लेकर मोदी की सत्ता के लिए रास्ता बनाए। राहुल गांधी ऐसे तमाम नौजवानों के लिए नफरत के केंद्र बन चुके थे। उनके जेहन में राहुल गांधी के प्रति इतनी नफरत भरी गई थी कि वे अपना वर्तमान और भविष्य नहीं देख पा रहे थे। अलबत्ता, राहुल गांधी इस नफरत को मिटाने और नौजवानों को जगाने के लिए पैदल चल पड़ते हैं। कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने नाउम्मीद हो चुके देश के लोगों में उम्मीद और आशा पैदा की। इस यात्रा के दरम्यान राहुल गांधी ने देश के मिजाज को बारीकी से समझा। घृणा और कुंठा को रचनात्मक ऊर्जा में तब्दील करने के लिए राहुल गांधी संदेश देते रहे। इसके बाद पुन- राहुल गांधी एक नई यात्रा यानि न्याय यात्रा पर निकल पड़े। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के लिए मणिपुर से मुंबई की इस यात्रा में राहुल गांधी ने प्यार और मोहब्बत के साथ अधिकारों की बात की।

लोकसभा चुनाव के दरमियान राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी द्वारा हो रहे भारत के संविधान पर हमले का मजबूती से सामना किया। अपने हाथ में बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान लेकर राहुल गांधी ने लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए बीजेपी और आरएसएस की हिंदुत्ववादी राजनीति को हराने का आह्वान किया। नतीजा यह हुआ कि जो अबकी बार 400 पार का नारा दे रहे थे और संविधान बदलने की मुनादी कर रहे थे, वह 240 पर सिमट गए। इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि कांग्रेस पार्टी को भले ही 99 सीटें मिली हों लेकिन चुनाव के मैन ऑफ द मैच राहुल गांधी रहे। इसके बाद राहुल गांधी ने लीडर ऑफ अपोजिशन की जिम्मेदारी संभाली।

संसद से लेकर सड़क तक राहुल गांधी गरीबों-वंचितों के हक में और देश के संसाधनों पर होने वाली लूट के खिलाफ डटकर खड़े हुए। राहुल गांधी का एक-एक भाषण लोगों के जेहन में घर करने लगा। चुनाव के बाद भी लगातार उनकी यात्राएं जारी हैं।आज राहुल गांधी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि विचार बन गए हैं। एक ऐसा विचार जो फासीवादी हिंदुत्व से सीधे मुकाबले में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के हक-हुकुम की लड़ाई लड़ रहा है। तमाम ऐसे लोग जो पिछले 10-15 साल से नरेंद्र मोदी के भक्त और राहुल गांधी के मुखर आलोचक थे, वे भी आज राहुल गांधी के कसीदे पढ़ रहे हैं। इतना ही नहीं अब तो भाजपा के भीतर भी राहुल गांधी के प्रशंसक पैदा हो गए हैं। हालिया उदाहरण स्मृति ईरानी का है। स्मृति ईरानी की पूरी राजनीति राहुल गांधी के खिलाफ ही विकसित हुई है। जिन्होंने हमेशा राहुल गांधी का मजाक उड़ाया और अपमान किया, वे स्मृति ईरानी आज राहुल गांधी की राजनीति को गंभीरता से लेने की बात कर रही हैं। चेतन भगत हों या कुमार विश्वास या फिर स्मृति ईरानी आज ये सब राहुल गांधी की सादगी, उनके संघर्ष और साधारण लोगों के साथ खड़े होने को अच्छी राजनीति कह रहे हैं।

आज राहुल गांधी भले ही प्रधानमंत्री नहीं हों लेकिन देश के लोगों के सर्वप्रिय नेता और संरक्षक के रूप में वे ही समादृत हैं। भविष्य में वह प्रधानमंत्री होंगे या नहीं, यह तो नहीं कहा जा सकता क्योंकि राहुल गांधी खुद सत्ता की राजनीति से दूर सत्य की राजनीति कर रहे हैं। एक ऐसा सत्य जिसे आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी सत्याग्रह के जरिए हासिल करना चाहते थे, जिसे नेहरू ने धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की संकल्पना में पाला पोसा था। एक ऐसा सत्य जिसे डॉ. अंबेडकर ने संविधान के जरिए लोगों के अधिकारों में पिरोया। हजारों साल की वंचना और पराधीनता से मुक्त करके अधिकार देने वाले संविधान के सत्य पर आगे बढ़ते हुए राहुल गांधी आज एक ऐसी शख्सियत बन चुके हैं जिन्हें अब ना तो रोका जा सकता है और ना ही नजरअंदाज किया जा सकता है।

संपादकीय

पहल के पहलू

निस्संदेह, लैंगिक समानता और शिक्षा व रोजगार में पर्याप्त अवसर की दृष्टि से हिमाचल सरकार द्वारा लड़कियों की शादी की कानूनी उम्र 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष करना एक प्रगतिशील कदम है। लेकिन साथ ही हिमाचल सरकार द्वारा बाल विवाह निषेध (हिमाचल प्रदेश संशोधन) विधेयक 2024 के इस कदम ने एक नई बहस को भी जन्म दिया है। वहीं कांग्रेस पार्टी के भीतर भी कुछ असंतोष के सुर उभरते दिखे हैं। बहस इस मुद्दे से जुड़ी राष्ट्रीय चर्चाओं को लेकर भी है कि इससे पहले लाया गया केंद्र सरकार का बाल विवाह निषेध संशोधन विधेयक अभी भी एक संसदीय पैनल के समक्ष समीक्षाधीन है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश का कानून केंद्रीय पैनल के निष्कर्षों से पहले सामने आने के निहितार्थों पर प्रश्न पैदा करता है। दरअसल, जिस पैनल को केंद्रीय विधेयक की समीक्षा का कार्य सौंपा गया है, वह अभी लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल तक बढ़ाने से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श कर रहा है। उम्मीद है कि इसकी रिपोर्ट में सांस्कृतिक संवेदनशीलता, सामाजिक-आर्थिक कारकों और महिलाओं के अधिकारों तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर संभावित प्रभाव सहित विभिन्न चिंताओं को संबोधित किया जायेगा। इस मामले में हिमाचल सरकार की स्वतंत्र पहल का निर्णय जहां एक प्रगतिशील कदम है तो वहीं इसे जल्दबाजी में उठाया गया कदम भी कहा जा रहा है। निस्संदेह, हिमाचल सरकार का यह सक्रिय रुख लैंगिक समानता और युवा महिलाओं के सशक्तीकरण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को ही उजागर करता है। वहीं दूसरी ओर महिलाओं की शादी की उम्र को पुरुषों के बराबर लाकर, सही मायनों में कानून का उद्देश्य उन्हें शादी के दबावों से मुक्त करना भी है। जिससे उन्हें शिक्षा और व्यक्तिगत विकास के लिये समान अवसर मिल सकें। निस्संदेह, ऐसे प्रयास स्त्री सशक्तीकरण की दिशा में एक सार्थक पहल कही जा सकती है। जो कालांतर समाज में लैंगिक समानता का मार्ग प्रशस्त करके उन्हें स्वावलंबी बनाने में मददगार हो सकती है। यही वक्त की मांग भी है।

लेकिन वहीं दूसरी ओर खुद कांग्रेस पार्टी में सरकार के निर्णय को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। कहा गया कि वे सुखविंदर सुक्खू सरकार के कदम से आश्चर्यचकित हैं, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने ही केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा लाए गए इसी तरह के विधेयक का विरोध किया था। जिसकी वजह इसका मुस्लिम समाज पर पड़ने वाला प्रभाव भी था। कांग्रेस ने खासकर मुस्लिम पर्सनल लॉ के संबंध में चिंता भी जतायी थी। वहीं दूसरी ओर हिमाचल भाजपा ने सुक्खू सरकार के कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि तकनीकी रूप से इस कानून को लेकर हमारी पार्टी ने पहल की थी। वहीं कानून के जानकार कह रहे हैं कि इस तरह के कानून पर यदि संसदीय पैनल की रिपोर्ट एक अलग दृष्टिकोण या अतिरिक्त सुरक्षा उपायों का सुझाव देती है तो यह कदम कानूनी और सामाजिक विसंगतियां उत्पन्न करने का जोखिम भी पैदा कर सकता है।

कालांतर राष्ट्रीय कानून, एक बार अधिनियमित होने के बाद राज्य कानूनों का स्थान लेगा। जिससे संभावित रूप से भ्रम पैदा हो सकता है।

फलत- कालांतर संशोधन की आवश्यकता होगी। निस्संदेह, हिमाचल सरकार के कानून का समय उस व्यापक परामर्श प्रक्रिया को कमजोर करता है,जिस दिशा में संसदीय पैनल सक्रिय है। दरअसल, पैनल इस मुद्दे से जुड़े विविध दृष्टिकोणों को संतुलित करना चाहता है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना चाहता है कि कानून का स्वरूप व प्रभाव विविधता के भारतीय परिवेश में समावेशी हो।

जिसका संदेश जाए कि यह एक सुविचारित फैसला है। वहीं दूसरी ओर कह सकते हैं कि हिमाचल सरकार का कानून एक साहसिक कदम है। वहीं यह राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक व सुसंगत दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करता है। जो भारत के विविधता के सामाजिक परिदृश्य में इस तरह के महत्वपूर्ण बदलावों को लागू करने की जटिलताओं की ओर ध्यान भी आकृष्ट करता है। निस्संदेह,यह कदम लड़कियों के लिये शिक्षा व कैरियर में आगे बढ़ने के नये अवसर भी सृजित करेगा। वहीं लड़कियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिये भी यह अनिवार्य शर्त है।

विफल, विश्वास होने का संकेत है नीतिगत उलटफेर

हमें यह जानने के लिए उस सर्वेक्षण की आवश्यकता नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा नहीं कर रही है। विश्व असमानता लैब के अनुसार भारत में ब्रिटिश राज के दौरान पाई गई असमानता से अधिक असमानता के साथ-साथ अच्छी नौकरियां प्रदान करने में पूर्ण विफलता के साथ-साथ शीर्ष पर व्याप्त भ्रष्टाचार अब नियामक प्रणालियों में व्याप्त हो गया है। जैसा कि सेबी के प्रमुख को उलझाने वाले मामले में देखा गया है। यह हमें बताता है कि क्या गलत हो रहा है। पिछले दशक की नीतियां विफल रही हैं और थोड़े समय और टुकड़ों में किए गए नीतिगत उलटफेर इस गड़बड़ी को ठीक नहीं करेंगे।

केन्द्र की अल्पमत भाजपा सरकार ने पिछले पखवाड़े में अपने दो नीतिगत प्रस्तावों- लेटरल हायरिंग और पेंशन के फैसले बदले हैं, जिनका वह लंबे समय से जबरदस्त तरीके से बचाव कर रही थी। इन फैसलों के बदलने को नए संसदीय अंकगणित के मद्देनजर नए सिरे से एकजुट विपक्ष के दबाव के रूप में देखा गया है; या हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों को देखते हुए चुनावी मजबूरियों के बरक्स रणनीतिक वापसी के रूप में चित्रित किया गया है। इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

ऊपरी तौर पर देखें तो यह सच मालूम होता है लेकिन गंभीरता से विचार करने पर यह भाजपा की उन मजबूरियों को दर्शाता है जिसने इन नीतियों को बिना सोचे-समझे या आधे-अधूरे मन से आगे बढ़ाया था। ये वे ही नीतियां हैं जो भाजपा के निरंतर और यहां तक कि तेज गति वाले सुधारों के विचार में फिट बैठती हैं, जिन्हें उद्योगपति मित्रों के एक छोटे समूह द्वारा समर्थन और व्यापक व्यापारिक समुदाय द्वारा समर्थित किया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि ये हमले उन नीतियों पर हुए हैं जिन पर भाजपा और उसका नेतृत्व विश्वास करता है।यह नवंबर, 2021 में अलोकप्रिय हुए कृषि कानूनों को अचानक वापस लेने जैसा था। उस समय भी आज की तरह सरकार और खुद मोदी नई व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेताब थे, लेकिन जिसे ऐतिहासिक सुधार कहा जा रहा था उस पर लगाया गया राजनीतिक दांव, पारदर्शिता की भारी कमी और इरादों को दर्शाता था जिन पर सवाल उठाए गए। भाजपा के दिग्गज नेता और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आरोप लगाया था कि पसंदीदा उद्योगपतियों ने कानून बनने के पहले ही जमीनें खरीद ली थीं क्योंकि बाद में कीमतें बढ़ गयी थीं।पहले ही आरोप लग रहा है कि सरकार की वर्तमान नीतियां सामाजिक न्याय को कमजोर करने में पूरी मदद कर रही हैं। लेटरल हायरिंग के मामले में आरक्षण के बिना

लोकसभा में भाजपा को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। खारिज की गई नई पेंशन योजना के मामले में अब यह भार लोगों को बाजार की अनिश्चितता में छोड़ रहा है। सरकारी कर्मचारियों को बाजार पर भरोसा नहीं है, ठीक उसी तरह जैसे किसान खुले बाजार की व्यवस्था नहीं चाहते थे और इसके बजाय सरकार से न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी मांगते थे।

यह एक बार फिर बाजारों और मोटे तौर पर निजी क्षेत्र के निष्पक्ष होने के बारे में आम नागरिक के विश्वास की कमी और आम तौर पर भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में भरोसे की कमी को जाहिर करता है जो निजी क्षेत्र के समर्थन और अर्थव्यवस्था में अपनी बड़ी भूमिका पर जोर देने के रूप में देखा जाता है। विश्वास की इस कमी के दो हिस्से हैं- पहला, राष्ट्र की अंतर्निहित बाजार विरोधी प्रवृत्ति है; और दूसरा, सत्ता और निजी पूंजी के बीच अनुचित निकटता के कारण अतिरिक्त बाजार विरोधी पूर्वाग्रह है।यानि दो कार्यकाल से ज्यादा समय तक पूर्ण बहुमत और अकेले नेता के सत्ता में रहने, मोदी सरकार के पहले दो कार्यकालों के दौरान बाहर से कोई विपक्ष नहीं होने और पार्टी के अंदर सांसदों के पूरी तरह चुप्पी साधने के बाद भी भाजपा कम से कम आर्थिक मामलों के मामले में राष्ट्रीय मानसिकता को बदलने में सक्षम नहीं रही है।भले ही भाजपा अभी भी केंद्र और कई राज्यों में सत्ता में बनी है पर इसमें ही भाजपा और नरेन्द्र मोदी ब्रांड की राजनीति का बड़ा पतन दिखाई देता है। भाजपा जैसे-जैसे अपने प्रभाव को बढ़ाने और विस्तार करने पर ज़ोर देगी, पार्टी अधिक दक्षिणपंथी एजेंडे की ओर झुकेगी। यहां तक कि वह अपनी सीमाओं को जांचेगी तथा इस प्रक्रिया में ध्यान हटाने के लिए कई अन्य मोर्चों की जांच-परख भी करेगी जिसमें इसकी सांप्रदायिक राजनीति भी शामिल है।

कुछ हद तक ऐसा इसलिए है क्योंकि भाजपा आज स्वयंभू रणनीतिकारों और नैरेटिव शेपर्स की एक मशीनरी है जो मानते हैं कि शासन का मतलब कहानियां सुनाना, साथ ही उन्हें गढ़ना और फिर इन कहानियों को बेचने के लिए सभी संसाधनों को लगाना है। वास्तव में भाजपा लोगों को समझाने और फिर दक्षिणपंथी मोड़ों के साथ जाने के लिए राजी करने की विशाल राजनीतिक चुनौती का मुकाबला नहीं कर रही है बल्कि हार के बाद भी यह लोगों को चुपके से इसके अंदर ले जा रहा है। देश कह रहा है कि उसे बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता। तथ्य यह है कि देश भाजपा के प्रस्ताव पर और पार्टी के एजेंडे से कई अन्य मुद्दों पर इस तरह के सुधारों पर आश्वस्त नहीं है।

करीब सात साल पहले का उदाहरण लें, जब भारत के आर्थिक सर्वेक्षण ने आधिकारिक तौर पर कहा था कि %सभी राज्यों, सभी समाजों में निजी क्षेत्र के प्रति कुछ दुविधा है... लेकिन भारत में दुविधा किसी और देश से अधिक लगती है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत में दूसरों के सापेक्ष स्पष्ट रूप से एंटी-मार्केट विश्वास है, यहां तक कि समान रूप से प्रति व्यक्ति स्तर वाले कम प्रारंभिक जीडीपी साथियों की तुलना में भी यह भरोसा कम है।%इसमें सरकार ने वर्ल्ड वैल्यू सर्वे के आंकड़ों का हवाला दिया। उसी सर्वेक्षण में नवीनतम डेटा बिंदुओं पर फिर से गौर करने से हमें पता चलता है कि भारत में बेसलाइन बदली नहीं है। उदाहरणार्थ, पिछले साल ही इसी सर्वे पर प्रतिक्रियाएं पूछी गई थी कि %क्या व्यवसाय का सरकारी स्वामित्व बढ़ाया जाना चाहिए?% भारत में 23.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस कथन से पूरी तरह से सहमति व्यक्त की, जो चीन या यहां तक कि बांग्लादेश के लिए रिपोर्ट की गई संख्या से अधिक है। भारत उस बैंड में है जहां पाकिस्तान बैठता है। वहां 28.7 फीसदी ने उस कथन से पूरी तरह सहमति व्यक्त की। जबकि इस पैमाने के दूसरे छोर की तुलना में भारत में 100 में से 60 से अधिक लोग उस कथन के साथ जाने के लिए प्रवृत्त थे जिन्होंने कहा कि व्यवसाय के निजी स्वामित्व को बढ़ाया जाना चाहिए- केवल 11.1 फीसदी ने पूरी तरह से इसका समर्थन किया।हमें यह जानने के लिए उस सर्वेक्षण की आवश्यकता नहीं है कि भारत की अर्थव्यवस्था अच्छा नहीं कर रही है। विश्व असमानता लैब के अनुसार भारत में ब्रिटिश राज के दौरान पाई गई असमानता से अधिक असमानता के साथ-साथ अच्छी नौकरियां प्रदान करने में पूर्ण विफलता के साथ-साथ शीर्ष पर व्याप्त भ्रष्टाचार अब नियामक प्रणालियों में व्याप्त हो गया है, जैसा कि सेबी के प्रमुख को उलझाने वाले मामले में देखा गया है। यह हमें बताता है कि क्या गलत हो रहा है। पिछले दशक की नीतियां विफल रही हैं और थोड़े समय और टुकड़ों में किए गए नीतिगत उलटफेर इस गड़बड़ी को ठीक नहीं करेंगे।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु - सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल- वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश- आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेंकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी- पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि-
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

- पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।
-अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।
-जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।
-पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।
-सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।
-बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।
-अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।
-अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।
-पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।
-एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।
-अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।
-अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।
-अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।
-मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।
-इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।
-सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।
-आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।
-नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30- यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30- यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200- इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200- यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30- इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200- यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)- वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

मंडे की सुबह काम की झंझट आप को कर देती है उदास

5 टिप्स करेंगी मदद

वीकंड के बाद मंडे की शुरुआत हम सभी के लिए मुश्किल होती है। अक्सर लोग एक उदास मन से मंडे की शुरुआत करते हैं। पर जरूरी यह है कि आप खुश होकर अपने मंडे की शुरुआत करें। इससे मंडे ही नहीं पूरा हफ्ता भी अच्छा गुजरेगा।

सोमवार की सुबह से, हर किसी को डर लगता है। कोई भी नहीं चाहता कि सुनहरे और आरामदेह वीकंड के बाद सोमवार आए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका पेशा क्या है या किस जॉब में है, सोमवार आने का डर हर किसी को रविवार शाम से ही परेशान करता है। कुछ लोग इससे कम परेशान होते हैं तो कुछ लोग ज्यादा। ये वैसा ही है, जैसे लंबी छुट्‌टी के बाद स्कूल जाना। इसमें हर किसा को ऐसा फील होता है, मानों जैसे अभी तो शुक्रवार को आप एक सप्ताह के अंत का जश्न मना रहे थे। अब पलक झपकाते ही सोमवार की कामकाजी सुबह आ गई। जैसे सुबह सात बजे का अलार्म बजा और सोमवार फिर से वापस आ गया। ऐसे में आपको सोमवार की उदासी से बचना है और एक नए वीक की फ्रेश शुरुआत करनी है, तो आप इन 5 तरीकों को अपना सकते हैं।

नाश्ते में कुछ खास बनाएं

मां जैसे अपने बच्चे को उसके मनपसंद नाश्ते का लालच देती है, वैसे ही हमें मंडे मॉर्निंग खुद को एक अच्छे से नाश्ते का लालच देना चाहिए। मंडे को खासतौर पर आप अपना मनपसंद नाश्ता बनवाएं, जिसे आप खुशी से खा सके। ध्यान रखें कि यह नाश्ता हेल्दी भी हो, जो आपको इर्निजेटिक और लाइट फील कराए।

अच्छे से तैयार होकर ऑफिस जाएं

मंडे सुबह अगर आपको दबी-कुचली, मुचड़ी हुई जींस और बिना प्रेस की हुई टी-शर्ट पहनने को मिले, तो आपका पूरा मूड ऑफ हो जाएगा। ऐसे में अपनी ड्रेसिंग स्टाइल को नया लुक देने का प्रयास करें। अपने पसंदीदा ड्रेस, अपने आरामदायक जूते और पसंदीदा लिपस्टिक को बाहर निकालें और पूरे मन से तैयार होकर ऑफिस निकलें। ऐसा हमें इसलिए भी करना चाहिए क्योंकि जब आप अच्छे कपड़े पहनते हैं, तो आप बेहतर महसूस करते हैं। इस तरह आप खुद को तो पसंद आने के साथ ही दूसरों को भी अच्छे लगते हैं।

सोच बदलें और सकारात्मक सोचें

ऑफिस के बारे में आपके बोरिंग थोट्स हैं, तो आपके लिए कोई भी मंडे दुखदायी ही होगा। ऐसे में अपने मन को बदलिए। सोचिए कि ऑफिस जाकर कितना मजा आएगा। वहां आपके दोस्त होंगे। ऐसा सोचने के लिए जरूरी यह भी है कि आपको आपके काम से प्यार हो। ऑफिस में आपके रिश्ते सबके साथ अच्छे हों क्योंकि अगर ऐसा नहीं है, तो आप मानसिक रूप से काफी परेशान रहेंगे। ऑफिस को लेकर सकारात्मक सोच इसलिए भी जरूरी है कि आप वहां दिन के लगभग 8 से 9 घंटे यहीं बिताते हैं। इस वजह से अगर ऑफिस में खुश रहते हैं, तो आपका काम भी अच्छा होगा। साथ ही आपको किसी मंडे मॉर्निंग का डर नहीं सताएगा और इस तरह आपका पूरा सप्ताह भी अच्छा बीतेगा।

अपने आप को हमेशा बताएं कि आपको आपके जॉब से प्यार है

किसी भी काम को करने से पहले उसके प्रति हमारे मन में प्यार होना बेहद जरूरी है। आप किसी काम को क्यों करते हैं और आप उसे कितना पसंद करते हैं, यह एक बेहद जरूरी चीज है। आपके काम के प्रति आप कितने मोटिवेटेड हैं, यह बात आपकी सफलता और खुशी का एक बड़ा कारण हो सकती है। आप उस काम में उतने ही कामियाब होंगे, जितने मन से आप उस काम को शुरू करेंगे। तो मंडे मॉर्निंग से घबराइए नहीं और अपने काम को अपना पैशन बनाइए। अगर ऐसा नहीं है तो कम से कम ये कोशिश करिए कि आप जो करेंगे, जब तक करेंगे, पूरे दिल से करेंगे।

ऑफिस में अपनी डेस्क को सजा कर रखें

सजावट, साफ- सफाई और खूबसूरती सिर्फ आंखों को ही सुकून नहीं देती बल्कि हमारा मन भी लगाए रखती है। यह आपके मन पर अच्छा प्रभाव डालती है। इसलिए हो सके तो ऑफिस में आप अपने डेस्क को सजा कर रखें। रंग-बिरंगी और काम की चीजों से डेस्क सजाएं। मनी प्लांट और ऐसे ही कुछ हरे भरे छोटे पौधों को भी आप अपने डेस्क पर लगा सकते हैं। इसके अलावा कुछ मोटिवेशनल थोट्स भी अपने डेस्क पर लिखकर लगाएं। यह सारी चीजें आपको खुश और मोटिवेटेड रखती हैं, जिससे आपको मंडे हो या फ्रायडे सब एक समान लगेगा।

रेसिपी

मसालेदार इडली

सामग्री

■ 4-5 इडली ■ 2 टमाटर ■ 2 हरी मिर्च ■ आधी शिमला मिर्च ■ 1/2 कप मटर के दाने ■ 1 प्याज ■ 1/4 टीस्पून हल्दी ■ 3/4 टीस्पून अदरक-लहसुन पेस्ट ■ 1 टीस्पून पाव भाजी मसाला ■ 1 टीस्पून टमैटो सॉस ■ 8-10 करी पते ■ 2 टीस्पून हरा धनिया ■ नमक स्वादानुसार ■ तेल ■ 1 टीस्पून सौंफ

विधि

इडलियों के छोटे-छोटे पीसेज काट लें। अब इडली पीसेज को डीप फ्राई करें। कड़ाही में तेल गर्म कर उसमें सौंफ डालें। करी पत्ता डालने के बाद लंबा कटा हुआ प्याज डालकर सुनहरा होने तक भूनें। अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर इसे तेल छोड़ने तक अच्छी तरह भूनें। इसमें बारीक कटे हुए टमाटर डालने के बाद नमक, मटर के दाने, शिमला मिर्च और बाकी मसाले डालकर फ्राइड इडली को डाल दें। प्लेट में निकालकर ऊपर से गार्निश करें।

वेजिटेबल राइस

सामग्री

■ बासमती चावल- 2 कप ■ सब्जियां ■ प्याज ■ लौकी ■ बीन्स ■ गाजर ■ गोभी ■ शिमला मिर्च)- 2 कप ■ टमाटर- 1 (बारीक कटा) ■ घी- 2 चम्मच ■ दालचीनी- 1/2 चम्मच ■ लौंग पाउडर- 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला- 1/2 चम्मच ■ हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच ■ धनिया पाउडर- 1/2 चम्मच ■ नमक-स्वादानुसार ■ नींबू का रस-स्वादानुसार ■ अदर-लहसुन पेस्ट- 1/2 चम्मच ■ दही- 2 चम्मच ■ जीरा और सरसों के दाने- 1 चम्मच

विधि

पैन में घी गर्म करें। अब इसमें जीरा, सरसों के दाने डालकर तड़काएं। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट के साथ दालचीनी और लौंग का पाउडर डालें। थोड़ी देर फ्राई करेंगे। अब बाकी मसाले डालें और इसके साथ ही टमाटर भी। अब सारी सब्जियां और दही को भी डाल दें और ढककर अच्छे से पकाएं। थोड़ा पक जाने के बाद इसपर पके हुए चावल की लेयर बिछाएं। अब इसे 15 मिनट तक और पकाएं। ऊपर से हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-1-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-1-2-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रुकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। शुभांक-5-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें। शुभांक-5-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-5-7-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें। शुभांक-1-4-5

काकुरो पहेली - 2574

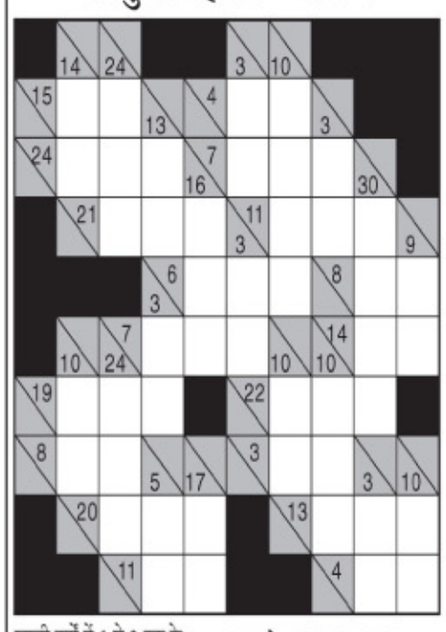

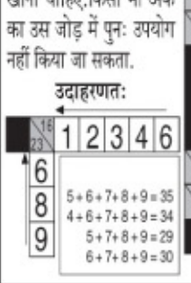

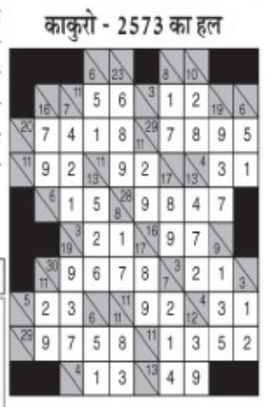

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

16/23 → 1 2 3 4 6 ; ↓ 6 8 9

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2573 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक बार एक कंजूस सेठ किराये की टैक्सी मे बैठा जा रहा था कि अचानक ही ड्राइवर बोला- साहब मेरी गाडी के ब्रेक फेल हो गये हैं.

इस पर सेठ जल्दी से बोला- अरे ब्रेक फेल हो गये हैं तो क्या हुआ पहले जल्दी से टैक्सी का मीटर तो बंद कर.

☺ ☺ ☺

एक पाठक ने किसी पत्रिका में एक प्रश्न पूछा कि पापड़ और झापड़ में क्या अंतर है?

संपादक ने उत्तर दिया - 'बेकार में दिमाग खपाने से कुछ नहीं होता. दोनों खाकर देख लीजिए, फर्क अपने आप समझ में आ जाएगा.'

☺ ☺ ☺

मनोज (दुकानदार से)- 'कैसी कुर्सियां बनाते हो? पिछले हफ्ते कुर्सी खरीदी थी, दो दिन भी नहीं चली.'

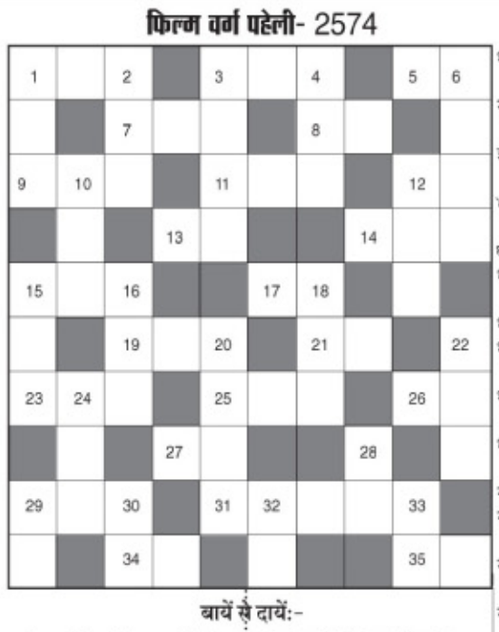

दुकानदार (मनोज से)- माफ कीजिएगा साहब, कुर्सी चलने के लिए नहीं होती, बैठने के लिये होती है.

☺ ☺ ☺

राकेश (मुकेश से)- 'फांसी के फंदे और शादी के फंदे में क्या अन्तर है?'

मुकेश (राकेश से)- 'फांसी के फंदे के बाद तमाम मुसीबतें खत्म हो जाती है और शादी के फंदे के बाद मुसीबतों की शुरूआत होती है.'

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2574

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ती है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी ?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुसितारा फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरुदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक ?-२
३५. अजय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमृताराव, तारा शर्मा, जेनीलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चीची वाला छल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांदा मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
१०. 'जुबां पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संदीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक ?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ेवाली छमिया' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका ?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐरी रे ऐरी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2573

सूडोकु -2574

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2573 का हल

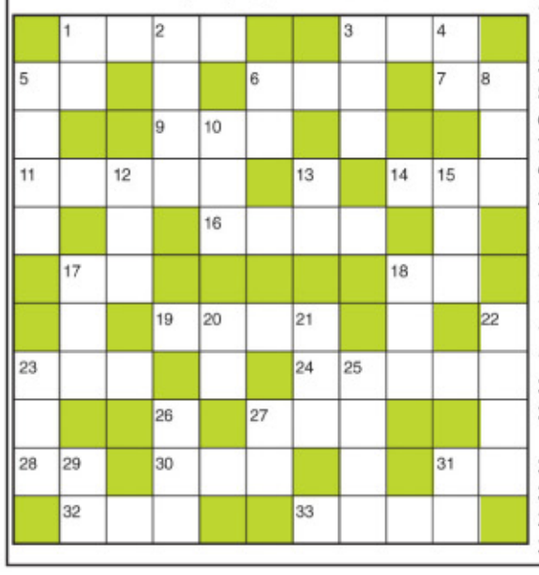

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
[illegible]	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शब्द पहेली -2574

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -2573 का हल

मुख्यधारा की पत्रकारिता आदर्शों से दूर हुयी - हरिवंश

एजेंसी

भोपाल। राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश नारायण सिंह ने आज कहा कि मुख्यधारा की पत्रकारिता आदर्शों से दूर हो गयी है।

श्री सिंह ने यहां स्वयं पर प्रकाशित पुस्तक 'हरिवंश- पत्रकारिता का लोकधर्म' के लोकार्पण समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर अनेक लेखक और पत्रकार भी मौजूद थे। उप सभापति श्री सिंह ने कहा कि पिछले तीन सौ, चार सौ वर्षों में विचार ने इतिहास बदला, लेकिन नब्बे के दशक के बाद तकनीक ने दुनिया को बदला है। अब मुख्यधारा की पत्रकारिता आदर्शों से दूर हो गयी है। किताब के संपादक कृपाशंकर चौबे ने इस अवसर पर कहा कि लेखन बहुत ही आसान कार्य है, लेकिन संपादन एक जटिल और चुनौतीपूर्ण कार्य है। श्री हरिवंश नारायण सिंह जैसे लोगों की बदौलत ही आज पत्रकारिता का लोकधर्म बचा हुआ है।

हरियाणा में चुनाव की तारीख बदली, 5 अक्टूबर को मतदान, जम्मू-कश्मीर के साथ 8 अक्टूबर को आएंगे नतीजे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख में बदलाव किया है। निर्वाचन आयोग ने हरियाणा में एक चरण में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख बदलकर 5 अक्टूबर कर दी है। इससे पहले मतदान 1 अक्टूबर को होना था। अब वहां एक अक्टूबर की जगह 5 अक्टूबर को वोटिंग होगी। वहीं जम्मू-कश्मीर में मतदान तीन चरणों में होगा, पहला चरण 18 सितंबर को, दूसरा चरण 25 सितंबर को और तीसरा और अंतिम चरण 1 अक्टूबर को होगा। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा दोनों के चुनाव परिणाम 8 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। चुनाव आयोग ने बिश्नोई समुदाय के सदियों पुराने त्योहार का हवाला देते हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना की तारीख 8 अक्टूबर कर दी है। ईसीआई ने कहा, ÷यह निर्णय बिश्नोई समुदाय के मताधिकार और परंपराओं का सम्मान करने के लिए लिया गया है, जिन्होंने अपने गुरु जम्भेश्वर की स्मृति में आसोज अमावस्या उत्सव मनाने की सदियों पुरानी प्रथा को कायम रखा है। आयोग की अधिसूचना में कहा गया है, इससे बड़ी संख्या में लोगों को मतदान के अधिकार से वंचित किया जा सकता है और इससे हरियाणा विधानसभा के आम चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी कम हो सकती है।

चिकित्सा स्वास्थ्य मंत्री ने उम्मेद अस्पताल का किया दौरा, आईसीयू में जाकर पीड़ित बच्ची से मिले

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने उम्मेद अस्पताल का दौरा किया । उन्होंने आईसीयू में 14 दिनों से भर्ती पीड़ित बच्ची से मुलाकात की और चिकित्सकों से उसके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। चिकित्सा और स्वास्थ्य मंत्री उम्मेद अस्पताल के आईसीयू में 14 दिन से भर्ती पीड़ित बालिका से मिले। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर अफजल हकीम, डॉ सुनील कोठारी, डॉ रिजवाना शाही व डॉ नीलम मीना से उसके अब तक के इलाज व स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि पीड़ित बालिका का बेहतरीन इलाज किया जाए और उसके स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाए। उसने पीड़ित बालिका के साथ रह रहे उसके सात वर्षीय भाई से भी बातचीत की। उन्होंने अस्पताल प्रशासन के अब तक के इलाज के बारे में संतोष प्रकट किया। चिकित्सा मंत्री ने सुपरिटेंडेंट डॉक्टर अफजल हकीम को निर्देश दिए की उम्मेद अस्पताल में एक अच्छा कैफेटेरिया मरीजों के परिजनों एवं अस्पताल कर्मियों के लिए शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि कैफेटेरिया में अच्छी क्वालिटी का सस्ती दर पर खाना व अन्य वस्तुएं उपलब्ध हो। अच्छी साफ सफाई वाला हो।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमृत लाल मीणा बनाए गए बिहार के नए मुख्य सचिव

पटना। वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी अमृत लाल मीणा बिहार के नए मुख्य सचिव बने हैं।सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक अमृत लाल मीणा को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से प्रांतीय संवर्ग में वापस आने के बाद मुख्य सचिव, बिहार के पद पर पदस्थापित किया जाता है। 1989 बैच के आईएएस अधिकारी शुक्रवार को ही केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस अपने प्रांतीय संवर्ग में लौटे थे। इससे पहले वह केंद्रीय कोयला विभाग में सचिव थे। अधिसूचना जारी होने के बाद मीणा ने मुख्य सचिव का पदभार भी ग्रहण कर लिया है। उसके बाद मीणा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से औपचारिक मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान निवर्तमान मुख्य सचिव दीपक मल्होत्रा और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार मौजूद रहे। मीणा केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने के पहले बिहार के कई प्रमुख पदों का दायित्व निभा चुके हैं। मीणा को वरीयता को ध्यान में रख उन्हें मुख्य सचिव बनाया गया है।

नई वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन के दौरान उत्सव का माहौल

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई- नागरकोइल नयी वंदे भारत ट्रेन के उद्घाटन के दौरान यहां उत्सव का वातावरण था। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रव ने इस अवसर समारोह में आमंत्रित कई प्रतिभावान विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

चेन्नई रेलवे स्टेशन को विभिन्न प्रकार के फूलों और रेड कार्पेट से सजाया गया और स्टेशन पर बड़ी संख्या में लोग वंदे भारत ट्रेन को रवाना होते देखने के लिए एकत्रित हुए थे। स्टेशन पर आयोजित सांस्कृतिक गीतों पर स्कूली बच्चों ने पारम्परिक परिधान पहनकर नृत्य की प्रस्तुति दी। कुछ विद्यार्थियों ने वंदे भारत ट्रेन का मॉडल बनाकर अपने हुनर का प्रदर्शन किया, जिसको देखकर लोग मुग्ध थे। नयी वंदे भारत का स्वागत करने के लिये स्थानीय सभी वर्गों के लोग उपस्थित है जिम अध्यापक व्यवसायी, छात्र-छात्राओं के साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी शामिल थे। उपस्थित लोगों ने वंदे भारत ट्रेन पर फूलों की बौछार की और भारत माता की जय के नारे लगाये। नयी वंदे भारत ट्रेन में

सफर कर रहे स्थानीय लोगों में से कुछ लोग ऐसे थे, जो पहली बार वंदे भारत ट्रेन का सफर कर रहे थे। उन लोगों ने अपना अनुभव साझा किया। चेन्नई से तिरुनेलवेली जा रहे क़ालीराजन ने कहा, मैं पहली बार किसी बंदे भारत रेलगाड़ी में बैठा हूं। घूमने के लिए तिरुनेलवेली जा रहे हैं। मुझे इस ट्रेन में सफर करते हुए बहुत अच्छा लग रहा है।उन्होंने कहा , साधारण ट्रेन से यह सफर करीब 10 घण्टों का है लेकिन अब यह यात्रा लगभग दो घंटे कम समय में पूरी हो गयी है, जो काफी सुखद है। वंदे भारत ट्रेन के किराया को लेकर हुयी बातचीत में श्री क़ालीराजन ने बताया कि साधारण ट्रेन में स्लीपर का किराया करीब 500 रुपये है जबकि वंदे भारत ट्रेन में एक व्यक्ति का 1800 रुपये है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उत्तर प्रदेश में मेरठ -लखनऊ, तमिलनाडु में चेन्नई-नागरकोइल और तमिलनाडु के मदुरै-बेंगलुरु (कर्नाटक) तक तीन नयी वंदे भारत रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

जलवायु न्याय हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए: धनखड़

एजेंसी

देहरादून। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अपने दो दिवसीय उत्तराखंड भ्रमण पर देहरादून पहुंचे। यहां उन्होंने मोहकमपुर क्षेत्र स्थित भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) के छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की चुनौती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु के प्रति न्याय हमारा मार्गदर्शक सिद्वांत होना चाहिए।

श्री धनखड़ ने इस बात पर अफसोस व्यक्त किया कि हमारे लोकतंत्र और राष्ट्रवाद की भावना को चुनौती देने वाले लोग वे हैं, जो कभी सत्ता में थे या महत्वपूर्ण पदों पर थे। उप राष्ट्रपति ने कहा कि संकीर्ण पार्टीगत हितों की पूर्ति के लिए वे देश विरोधी नेरेटिव फैला रहे हैं और हमारे महान लोकतंत्र की तुलना पड़ोसी देशों की प्रणालियों से कर रहे हैं। युवाओं को चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग हमें भटकाने की पूरी कोशिश करते हैं। अपने वास्तविक इरादों को छिपाते हुए वे देश की अभूतपूर्व वृद्धि को नजरअंदाज करते

हैं। देश की आर्थिक उन्नति और वैश्विक मंच पर इसकी शानदार वृद्धि को नजर अंदाज करते हैं। उन्होंने भारत के स्थिर लोकतंत्र और पड़ोसी देशों की प्रणालियों की तुलना किए जाने की आलोचना की। उन्होंने सवाल किया,÷क्या हम कभी तुलना कर सकते हैं?÷ उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इन नेरेटिव्स का विरोध करें। उन्हें बेअसर करें और इन हानिकारक तुलनाओं को उजागर करें। श्री धनखड़ ने कहा कि भारत, जो सबसे बड़ा और सबसे जीवंत लोकतंत्र है, और प्रधानमंत्री जो लगातार तीसरी बार कार्यरत हैं, को ऐसी अवमाननाओं का सामना नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा,÷ऐसा विचार किसी भी व्यक्ति के मन में कैसे उत्पन्न हो सकता है जो इस राष्ट्र, राष्ट्रवाद और लोकतंत्र में विश्वास करता है?÷ उन्होंने ऐसे नेरेटिव्ज को 'दुष्ट' और 'शब्दों से परे' करार दिया।

उपराष्ट्रपति ने जलवायु न्याय की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा,÷जलवायु परिवर्तन विशेष रूप से कमजोर वर्गों को प्रभावित करता है और इसलिए जलवायु न्याय हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए।÷ उन्होंने कहा, ÷हमारी प्राचीन भावना और सभ्यता की आत्मा को प्रतिबिंबित करते हुए, भारत ने केवल घरेलू शासन में स्थिरता को शामिल नहीं किया है बल्कि वैश्विक प्रतिबद्धताओं को भी मार्गदर्शन किया है क्योंकि हम स्वयं को दुनिया से अलग नहीं मानते। हम कहते हैं कि दुनिया एक परिवार है - वसुधैव कुटुम्बकम।'

प्रधानमंत्री की पहल के तहत पूर्वोत्तर तेजी से बढ़ रहा है: वर्मा

एजेंसी

ईटानगर । केंद्रीय इस्पात और उद्योग राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास पहल के तहत, उत्तर पूर्व तेजी से बढ़ रहा है और उन्होंने कहा कि रणनीतिक रूप से स्थित अरुणाचल प्रदेश रक्षा की दृष्टि से अधिक महत्वपूर्ण है। इस दृष्टि से कि भारत सरकार अपने

आर्थिक विकास के लिए सभी प्रकार की सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय मंत्री, जो इस सीमांत राज्य के दो दिवसीय आधिकारिक दौरे पर है। उन्होंने शुक्रवार को सभी मुख्य कार्यालयों के साथ चल रही सभी केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा के लिए ऊपरी सियांग जिले के तूतिंग में एक समीक्षा बैठक में भाग लेने के दौरान यह बात कही। इससे पहले, मंत्री ने सिविल टर्मिनल, लाडुम सस्पेंशन ब्रिज और तूतिंग मठ के चल रहे निर्माण कार्यों का दौरा किया। उन्होंने ऊपरी सियांग के लोगों के सौहार्दपूर्ण रहने और पर्यटन विकास की संभावनाओं की सराहना की।

जम्मू-कश्मीर : सेना के अधिकारियों ने की चिनाब क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर की चिनाब घाटी में विधानसभा चुनाव से पहले सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण में जम्मू संभाग के डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों के विधानसभा क्षेत्रों में 18 सितंबर को मतदान होना है।

नगरोटा (जम्मू) स्थित व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा ने भी कड़ी सतर्कता और हवाई निगरानी के बीच शुक्रवार को उधमपुर जिले के डुडु-बसंतगढ़ से शुरू हुई तीन दिवसीय वार्षिक कैलाश कुंड यात्रा का मूल्यांकन किया। व्हाइट नाइट कॉर्प्स ने अपने आधिकारिक एक्स-पोस्ट पेज पर कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सचदेवा ने जीओसी, आतंकवाद विरोधी डेल्टा फोर्स के साथ डोडा-किश्तवाड़ के सुइगढ़ और पटनाजी सेक्टरों में परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। सेना ने कहा कि यात्रा के दौरान, उन्होंने (लेफ्टिनेंट जनरल सचदेवा) ऑपरेशन के दौरान

प्रदर्शित दृढ़ता और पेशेवर आचरण के लिए सैनिकों की सराहना की।

सेना ने कहा, जीओसी ने कैलाश कुंड यात्रा का भी आकलन किया। सुरक्षा बल कड़ी निगरानी रख रहे हैं और निगरानी के लिए हवाई प्लेटफार्मों का उपयोग किया जा रहा है।चिनाब घाटी क्षेत्र के डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों में फैले आठ विधानसभा क्षेत्रों के साथ-साथ दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां और कुलगाम जिलों की 16 सीटों पर 18 सितंबर को पहले चरण में मतदान होगा।

जम्मू संभाग के पहाड़ी जिलों पुंछ, राजौरी, डोडा, कठुआ, रियासी और उधमपुर में दो महीनों के दौरान सेना, सुरक्षाबलों और नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी हमले हुए हैं।

पुलिस का काम किसी को सजा देना या माफ करना नहीं - अनुराधा

एजेंसी

भोपाल। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की सेवानिवृत अधिकारी अनुराधा शंकर ने आज कहा कि पुलिस का कार्य किसी को सजा देना या माफ करना नहीं, बल्कि संबंधित अपराध या घटना की जांच कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करना है। पुलिस सेवा के दौरान अनेक महत्वपूर्ण दायित्व निभा चुकीं श्रीमती अनुराधा शंकर ने शाम को यहां लेखक स्वाति तिवारी की पुस्तक 'सुपरचार्ज योर डेस्टिनी' के विमोचन और पुस्तक पर चर्चा के दौरान अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने कहा कि किसी घटना या अपराध के दोषी के बारे में तय करना अदालत का काम है। पुलिस का कार्य अपराध की जांच करना और सबूत के आधार पर आगे बढ़ना है। किसी को सजा देना या माफ करने का कार्य अदालत का है।

मनोविज्ञान से जुड़े विषयों पर केंद्रित इस पुस्तक के संदर्भ में श्रीमती शंकर ने कहा कि व्यक्तिवाद के इस दौर में सहयोगवाद ही समाज को सही रास्ता दिखा सकता है। प्रतियोगता के भाव ने समाज का नुक़सान ही किया है। उन्होंने इस

पुस्तक का हिंदी संस्करण लाने पर भी जोर दिया। प्रकाशक 'हे हाउस' और 'क्लब लिटरेटी' के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में लेखिका स्वाति तिवारी ने किताब के बारे में बताया और इससे जुड़े सवालों के जवाब दिए। श्रीमती तिवारी ने इस किताब के जरिए उन ÷40 अव्यक्त शक्तियों÷, जिन्हें 'सुपरपावर% कहा जाता है, के संबंध में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह उनकी पहली पुस्तक है। इसमें आत्म-सुधार और व्यक्तिगत विकास में अपनी भीतरी शक्तियों को पहचानने की क्षमता विकसित करने के बारे में बताया गया है।

इस अवसर पर भोपाल के एक निजी प्रतिष्ठित कॉलेज के प्रोफेसर विनय मिश्रा ने कहा कि यह पुस्तक कई मायनों में अच्छा इंसान बनने में मदद करती है। हमें महत्वपूर्ण बातों के निर्धारण के पहले यह भी तय करना चाहिए कि क्या महत्वपूर्ण नहीं है। यह पुस्तक कई तरह से एक 'थैरेपी' का भी काम करती है। प्रो मिश्रा ने अपने अंटार्कटिका मिशन के बारे में चर्चा की और बताया कि हमें सभी तरह के लोगों और प्राणियों का सम्मान करना चाहिए। सह-अस्तित्व की भावना ही प्रेम को मजबूत करता है। कार्यक्रम की सूत्रधार ममता तिवारी ने पुस्तक के विषय में कहा कि इस तरह की किताबें उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी हैं, जो निरंतर अपने भीतर झांककर अपने व्यक्तित्व में सुधार करना चाहते हैं। क्लब लिटरेटी की प्रमुख डॉ सीमा रायजादा ने संस्था के 12 वर्ष पूरे होने की जानकारी दी और कार्यक्रम के वक्ताओं का औपचारिक परिचय कराया।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर देश के सभी मुसलमान जेपीसी को बताएं राय - मोहम्मद फजलुर रहीम

एजेंसी

बंगलुरू । कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया से कई मुस्लिम संगठन के सदस्यों ने मुलाकात की। इस दौरान वक्फ बोर्ड संशोधन बिल 2024 को लेकर चर्चा हुई। इंडियन मुस्लिम पर्सनल बोर्ड के महासचिव मोहम्मद फजलुर रहीम ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ मुलाकात अच्छी रही है। उन्होंने कहा कि? ऑल इंडिया मुस्लिम लॉ बोर्ड देश के सभी मुसलमानों से अपील करता है कि वे इस बिल के संबंध में अपने सुझाव जेपीसी को जरूर बताएं। मोहम्मद फजलुर रहीम ने कहा कि जिस तरह से उनकी पार्टी ने सदन में वक्फ संशोधन बिल 2024 के खिलाफ आवाज उठाई। जिसके बाद बिल को चर्चा के लिए जेपीसी में भेजा गया, उसके लि?ए हमने सीएम सिद्धारमैया को धन्यवाद दि?या। हमने उन्हें बिल कई खामियां भी बताई। उनसे अनुरोध किया है कि जेपीसी के सामने यह जाना चाहिए। जेपीसी ने अभी दो दिन पहले सभी से सुझाव मांगे हैं। बता दें कि जेपीसी ने बिल पर अपना पक्ष रखने के लिए कई

मुस्लिम संगठनों को आमंत्रित किया था। इसमें ऑल इंडिया सुन्नी जमीयत-ए-उलेमा- मुंबई, इंडियन मुस्लिम्स फॉर सिविल राइट्स -नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और राजस्थान मुस्लिम वक्फ बोर्ड के प्रतिनिधि शामिल थे। लोक सभा सचिवालय की तरफ से विज्ञापन जारी कर यह बताया गया है कि, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को लेकर कोई भी व्यक्ति या संस्था डाक, फैक्स और ईमेल के माध्यम से अपने सुझाव जेपीसी को भेज सकती है।इसमें कहा गया है कि, समिति को लिखित ज्ञापन या सुझाव देने के इच्छुक लोग अंग्रेजी या हिंदी में दो प्रतियां संयुक्त सचिव (जेएम), लोकसभा सचिवालय, कमरा नंबर 440, पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी, नई दिल्ली-110001, पर भेज सकते हैं। इस विज्ञापन के प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों के भीतर सुझाव भेजे जा सकते हैं। 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024' की कॉपी लोकसभा की वेबसाइट पर हिंदी और अंग्रेजी में अपलोड है। समिति को सौंपे गए ज्ञापन या सुझाव समिति के रिकॉर्ड का हिस्सा होंगे और उन्हें 'गोपनीय' माना जाएगा। ये समिति के विशेषाधिकारों से भी जुड़े माने जाएंगे।

ममता बनर्जी महिला के नाम पर धब्बा हैं, भाजपा नेता दीप्ति रावत भारद्वाज ने साधा निशाना

एजेंसी

कोलकाता । भाजपा नेता दीप्ति रावत भारद्वाज ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को महिला होने के नाम पर धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड बताकर इस आंदोलन पर सवाल खड़े किए हैं, उससे उनकी घटिया मानसिकता जाहिर होती है।

उन्होंने मुख्यमंत्री ममता से अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा, वह आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में शामिल अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रही हैं। इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। यही नहीं, मुख्यमंत्री ने इस घटना से संबंधित सबूतों को भी नष्ट करने का प्रयास किया है। वह इस मामले में कहीं पर भी सहयोग नहीं कर रही हैं। मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भाजपा इस्तीफे की मांग कर चुकी हैं। ममता लगातार यह दावा कर रही हैं कि इस

मामले में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उधर, भाजपा का आरोप है कि ममता आरोपी को बचाकर आंदोलन को दबाना चाहती हैं। बीते दिनों पीड़िता के पिता ने भी आशंका जाहिर की थी कि अगर यह आंदोलन समाप्त हुआ, तो उनकी बेटी को इंसाफ नहीं मिल पाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि मुख्यमंत्री लगातार आंदोलनकारी डॉक्टरों को दबाने की कोशिश कर रही हैं, ताकि कार्रवाई आगे ना बढ़ सके। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर महिला सुरक्षा के संबंध में कानून बनाकर उसे लागू करने की मांग की थी। इसी पर भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने निशाना साधते हुए कहा कि उनके लिए यह बेहतर रहेगा कि वो चिट्ठी पत्री, प्रोटेस्ट और धरने को छोड़कर इस मामले में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर महिलाओं को सुरक्षित माहौल दिलाएं।

गौरतलब है कि बीते दिनों बंगाल स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा पर एक बार फिर से देश में सवाल उठे। सभी डॉक्टरों ने सड़कों पर आकर महिलाओं को सुरक्षित माहौल प्रदान करने की दिशा मे कड़े कदम उठाने की मांग की थी। वहीं दूसरी तरफ इस वीभत्स घटना में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की थी।

ममता बनर्जी महिला के नाम पर धब्बा हैं, भाजपा नेता दीप्ति रावत भारद्वाज ने साधा निशाना श्रीनगर, 31 अगस्त (आईएएनएस)। भाजपा नेता दीप्ति रावत भारद्वाज ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को महिला होने के नाम पर धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से उन्होंने प्रदर्शनकारी डॉक्टरों को बॉयफ्रेंड और गर्लफ्रेंड बताकर इस आंदोलन पर सवाल खड़े किए हैं, उससे उनकी घटिया मानसिकता जाहिर होती है। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता से अपने पद से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा, ÷वह आरजी कर मेडिकल कॉलेज मामले में शामिल अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रही हैं।

अजमेर में आदिनाथ कैंसर मेडिसिटी का शुभारम्भ

जयपुर। अजमेर के पास चाचियावास में आदिनाथ कैंसर मेडिसिटी यूनिट ऑफ बी.आर. शास्त्री सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर जिले में जहां कीमोथेरेपी व रेडियो थेरेपी की उचित सुविधा उपलब्ध नहीं थी, वहां बी आर शास्त्री हॉस्पिटल कैंसर जैसी लाइलाज बीमारी के उपचार हेतु एकीकृत केन्द्र प्रारम्भ करने जा रहा है। यह हॉस्पिटल विगत 2 वर्षो से अजमेर में, विशेष कर ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र में उपचार उपलब्ध करवा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व भर में कैंसर मृत्यु का दूसरा प्रमुख कारण है। आज भारत विश्व की कैंसर राजधानी बन चुका है। एक एशियाई जनरल में प्रकाशित आलेख के अनुसार भारत में 12 लाख से अधिक मामले व 9 लाख के लगभग मौत कैंसर से हो जाती है। राजस्थान भारत में कैंसर रोग के मामले में सातवें स्थान पर आता है जो कि एक चिन्ता का विषय है।

असम विधानसभा में जुमे की नमाज पर आए फैसले का विरोध करने वालों की भाजपा प्रवक्ता ने की आलोचना

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय आलोक ने आईएएनएस से खास बातचीत के दौरान असम विधानसभा में जुमे के दिन नमाज के लिए दो घंटे के ब्रेक को खत्म करने के फैसले का समर्थन किया।

भारतीय जनता पार्टी शासित असम के विधानसभा में हर शुक्रवार नमाज पढ़ने के लिए दो घंटे की छुट्टी को रद्द करने के फैसले पर पार्टी प्रवक्ता अजय आलोक ने असम विधानसभा अध्यक्ष के इस फैसले की सराहना की है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर हल्ला मचाने वाले लोग बताएं कि संविधान के किस अनुच्छेद में ये लिखा है कि जुमे की नमाज के लिए दो घंटे की छुट्टी होनी चाहिए। ये एक कोलोनियल फैसला था, जिसको हटाया गया। लेकिन अगर विपक्ष का मन है कि जुमे की दिन नमाज के लिए दो दिन की छुट्टी मिलनी चाहिए तो कांग्रेस पार्टी के नौ एमपी, टीएमसी के पांच एमपी और सपा के चार एमपी मुसलमान हैं, वो सदन में बिल लाकर इसको संविधान में डाल दें।उन्होंने विपक्षी पार्टियों पर तंज कसते हुए कहा कि अगर प्लेन का पायलट भी धर्म

विशेष से है, तो वो भी जुमे के दिन प्लेन को जमीन पर उतारकर नमाज पढ़ लेगा। अगर ये लोग यही चाहते हैं, तो ऐसे ही देश चलेगा। बिहार के नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा था कि हिमंत बिस्वा सरमा योगी आदित्यनाथ के चाइनीज वर्जन हैं, इस पर भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इसका मतलब वो योगी को भारतीय वर्जन मानते हैं, उनकी बुद्धि इतनी है। कोलकाता के आरजी कर प्रकरण को लेकर बंगाल सीएम ममता बनर्जी द्वारा केंद्र को लिखे गए पत्र पर भाजपा नेता ने कहा कि उनका नाम ममता नहीं, बल्कि क्रूरता है। उनको इस पत्राचार को बंगाल की जनता के साथ सदाचार में बदल देना चाहिए। ममता जिस क्रूरता के साथ बंगाल की जनता से पेश आ रही हैं, उससे वहां पर त्राहिमाम मचा हुआ है। प्रदेश में रोज रेप की घटनाएं हो रही हैं और मुख्यमंत्री सोयी हुई हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत की आगामी फिल्म इमरजेंसी का विरोध करने को लेकर उन्होंने कहा कि इसके लिए उनको हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट और सेंसर बोर्ड का रुख करना चाहिए।

टॉप फूड कम्बीनेशन्स रखेंगे आपको स्वस्थ

यहां हम आपको ऐसे फूड कम्बीनेशन्स के बारे में बता रहे हैं जो आपको स्वस्थ रखने में सहायक होंगें।

कम्बीनेशन - एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल तथा टमाटर
इससे आपको मिलती है - रोगों से बढ़िया सुरक्षा
टमाटरों में चार मुख्य कैरोटीनोएड्स यानी अल्फा कैरोटीन, बीटा कैरोटीन, ल्यूटीन तथा लाइकोपीन के साथ-साथ तीन मुख्य एंटीऑक्सीडैंट्स यानी बीटा कैरोटीन, विटामिन ई तथा विटामिन सी पाए जाते हैं जो आपकी कैंसर तथा हृदय रोग से लडने में सहायता करते हैं। यह रक्षात्मक कैमिकल्स एक्सट्रा वर्जिन ऑयल के साथ लिए जाएं तो बढ़िया हैं। एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल में स्वास्थ्यवर्धक मोनोसैचुरेटिड फैट्स मौजूद होती हैं।
सेवन - टमाटर का छिलका न उतारें क्योंकि इसमें फाइटो कैमिकल्स होते हैं। एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल बहुत कम प्रसंस्कृत रूप होता है। इसलिए इसमें बहुत ही लाभदायक यौगिक मौजूद होते हैं। इसे ताप तथा रोशनी से दूर स्टोर करें।
कम्बीनेशन - हरी फूल गोभी तथा टमाटर
इससे आपको मिलती है - कैंसर से सुरक्षा।
हरी फूलगोभी तथा टमाटर में कैंसर से लडने वाले गुण मौजूद होते हैं परन्तु एक अध्ययन से पता चला है कि दोनों का कम्बीनेशन कैंसर से लडने में दोगुणा प्रभाव डालता है। विज्ञानियों ने शोध में पाया कि एक ही वक्त पर टमाटर तथा हरी फूल गोभी का सेवन करने से कैंसर युक्त प्रोस्टेट ट्यूमर्स के विकास की गति बहुत धीमी हो जाती है।
सेवन - डेढ़ कप हरी फूल गोभी का अढ़ाई कप ताजे टमाटरों के साथ पिकका या स्पाघेटी के साथ सेवन करें।
कम्बीनेशन - ग्रीन टी तथा नींबू
इससे आपको मिलता है - एक स्वस्थ हृदय।
ग्रीन टी शक्तिशाली एंटी ऑक्सीडैंट्स कैटेचिन्स का भरपूर स्रोत है जो हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने के लिए जाना जाता है। फिर भी अध्ययनों के अनुसार इन यौगिकों को सिर्फ 20 प्रतिशत ही मानवीय शरीर द्वारा जज्ब किया जाता है। ग्रीन टी में नींबू का रस मिलाने से पता चला है कि कैटेचिन्स का स्तर 80 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।
सेवन - ग्रीन टी तैयार करने के बाद इसमें एक पूरे नींबू का रस निचोड़ें और पीएं।
कम्बीनेशन- जौ का दलिया तथा स्ट्राबेरीका
इससे आपको मिलता है - एक स्वस्थ हृदय।
जौ में दो महत्वपूर्ण फाइटो कैमिकल्स ऐवेनैंथ्रामाइड्स तथा फिनोलिक एसिड्स पाए जाते हैं जो विटामिन सी के साथ मिलकर बुरे कोलैस्ट्रॉल के हानिकारक प्रभावों को कम करते हैं और प्लाक के निर्माण को रोक कर हृदयाघात से आपकी रक्षा करते हैं।
सेवन - सुबह के समय एक कटोरी जौ के दलिए के साथ आधा कप कटी हुई स्ट्रॉबेरीका का सेवन करें।
कम्बीनेशन - दालचीनी तथा होलग्रेन टोस्ट
इससे आपको मिलता है - अतिरिक्त ऊर्जा तथा तेजी से वजन कम होना।
टोस्ट पर दालचीनी छिड़कने से ब्लड शूगर एक स्वस्थ स्तर तक रह सकती है जिससे आपकी ऊर्जा में आने वाली कमी रुकती है और साथ ही आपकी भूख का स्तर भी बाधित होता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रीशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार दालचीनी भोजन के बाद पेट के खाली होने की दर को धीमा करती है और साथ ही ब्लड शूगर के स्तर को भी कम करती है।
ऐसे करें सेवन - होलग्रेन ब्रैड, ट्रांस फ्री मारग्रीन तथा एक चम्मच दालचीनी का सेवन करें।
कम्बीनेशन - लहसुन तथा प्याज
इससे आपको मिलती है - पूरे शरीर की सुरक्षा।
इन दोनों सब्जियों में बहुत सारे ऑर्गैनोसल्फर यौगिक तथा हृदय को स्वस्थ रखने वाले प्लांट कैमिकल्स पाए जाते हैं जो आपकी धमनियों को प्लाक से मुक्त रखते हैं। इन यौगिकों में से कुछ में शरीर में से कारसिनोजैन्स को डिटॉक्सीफाई करने की ताकत पाई गई है।
सेवन - अधिकतर भारतीय रसोइयों में लहसुन तथा प्याज का कम्बीनेशन आम देखने को मिलता है। फिर भी यदि आपका मूड कुछ और खाने का हो तो लहसुन तथा प्याज के कम्बीनेशन का सेवन सूप तथा सॉस के माध्यम से भी किया जा सकता है।
कम्बीनेशन - ग्रीन टी तथा काली मिर्च
इससे आपको मिलती है - अत्यधिक पतली कमर।
क्रैश डाइटिंग को भूल जाएं। अपने अगले भोजन में एक कप ग्रीन टी में थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर पीएं। इस कम्बीनेशन से ई.जी.सी.जी. नामक एंटीऑक्सीडैंट की खपत में बढ़ौतरी होती है। यह एंटीआक्सीडैंट ग्रीन टी में कैलोरी बर्निंग के लिए जाना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रीन टी में मौजूद यौगिक हार्मोन्स को प्रभावित कर सकते हैं जो भूख तथा संतुष्टि को नियंत्रित करते हैं।
सेवन - अध्ययनों से पता चला है कि आधा छोटा चम्मच काली मिर्च से ग्रीन टी के लाभदायक यौगिकों की खपत में बढ़ौतरी हो सकती है।

जब आपके घर हो किटी पार्टी

एक दिन पहले ही योजना बना लें

सारे काम समय पर और सही ढंग से हों, इसके लिए आपको एक दिन पहले ही योजनानुसार सारी सामग्री एकत्रित कर लेनी चाहिए और घर की साज-सजावट के अलावा पार्टी में खिलाने वाले गेम्स भी तैयार कर लें ताकि पार्टी वाले दिन इन छोटे-मोटे कामों को करने में समय बर्बाद ना हो।

ड्रेस तैयार करें

ऐसा ना हो कि पार्टी की तैयारी करते हुए आप अपनी ड्रेस के बारे में सोचना ही भूल जाएं। दूसरी महिलाओं के आगे आपकी चमक फीकी ना पड़ जाए। ऐसे में आप थीम के हिसाब से किटी के एक दिन पहले ही पहनने वाली ड्रेस तैयार कर लें।

खाने-पीने की चीजें पहले से बना कर रख लें

किटी पार्टी शुरू होने के बाद आप कम से कम समय किचन में बिताएं, इसके लिए जरूरी है कि पार्टी के लिए तैयार किए गए व्यजंनों को ऐसे बर्तनों में पहले से रख लें, जिसे माइक्रोवेव में गर्म किया जा सके।

गेम्स का भी हो मजा

किटी पार्टी में तंबोला के अलावा पेपर फोल्डिंग गेम्स के साथ-साथ हिंदी फिल्मी गानों पर गेम तैयार किए जा सकते हैं।

ऐसे हों आप तैयार

केले को अच्छे से मसलकर उसे 10 से 15 मिनट के लिए फ्रीजर में रख दें, इसके अलावा आलू काटते समय आलू के रस को अपने हाथों पर रगड़ लें। 15 मिनट बाद फ्रीजर में रखे हुए केले के पैक को पूरे चेहरे और गर्दन पर 10 मिनट के लिए लगा लें। 10 मिनट बाद चेहरे पर लगे पैक को ठंडे पानी से धो लें। किचन में खाना बनाते समय महिलाओं के हाथ पूरी तरह चिकनाई और हल्दी वाले हो जाते हैं। आलू का रस लगा लें। इससे हाथों की चिकनाई हटाने में मदद मिलती है।
सर्दी के मौसम में ब्लैक लेगिंग के साथ किसी भी गहरे रंग का लंबा स्वेटर और साथ में स्टोल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इन दिनों चेहरे पर हल्का मेकअप ही अच्छा लगता है। सीनियर ब्यूटीशियन मोनिका का कहना है कि 10 मिनट चेहरे पर लगाया गया केले का पैक डेड स्किन हटाने का काम करता है। पार्टी शुरू होने से पहले चेहरे पर माइस्चराइजर में हल्का फाउंडेशन मिलाकर पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाएं । हल्का आईलाइनर का इस्तेमाल करते हुए हल्की रंग की लिपिस्टक लगाएं। नाखूनों पर भी हल्के रंग की नेल पॉलिश का इस्तेमाल करें।

पति का काम नहीं करेगा परेशान

रन्नेश अपने करियर में ऊंचाइयों को महसूस करना चाहता है। उसकी पत्नी रुचि का भी यही हाल है, दोनों करियर को बहुत ज्यादा तवज्जो देते हैं। पर दोनों में एक बड़ा अंतर है। दरअसल रुचि काम ऑफिस तक सीमित रखती है, जबकि रन्नेश वर्कोहोलिक की श्रेणी में आते हैं। मतलब सिर्फ काम और काम। वह घर पर हों या ऑफिस में, बात सिर्फ काम की ही करते हैं। न पत्नी के लिए समय और न घर के दूसरे कामों के लिए। कुछ समय पहले इसकी वजह से रुचि खुद को इग्नोर महसूस करने लगी थी। उसको लगने लगा था कि बस, नाम के लिए हम लोग दोस्त और फिर पति-पत्नी बने। अक्सर झगड़े भी होने लगे। पर फिर रुचि ने खुश रहने के कुछ तरीके तलाशे। उसने महसूस किया कि गुस्सा दिखाने की बजाय पति को सपोर्ट करना शायद ज्यादा बेहतर होगा। हो सकता है रुचि का दर्द ही आपका दर्द भी हो। तो आइए जानते हैं उसने आगे और क्या-क्या हल निकाले जो आपके भी काम आ सकते हैं।

जानती हैं उनके काम का नेचर?

इस सवाल का जवाब अगर ना है तो जरा इसे हां में बदलने के बारे में सोचिए। जानिए, आखिर आपके पति के काम का नेचर है कैसा, जो उनको इतना व्यस्त रखता है। कहीं उन्हें ऑफिस में कोई दिक्कत तो नहीं है, कहीं उन पर ही ज्यादातर काम की जिम्मेदारी तो नही है। हो सकता है, ऑफिस में सबसे जानकार आपके पति ही हों और इसीलिए उन पर ही सारे काम का बोझ हो। हां, यह सबकुछ जानने के बाद एक काम और करना होगा। उनके सारे काम में लगने वाले समय को जरूर जोडिए। जानिए, इन कामों में आमतौर पर समय कितना लगता है क्योंकि हो सकता है पतिदेव उसी काम में समय ज्यादा लगाते हों। यह सब जानकर या तो आप समझ जाएंगी कि पति सही कारण से ही इतना व्यस्त रहते हैं या फिर आपको उनकी कमियां पता चलेंगी, जिन्हें सुधारने में आप उनकी मदद कर सकती हैं।

घर हो एक आरामदायक जगह

पति घर आएं तो आपके चेहरे पर गुस्से के चलते बारह बजे हों और घर भी अस्त-व्यस्त हो, तो स्थितियां सुधरेंगी नहीं, बल्कि और बिगड़ जाएंगी। ऐसे में जरूरी है कि आप घर का माहौल अच्छा रखें, ताकि जब पति काम की टेंशन से लौटें तो रिलैक्स महसूस कर सकें। खुद अच्छे से तैयार रहें और पति के खानपान और फिटनेस का ध्यान रखें।

आप संतुष्ट हैं?

हो सकता है साथ घूमने जाती सहेलियों को देखकर आपको महसूस होता हो कि 'अरे, बस मैं ही अकेली हूं।' पर जरा भावनाओं पर काबू कीजिए। सबकी जिंदगियां एक सी नहीं हो सकती हैं, सबकी अलग जिम्मेदारी और परिस्थितियां होती हैं और उन्हीं के हिसाब से लोग जिंदगी जीते हैं। इसलिए अकेलेपन वाली भावनाओं को मन में ही रखिए और पति को यह महसूस करवाइए कि आप हमेशा उनके साथ हैं। जब वो फुरसत में होंगे तो जरूर आपके अकेलेपन को महसूस करेंगे और सुधार की पूरी कोशिश करेंगे।

सुझाव तो दे सकती हैं

वो आपके जीवनसाथी हैं, आपने हर मुश्किल में साथ देने का वादा किया है तो उस वादे को निभाइए। वर्कोहोलिक होना उनकी आदत बन गई है, पर इससे वे शरीर और दिमाग दोनों से थक जाते हैं। यह वह समय है जब आपको अपने हिस्से का सपोर्ट दिखाना है। बैठकर पति से बात कीजिए, उनके मन की बातें जानिए, कोई दिक्कत है तो उन्हें सुझाव भी दीजिए।

खुश रहिए और खुश रखिए

जी हां, आप दोनों जितना भी वक्त साथ बिताते हैं उसे खास बनाइए। अपनी तरफ से तो आप इसकी कोशिश कर ही सकती हैं। दो घंटे मिलते हैं तो उसमें भी हंसी-मजाक की बातें, खुश करने के तरीके इन सबको आजमाइए। उन्हें बताइए कि हम दोनों जब साथ होते हैं तो खुश होते हैं। हम दोनों का साथ कितना कीमती और खास है। अपेक्षाओं को खत्म न सही पर कम तो करना ही होगा।

पति के पास काम के अलावा कोई काम नहीं है। उन्हें वर्कोहोलिक का तमगा मिला हुआ। पर यह तमगा आपको पसंद नहीं। हमेशा अकेली-अकेली रह रहकर आप थक चुकी हैं। कुछ पल जो साथ बिताते हैं, उनमें भी झगड़े होते हैं तो जरा इन पलों की कीमत समझिए और पति की मदद कीजिए। उन्हें समझिए और खुश रहिए।

जम्मू और कश्मीर के पहले शतरंज इंटरनेशनल मास्टर बने सोहम कामोत्रा

एजेंसी

आबू धाबी। फीडे मास्टर सोहम कामोत्रा ने इतिहास रचते हुए जम्मू और कश्मीर के पहले इंटरनेशनल मास्टर का खिताब हासिल कर लिया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि उन्होने 30वें अबू धाबी मास्टर्स के छठे राउंड में अफ्रीका के नंबर 1 ग्रैंडमास्टर मिश्र के बासेम अमीन के साथ ड्रॉ खेलकर हासिल की। इस ड्रॉ के साथ ही सोहम ने लाइव रेटिंग में 2400 का आंकड़ा पार कर लिया। शतरंज में इंटरनेशनल मास्टर बनने के लिए 3 नार्म भी हासिल करने होते है । सोहम को पहला नॉर्म 2022 में यूएई में आयोजित 22वें अबू धाबी मास्टर्स में प्राप्त हुआ था। लगभग नौ महीने बाद, उन्होंने दूसरा आईएम-नॉर्म हनोई जीएम राउंड रॉबिन 2023 में वियतनाम में हासिल किया। इसके आठ महीने बाद, उन्होंने अंतिम नॉर्म प्रथम सोआ इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2024 में प्राप्त किया। जिस अतरह से सोहम नें पिछले एक साल में शतरंज खेली है वह जम्मू और कश्मीर से पहले ग्रैंडमास्टर बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मैं इस खिताब के लिए बहुत मेहनत कर रहा था। एक समय पर मुझे लगा कि मैं बहुत पीछे रह गया हूं, लेकिन आखिरकार यह हुआ और वहीं हुआ जहां से यह यात्रा शुरू हुई थी। यह वाकई में बेहद खूबसूरत है। सोहम कामोत्रा, उन्होने कहा की । हम घर पर शतरंज खेला करते थे, लेकिन हमें इसके नियमों की जानकारी नहीं थी। फिर एक दिन हमारे स्कूल के एक शिक्षक आए और उन्होंने बताया कि एक राज्य स्तरीय टूर्नामेंट हो रहा है। उसी दिन मैंने औपचारिक रूप से शतरंज से परिचय प्राप्त किया। सोहम ने अपने शतरंज सफर की शुरुआत के बारे में बताया। उनके पहले कोच विवेक भारती और सुमित ग्रोवर थे।

विम्बलडन चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क। विम्बलडन चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा अमेरिकी ओपन के दूसरे दौर में एलेना गैब्रियेला रूसे से 4.6, 5.7 से हारकर बाहर हो गई। आठवीं वरीयता प्राप्त क्रेसिकोवा ने पेरिस ओलंपिक के बाद कोई मैच नहीं खेला था। रूसे का सामना अब 26वीं वरीयता प्राप्त पाउला बाडोसा से होगा जिन्होंने अमेरिका की टेलर टाउनसेंड को 6.3, 7.5 से मात दी। किसी महिला खिलाड़ी ने 2012 में सेरेना विलियम्स के बाद एक ही साल में विम्बलडन और अमेरिकी ओपन खिताब नहीं जीते हैं। पुरूष वर्ग में फ्रांसिस टियाफो ने 32 डिग्री सेल्सियस तापमान के बीच अलेक्जेंडर शेवचेंको के खिलाफ पहले दो सेट जीत लिए लेकिन तीसरे सेट के पहले गेम में शेवचेंको ने कोर्ट छोड़ दिया। वहीं 13वीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन ने रॉबर्टो बतिस्ता एगुट को 6.3, 6.4, 6.4 से हराया। अब उनका सामना टियाफो से होगा जिन्हें पिछले साल उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हराया था। अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने मातेओ बेरेतिनी को 6.3, 7.6, 6.1 से मात दी जबकि ब्रेंडन नाकाशिमा ने आर्थर काजाक्स को हराया और अब उनका सामना 18वीं वरीयता प्राप्त लोजेंजो मुसेत्ती से होगा। जिरि लेहेका ने मिचेल क्रूगर को 6.7, 0.6, 6.4, 6.4, 7.5 से हराया। अब उनका सामना छठी वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव से होगा जिन्होंने आर्थर रिंडरनेश को 4.6, 5.7, 6.1, 6.2, 6.2 से हराया।

हार्ट प्रॉब्लम की वजह से लगा बैन, अब देश के सबसे महंगे फुटबॉलर बने

नई दिल्ली। अनवर अली को हाल ही में ईस्ट बंगाल ने इंडियन फुटबॉल लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन के लिए 4.80 करोड़ रु. में साइन किया है और इसी के साथ ही वह देश के सबसे महंगे फुटबॉलर बन गए है। इससे पहले वह मोहन बागान का हिस्सा थे, जहां उनका पैकेज 2.40 करोड़ का था। जालंधर के आदमपुर के रहने वाले अनवर अली के लिए यह सफर आसान नहीं था। रेलवे क्रॉस्टिंग के पास शेड में परिवार रहता था। पिता मजदूरी करने सऊदी अरब चले गए थे, मां दूसरे के खेतों में काम करती थी। फुटबॉल ने गुरबत कुछ दूर की, अली का नाम बेहतरीन सेंटर बबैक्स में होने लगा तो एक मेडिकल कंडीशन ने रास्ते रोक दिए। 19 साल की उम्र में ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने अली को कोच बनने का ऑफर दे दिया। दरअसल दिल की मेडिकल कंडीशन की वजह से एआईएफएफ ने खेलने पर रोक लगा दी थी। 2019-20 का साल अली ने फुटबॉल की मैदान पर कम और कोर्ट में ज्यादा गुजारा, खेलने का एक मौका मांगने के लिए। कोर्ट में जीते भी। मैदान पर संघर्ष दोबारा शुरू हुआ। इंटरनेशनल खेल चुके अली ने 2020 में जूनियर लेवल से बापसी की।

रोहित शर्मा क्या जाएंगे एलएसजी में, केएल राहुल होंगे बाहर ?

मुंबई। लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के फील्डिंग कोच जोंटी रोड्स ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के अगले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीज़न के लिए फ्रेंचाइजी में शामिल होने की अटकलों पर अपनी बात रखी है। जैसे-जैसे आईपीएल 2025 सीजन के लिए मेगा नीलामी करीब आ रही है, रोहित के भविष्य पर अनिश्चितता मंडराती जा रही है। हाल के दिनों में रोहित के मुंबई इंडियंस से दूर जाने की अटकलें तेजी से बढ़ती जा रही हैं रोड्स ने इस मुद्दे पर कहा कि मुंबई इंडियंस में लंबे समय तक मुझे लगा कि मेरे पास दुनिया की सबसे अच्छी नौकरी है। मुझे रोहित शर्मा को अभ्यास करते और क्रिकेट खेलते हुए देखने का मौका मिला। वह बहुत शानदार हैं। भले ही रोड्स मैदान पर रोहित के शानदार प्रदर्शन से आश्चर्यचकित हैं, लेकिन रोड्स को नहीं लगता कि सफलता की तलाश में एलएसजी के लिए रोहित की उपस्थिति अनिवार्य है।

समित द्रविड़ अंडर 19 टीम में शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली । भारत ने ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर समित द्रविड़ को अंडर-19 टीम में शामिल किया है। भारतीय अंडर 19 के लिए घोषित टीम में समित द्रविड़ को पहली बार जगह मिली है। उत्तर प्रदेश के मध्यक्रम के बल्लेबाज़ मोहम्मद अमान को 50 ओवर टीम का कप्तान बनाया गया है जबकि मध्य प्रदेश को सोहम पटवर्धन चार दिवसीय मैचों के कप्तान होंगे।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित फ़िलहाल कर्नाटक के महाराज टी20 ट्रॉफ़ी मैसूरू वॉरियर्स टीम का हिस्सा हैं। समित ने 114 के स्ट्राइक रेट से इस सीज़न 82 रन बनाए हैं भारतीय अंडर-19 टीम पुडुचेरी में 21, 23 और 26 सितंबर को तीन 50 ओवर के मैच खेलेगी। इसके बाद टीम दो चार दिवसीय मैचों के लिए चेन्नई रवाना होगी जहां पर 30 सितंबर और सात अक्तूबर को मैच होंगे।

50-ओवर मैचों के लिए भारतीय अंडर-19 टीम इस प्रकार है।

मोहम्मद अमान (कप्तान), रूद्र पटेल (उपकप्तान), साहिल परख, कार्तिकेय केपी, किरण चोरमाले, अभिज्ञान कुंडु, हरवंश सिंह पंगालिया, समित द्रविड़, युधजीत गुहा, समर्थ एन, निखिल कुमार, चेतन शर्मा, हार्दिक राज, रोहित रजावत, मोहम्मद इनान

चार-दिवसीय मैचों के लिए भारतीय अंडर-19 टीम इस प्रकार है। सोहम पटवर्धन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, नित्या पांडे, विहान मल्होत्रा, कार्तिकेय केपी, समित द्रविड़, अभिज्ञान कुंडु, हरवंश सिंह पंगालिया, चेतन शर्मा, समर्थ एन, आदित्य रावत, निखिल कुमार, अमोलजीत सिंह, आदित्य सिंह, मोहम्मद इनान।

मोदी, मांडविया ने रुबीना को बधाई दी

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं खेल मंत्री डा़ मनसुख मांडविया ने निशानेबाज रुबीना फ्रांसिस को पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की पी2 महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा भारत के लिए एक और गौरवपूर्ण क्षण, जब रुबीना ने पैरालंपिक 2024 में पी2-महिलाओं की 10मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उनके असाधारण ध्यान, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता ने बेहतरीन परिणाम दिए हैं। रुबीना फ्रांसिस आपने शूटिंग रेंज को गौरव के मंच में बदल दिया है।

डा़ मांडविया ने भी रुबीना फ्रांसिस को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा पैरालंपिक2024 में पी2 महिलाओं की 10मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक हासिल करने पर बहुत-बहुत बधाई। इस जीत को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि यह आपको पिस्टल स्पर्धाओं में पैरा शूटिंग पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला और शूटिंग स्पर्धाओं में पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय महिला बनाती है। अभ्यास से लेकर पोडियम तक का आपका सफर सभी के लिए प्रेरणादायी है।

आयुष बडोनी ने 39 गेंदो पर शतक जड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज आयुष बडोनी ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल 2024) के एक मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की ओर से खेलते हुये मात्र 39 गेंदों पर शतक जड़ इतिहास रच दिया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की तरफ से खेलने वाले 24 वर्षीय बडोनी ने नार्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुये मात्र 55 गेंदों में 165 रन ठोक दिये। अरुण जेटली स्टेडियम में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवर में 308 रन बनाये जिसमें आयुष बडोनी (165) और प्रियांश आर्या (120) के तूफानी शतक शामिल थे। बडोनी ने अपना शतक मात्र 39 गेंदों में पूरा किया। उनके बल्ले से निकल रही आग की तपिश ने नार्थ दिल्ली के गेंदबाजों को बुरी तरह झुलसा दिया। उन्होंने 55 गेंदों की अपनी इस पारी में 19 छक्के और 8 चौके लगाए।

इसके साथ ही बडोनी किसी एक टी20 मैच में भारत के लिए सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकार्ड श्रेयस अय्यर के नाम था जिन्होने 2019 में हुए एक मैच में 147 रन की पारी खेली थी। बडोनी टी20 मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले दुनिया के तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है जिन्होने 175 रन बनाये थे।

अलीरेजा नें जीता सिंकीफील्ड कप का खिताब , सयुंक्त पांचवें स्थान पर रहे गुकेश और प्रज्ञानन्दा

एजेंसी

सेंट लुईस। ग्रांड चैस टूर के अंतिम पड़ाव सिंकफील्ड कप क्लासिकल शतरंज सुपर ग्रांड मास्टर्स टूर्नामेंट का खिताब फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा नें अपने नाम कर लिया है , साथ ही उन्होने अपने खेल जीवन में पहली बार ग्रांड चैस टूर का खिताब भी अपने नाम कर लिया है । अंतिम राउंड में अलीरेजा ने भारत के आर प्रज्ञानन्दा से आसान ड्रॉ खेलते हुए 6 अंक बनाकर पहला स्थान हासिल किया , इसके साथ ही उन्होने सिंकीफील्ड कप के विजेता के तौर पर 1 लाख डॉलर और ग्रांड चैस तौर के विजेता के तौर पर कुल मिलाकर करीब 3 लाख 24 हजार डॉलर अपने नाम किए । अंतिम राउंड में नीदरलैंड के अनीश गिरि को हराकर यूएसए के फबियानों करूआना नें 5.5 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया और 2 लाख 34 हजार डॉलर अपने नाम किए । अंतिम राउंड में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लीरेन को पराजित करते हुए 5 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर फ्रांस के मकसीम लागरेव नें तीसरा स्थान हासिल किया और इतने ही अंक बनाकर उज़्बेक्सितान के अब्दुसत्तोरोव चौंथे स्थान पर रहे , 4.5 अंक बनाकर यूएसए के वेसली सो , भारत के गुकेश और प्रज्ञानन्दा सयुंक्त पांचवें स्थान पर रहे ।

रुबीना ने निशानेबाजी में कांस्य पदक जीता

एजेंसी

पेरिस। भारतीय महिला निशानेबाज रुबीना फ्रांसिस ने पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक जीत लिया।रुबीना ने आज खेले गए पी2 महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल मैच में 211.1 का स्कोर बनाया और कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। रुबीना पिस्टल स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पैरा निशानेबाज एथलीट बन गयी है।

इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में रुबीना ने 556 अंक का स्कोर बनाया एवं सातवें स्थान पर रही।एक अन्य मैच में भारतीय पुरुष निशानेबाज स्वरुप उनहालकर पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए है। स्वरुप ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 क्वालिफिकेशन राउंड में 613.4 का स्कोर बनाया एवं 14वें स्थान पर रहे। इस हार के साथ ही स्वरूप उनहालकर का अभियान समाप्त हो गया।

मनदीप कौर ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

पेरिस। भारतीय बैंडमिंटन खिलाड़ी सुकांत कदम ने पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों की बैंडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में तथा महिला खिलाड़ी मनदीप कौर ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

सुकांत कदम ने आज पुरुष एकल एसएच4 ग्रुप चरण में थाईलैंड के सिरिपोंग टीमारोप को सीधे गेम में 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बनायी। उन्होंने थाईलैंड के शटलर को 21-12 , 21-12 से हराया।

महिला बैंडमिंटन खिलाड़ी मनदीप कौर ने महिला एकल एसएल3 ग्रुप चरण में शानदार जीत हासिल कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मनदीप ने मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की विनोट सेलिन ऑरेली के खिलाफ पहला गेम 21-23 से हारने के बाद लगातार दो गेम 21-10 और 21-17 से जीते और मैच 2-1 से जीत कर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

इसी तरह पुरुष एकल एसएल3 ग्रुप चरण में भारतीय खिलाड़ी नितेश कुमार ने पेरिस पैरालिंपिक में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा एवं अगले दौर में जगह बनाई। उन्होंने थाईलैंड के बन्सन मोंगखोन को सीधे गेम में 2-0 से हराया।नितेश कुमार ने आज खेले गए मैच में मोंगखोन को 21-13 , 21-14 से हराया।

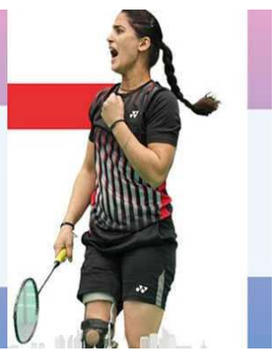

वहीं पुरुष एकल एसएल3 ग्रुप चरण के एक अन्य मुकाबले में मनोज सरकार नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। चीन के जियानयुआन यांग के खिलाफ 2-0 की जीत के बावजूद मनोज नॉकआउट चरणों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। उन्हें अपने ग्रुप में तीसरा स्थान मिला। ग्रुप से शीर्ष दो खिलाड़ी अगले दौर के लिए क्वालीफाई हुए।

इसी तरह भारतीय खिलाड़ी तरुण ढिल्लन को आज खेले गए पुरुष एकल के एसएल4 ग्रुप चरण मैच में हार का सामना करना पड़ा। तरुण को फ्रांस के लुकास माजुर ने 2-0 से हराया। इस हार के साथ तरुण का पैरालंपिक अभियान समाप्त हो गया।

इस हार के साथ ही स्वरूप उनहालकर का अभियान समाप्त हो गया।

इ्वेन ब्रावो की घोषणा, टी20 से लेंगे संन्यास, यह टूर्नामेंट होगा आखिरी

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो ने फ्रेंचाइजी ट्वेंटी-20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। 40 वर्षीय ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि मौजूदा कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2024 सीज़न उनका आखिरी पेशेवर टूर्नामेंट होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 4 खिताब जीतने वाले अभियानों का हिस्सा बनने के बाद ब्रावो ने 2023 सीजन से पहले इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। टी20 स्टार ने संयुक्त अरब अमीरात में 2021 टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। ब्रावो सीपीएल 2024 में ट्रिनबागो नाइट राइडर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम अपने अभियान की शुरुआत रविवार को सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ करेगी। यह ऑलराउंडर 578 मैचों में 630 विकेट के साथ सभी टी20 में अग्रणी विकेट लेने वाला गेंदबाज है। उन्होंने बल्ले से 6,970 रन भी बनाए हैं। टी20 के दिग्गज ब्रावो इस प्रारूप में सात विश्व कप खेल चुके हैं जिसमें दो जीते हैं। इसके साथ ही 15 से अधिक फ्रेंचाइजी लीग खिताब भी उनके नाम रहे। वह 500 टी20 विकेट हासिल करने वाले पहले गेंदबाज थे। ब्रावो का वेस्टइंडीज के साथ अन्य प्रारूपों में लंबा करियर हो सकता था।

जॉनी बेयरस्टो का बल्ला चला, इंग्लैंड टीम से हैं बाहर, बनाया शतक

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड टीम से बाहर किए जाने के बाद जॉनी बेयरस्टो ने विटैलिटी काउंटी चैंपियनशिप में शतक जड़ दिया है। 34 वर्षीय को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सफेद गेंद की श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की टीम से बाहर कर दिया गया था। इस दौरान हेडिंग्ले में मिडलसेक्स के खिलाफ मैच में यॉर्कशायर के लिए बेयरस्टो ने शानदार 160 रन बनाए। 124वें ओवर में ल्यूक हॉलमैन द्वारा आउट होने से पहले उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके और दो छक्के लगाए। बेयरस्टो के साथ मोईन अली और क्रिस जॉर्डन भी टीम में नहीं है, उनकी जगह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 11 से 29 सितंबर के बीच खेले होने वाले तीन टी20ई और पांच एकदिवसीय मैचों के लिए पांच अनकैप्ड प्लेयरों को जगह मिली है।

इंग्लैंड के मुख्य चयनकर्ता ल्यूक राइट ने बीते दिनों कहा था कि जॉनी बेयरस्टो का सफेद गेंद करियर खत्म नहीं हुआ है। अपने जुनून के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जॉनी की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वह कितना खेलना चाहता है। राइट ने तब कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अनुभवी बल्लेबाज वापसी करेगा। राइट ने कहा कि हम बस यही चाहते हैं कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बने। उसे वह भयानक चोट लगी थी, और यही संदेश था। क्या हम आपको वापस वहीं पहुंचा सकते हैं जहां आप चोट लगने से पहले थे? वह यह समझता है। उसे यह पसंद नहीं है। एक चीज जो जॉनी करेगा, वह है जवाबी लड़ाई। मुझे उम्मीद है कि वह ऐसा करेगा और खुद को टीम में वापस लाएगा। जॉनी बेयरस्टो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के लिए भी खेल चुके हैं। बेयरस्टो ने 2011 में अपना एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय और ट्वेंटी 20 अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया जबकि 2012 में अपना टेस्ट डेब्यू। बेन स्टोक्स के साथ उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छठे विकेट के लिए 399 रन जोड़े थे जोकि सबसे बड़ी साझेदारी है। बेयरस्टो 2019 क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा थे।

बाबर आजम दूसरे टेस्ट में भी फेल, पाकिस्तान 274 पर लुढ़की, मिराज को 5 विकेट

एजेंसी

रावलपिंडी। रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान के प्रमुख बल्लेबाज बाबर आजम का खराब प्रदर्शन जारी रहा और उन्हें शाकिब अल हसन ने कम स्कोर पर आउट कर दिया। चौथे नंबर पर आते हुए बाबर केवल 31 रन ही बना सके। बाबर पाकिस्तान की पहली पारी के 54वें ओवर के दौरान आऊट हुए। जब वह सऊद शकील के आउट होने के बाद मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर पार्टनरशिप बना रहे थे। दरअसल, शाकिब ने एक आर्म बॉल फेंकी थी जोकि ऑफ स्टंप पर पिच होने के बाद बाबर की ओर आई। बाबर इसे समझ नहीं पाए। गेंद पैड पर लगी। अपील हुई तो बाबर आऊट करार दे दिए गए। बाबर ने डीआरएस भी नहीं लिया और निराशा के साथ डगआउट में वापस चले गए। हालांकि पाकिस्तान को इस दौरान कप्तान शान मसूद, सैम अयुब और आघा सलमान का सहयोग मिला। तीनों ने अर्धशतक लगाए और टीम को 274 रन तक पहुंच दिया।

मैच की बात करें तो बांग्लादेश ने आखिरकार दिन का अंत पाकिस्तान को 274 रन पर ढेर कर किया। मेहमान टीम के लिए अच्छा दिन चढ़ा जब तस्कीन अहमद ने पहले ही ओवर में शफीक को आउट कर दिया। हालांकि इसके बाद पाकिस्तान को मसूद और सईम अयूब से अर्द्धशतक मिले, लेकिन मेहदी हसन मिराज ने दोनों को आऊट कर दिया। एलबीडब्ल्यू आउट होने से पहले बाबर अच्छे दिख रहे थे और रिजवान भी अच्छी शुरुआत के बाद आउट हो गए। सलमान आगा ने हालांकि पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ अच्छी बल्लेबाजी की और कुछ आक्रामक शॉट लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। मिराज ने अबरार अहमद को क्लीन बोल्ड कर अपने पांच विकेट पूरे किए। बांग्लादेश ने दिन का खेल समाप्त होने तक 10 रन बना लिए हैं।

लॉर्ड्स के बॉस बने जो रूट, 34वां शतक जड़ा, गावस्कर का रिकॉर्ड बराबर

एजेंसी

लॉर्ड्स। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने आखिरकार लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान ही सुनील गावस्कर के 34 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। रूट ने पहली पारी में भी 143 रन बनाए थे और टीम का स्कोर 427 तक पहुंचाया था।

जवाब में श्रीलंका की टीम जब 196 पर ऑलआऊट हो गई तो इंग्लैंड ने दूसरी पारी में भी मजबूत शुरूआत की। रूट ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों के साथ छोटी छोटी साझेदारियां की और 53वें ओवर में अपने शतक तक पहुंच गए। अब वह इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। देखें उनके द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड-

लॉर्ड्स के किंग बने

क्रिकेट जगत के ऐतिहासिक मैदान लॉर्ड्स में रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले प्लेयर भी बन गए हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरी पारी में लगाया गया शतक उनका लॉर्ड्स में सातवां शतक रहा। इससे पहले ग्राहम गूम और माइनल वॉन भी यहां 6-6 शतक लगा चुके हैं।

लॉर्ड्स में एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक

106 और 107 - जॉर्ज हेडली (वेस्टइंडीज) बनाम इंग्लैंड, 1939

333 और 123 - ग्राहम गूच (इंग्लैंड) बनाम भारत, 1990

103 और 101* - माइकल वॉन (इंग्लैंड) बनाम वेस्टइंडीज, 2004

143 और 103* - जो रूट (इंग्लैंड) बनाम श्रीलंका, 2024 इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक टेस्ट शतक

जो रूट अब इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक टेस्ट शतक लगाने वाले प्लेयर बन गए हैं। उनके नाम अब 34 शतक दर्ज हो गए हैं। उनके बाद अब एलेस्टेयर कुक (33), केविन पीटरसन (23), वैली हैमंड (22), कॉलिन काउड्रे (22), जेफ्री बॉयकॉट (22), इयान बेल (22) के नाम हैं।

श्रीलंका के खिलाफ 6 टेस्ट शतक

रूट का बल्ला श्रीलंका के खिलाफ भी खूब चलता है।

वह श्रीलंका के खिलाफ छह शतक लगाकर अजहर अली की बराबरी कर चुके हैं। वैसे श्रीलंका के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक सचिन तेंदुलकर (9) के नाम पर हैं। उसके बाद यूनिस खान (8) का नाम आता है।

उत्तराखण्ड प्रीमियर लीग के पहले सीज़न की टीमों की घोषणा, टीम मालिकों के नाम से भी हटा पर्दा

एजेंसी

देहरादून। देहरादून में आयोजित एक भव्य समारोह के दौरान क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड (सीएयू) और आयोजनकर्ता एसएसपीएआरके स्पोर्ट्स एण्ड एंटरटेनमेन्ट ने उत्तराखण्ड प्रीमियर लीग (यूपीएल) के पहले सीज़न के लिए शनिवार को टीमों की घोषणा कर दी है। पांच पुरुष और तीन महिला टीमें पहले यूपीएल में चैम्पियन बनने के लिए मुकाबला करेंगी। माहिम वर्मा (सचिव, सीएयू) ने टीम के मालिकों और प्रतियोगिता की संस्थापक टीमों का परिचय दिया।

देहरादून वॉरियर्सः शैलेन्द्र भदौरिया के स्वामित्व की टीम,
हरिद्वार स्प्रिंग एल्मस- फैयाजुद्दीन के स्वामित्व की टीम,
नैनीताल एसजी पाइपर्स- डॉ रोहण गुप्ता के स्वामित्व की टीम,
पिथौरागढ़ हरीकेन- प्रकाश सिंह एवं कृष्णा शेट्टी के स्वामित्व की टीम,
उधम सिंह नगर इंडियन्स- सुभाष अरोड़ा के स्वामित्व की टीम शामिल हैं।
मसूरी थंडर्स- प्रकाश सिंह के स्वामित्व की टीम।

कभी दीपिका पादुकोण के लिए खोले थे दरवाजे! अब हैं YRF स्पाई यूनिवर्स का बड़ा हिस्सा

मनोरंजन की चमचमाती दुनिया में खुद की किस्मत को चमकाना इतना आसान नहीं होता है. हालांकि हर साल तमाम लोग एक्टर बनने का सपना लेकर मुंबई आते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए दिनरात मेहनत भी करते हैं. लेकिन सबके हिस्से इंडस्ट्री की शोहरत कहां आती है. हालांकि जिनमें शिद्दत और लगन होती है, वो ये कारनामा करके भी दिखाते हैं. इन दिनों हिंदी सिनेमा की इंडस्ट्री में एक नाम काफी चर्चा में हैं. अपनी पिछली दो-तीन फिल्मों के जरिए ही उन्होंने सबका दिल ही जीत लिया है. काम ऐसा कि लोग उन्हें बॉलीवुड की दूसरी आलिया भट्ट भी कहने लगे हैं. लेकिन ये मोहतरमा दूसरी आलिया नहीं बल्कि पहली शरवरी वाघ बनने आई हैं.

असिस्टेंट डायरेक्टर बनकर की शुरुआत

मुंबई के मराठी परिवार में जन्मी शरवरी वाघ इंडस्ट्री की बड़ी एक्ट्रेस बनने का ख्वाब लेकर फिल्मों में आई हैं. राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाली शरवरी के नाना मनोहर जोशी महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं. पिता शैलेश मुंबई के बड़े बिल्डर हैं और मां नम्रता आर्किटेक्ट. शरवरी की एक बहन भी है, जो अपनी मां की तरह आर्किटेक्ट हैं. शरवरी ने इंडस्ट्री में कदम जमाने के लिए पहले-ष्ठ यानी असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम करना शुरू किया. दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह स्टारर 'बाजीराव मस्तानी' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए उन्होंने अपनी असिस्टेंट डायरेक्टर की जिम्मेदारी को निभाया.

शरवरी ने कम वक्त में बनाई पहचान

3 फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्टर की कमान संभालने के बाद शरवरी ने खुद एक्टिंग के मैदान में उतरने का फैसला किया. बस फिर क्या था ऑडिशन देने का सिलसिला शुरू हुआ और साल 2021 में उन्हें अपनी पहली फिल्म 'बंटी और बबली 2' मिली. सैफ अली खान और रानी मुखर्जी के साथ उन्होंने स्क्रीन शेयर की. शुरुआत कुछ खास नहीं रही, लेकिन शरवरी को सभी ने नॉटिस कर लिया. इस फिल्म के लिए शरवरी को बेस्ट डेब्यू आईफा अवॉर्ड और बेस्ट फीमेल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला. 'मुंज्या', 'माहराज' और 'वेदा' जैसी फिल्मों से शरवरी ने अपनी अच्छी-खासी पहचान बना ली है.

दीपिका के लिए खोले थे दरवाजे

हाल ही में शरवरी वाघ ने एक किस्सा सभी के साथ शेयर किया था. एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि जब वो 'बाजीराव मस्तानी' के सेट पर एडी का नाम कर रही थीं, तो उनके साथ एक बेहद खास चीज हुई.

शरवरी की मानें तो, 'बाजीराव मस्तानी' के एक गाने की शूटिंग चल रही थी. दीपिका पादुकोण को गाने में बड़े-बड़े दरवाजों के खुलते ही एंट्री करनी थी. इस गाने की शूटिंग के दौरान दो बड़े-बड़े दरवाजों को वक्त पर खोलना था और एक दरवाजे को पकड़े शरवरी खड़ी हुई थीं. उन्हें टाइमिंग का पूरा ध्यान रखना था. उसी बीच दीपिका पादुकोण ने उन्हें बुलाकर उनसे उनका नाम पूछा था. शरवरी ने कहा कि उस दिन मैंने सबको जाकर कहा कि दीपिका मैम ने मुझसे मेरा नाम पूछा.

मुझसे लंबा भी कोई मिल गया...जब अमिताभ बच्चन ने Stree 2 के 'सिरकटा' के लिए मजे

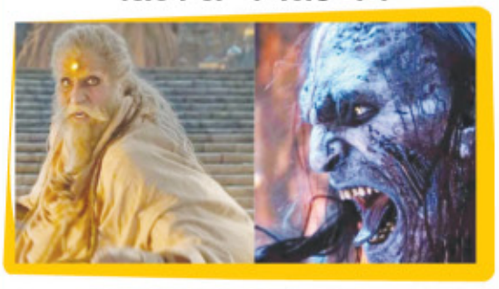

साल 2018 में आई 'स्त्री' में चंदेरी के लोगों को जहां 'स्त्री' से खौफ था, तो वहीं 'स्त्री 2' में 'सिरकटा' ने भी खूब आतंक मचाया है. 'स्त्री' से बदला लेने के लिए लड़कियों को गायब करने के साथ ही लोगों में अपने डर को बनाए रखने में सिरकटा पूरी तरह से कामयाब रहा है. 'स्त्री 2' में सभी लोग 'सिरकटा' से डरे तो काफी हैं, लेकिन बहुत कम लोगों को ये पता है कि इस किरदार को सुनील कुमार ने निभाया है. इससे पहले 'सिरकटा' अमिताभ बच्चन के साथ भी काम कर चुका है, वो कहां चलिए जानते हैं.

इस साल जून में आई 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन ने काफी कमाल का काम किया है, हालांकि उनके जैसे सुपरस्टार से खराब की उम्मीद की भी नहीं जा सकती. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही. 'कल्कि 2898 एडी' में साउथ सुपरस्टार प्रभास और दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में थे. 'स्त्री 2' में 'सिरकटा' बनने वाले सुनील ने कल्कि में अमिताभ बच्चन के बॉडी डबल के तौर पर काम किया है.

सुनील के साथ क्लिक कराई फोटो

हाल ही में उन्होंने इंडिया टुडे के साथ हुए इंटरव्यू में 'कल्कि 2898 एडी' में अमिताभ बच्चन के साथ काम करने को लेकर अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया. बात करते हुए उन्होंने बताया कि वो उस दिन को कभी भी नहीं भूल सकते, जिस दिन अमिताभ बच्चन ने उनके साथ फोटो क्लिक करने को कहा था. वैसे तो सुनील की बात भी सही है कि जिस अमिताभ बच्चन से मिलना या केवल सामने से देखना ही कई लोगों का सपना होता है, लेकिन सोचिए अगर वो खुद आपके साथ फोटो क्लिक कराने की बात कहें, तो उसे भूला भी नहीं जा सकता है.

शूटिंग के पहले दिन का बताया किस्सा

सुनील ने 'कल्कि 2898 एडी' के शूटिंग के दिन को याद करते हुए कहा, सेट पर मेरा पहला दिन था, उस दिन मुझे एक सीन शूट करना था. मैं अपने सीन के लिए हार्नेस के साथ तैयार हो रहा था और मुझसे थोड़ी ही दूरी पर प्रभास सर और अमिताभ सर बैठे हुए थे. कुछ देर बाद जब अमित सर ने मेरी तरफ देखा तो वो अपनी जगह से उठकर मेरे पास आए और कैमरापर्सन से हम दोनों की फोटो क्लिक करने को कहा. उन्होंने हंसते हुए कहा, सभी लोग मुझे लंबू बोलते हैं, आज मुझसे लंबा कोई मिल गया.

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की वजह से शो में नहीं शामिल होना चाहते A लिस्ट एक्टर्स?

बिग बॉस की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. कई सेलिब्रिटी को इस शो में शामिल होने के लिए मेकर्स की तरफ से अप्रोच किया गया है और कई सारे सेलिब्रिटी कलर्स टीवी के इस शो में शामिल होने के लिए उत्सुक भी हैं. लेकिन टीवी के 'ए' लिस्ट एक्टर इस शो में शामिल होने के लिए कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं. एक समय था जब श्वेता तिवारी, जूही परमार, शिल्पा शिंदे, हिना खान, दीपिका कक्कड़ जैसे टीवी के बड़े चेहरे इस शो में शामिल होना चाहते थे. लेकिन अब सीरियल की दुनिया के जाने-माने चेहरे बिग बॉस के घर में एंट्री करने के लिए बिलकुल भी उत्सुक नहीं हैं.टीवी9 हिंदी डिजिटल पर हमने आपके साथ शेयर किया था कि शोएब इब्राहिम बिग बॉस 18 के घर में एंट्री करने वाले पहले कंफर्म कंटेस्टेंट बन चुके हैं. लेकिन अब सुनने में आ रहा है कि शोएब ने इस शो में शामिल होने से इनकार कर दिया है. शोएब के साथ-साथ अर्जुन बिजलानी भी बिग बॉस का ऑफर रिजेक्ट कर चुके हैं. सुरभि चांदना, निया शर्मा को तो बरसों से इस शो में शामिल होने का बुलावा चैनल की तरफ से भेजा जा रहा है. लेकिन वे इस शो में शामिल नहीं होना चाहतीं.

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर हैं सबसे बड़ी वजह

बिग बॉस ओटीटी के सीजन 3 में इस साल एक्टर्स से ज्यादा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को शामिल किया गया था. बिग बॉस 18 के लिए भी डॉली चायवाला के साथ कुछ मशहूर इन्फ्लुएंसर को शो का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया है. लेकिन इन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के साथ स्क्रीन शेयर करने में कुछ एक्टर्स को कोई दिलचस्पी नहीं है. जिस तरह से कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बिना सोचे समझे एक्टर्स की बेइज्जती करते हैं, उनसे जिस बदतमीजी से बात करते हैं. उनका ये बर्ताव कई एक्टर्स को पसंद नहीं आ रहा है.

एक्टर्स को नहीं पसंद है बदतमीजी

नाम का खुलासा न करने की शर्त पर एक मशहूर एक्टर ने हमें बताया कि हमें भी सोशल मीडिया पर जो कंटेंट क्रिएट करते हैं, उनसे बातें करना, मिलना अच्छा लगता है. लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि कोई हमें जो चाहे बोले. जिस तरह से रणवीर शौरी जैसे सीनियर एक्टर से शिवानी कुमारी या लवकेश पेश आ रहे थे. वो बहुत ही इंसल्टिंग था.

क्या टाइगर श्रॉफ के करियर पर पड़ रहा Flop फिल्मों का असर? शूटिंग शुरू होने के बाद बंद हो गई ये बड़ी पिक्चर

साल 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'हीरोपंती' से अपने बॉलीवुड सफर का आगाज करने वाले टाइगर श्रॉफ अब लोगों के ऊपर अपना जादू नहीं चला पा रहे हैं. पिछले तीन सालों में लगातार उनकी तीन फिल्में फ्लॉप हुई हैं. उनकी इन फ्लॉप फिल्मों में इसी साल रिलीज हुई 'बड़े मियां छोटे मियां' भी शामिल है, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार भी दिखे थे. हालांकि, ये पिक्चर लोगो को एंटरटेन करने में फेल हो गई थी और फ्लॉप हो गई थी. इस बीच अब खबर है कि टाइगर की एक अपकमिंग फिल्म डब्बा बंद हो गई है.टाइगर की जो फिल्म बंद हुई है वो है 'हीरो नंबर. 1', जिसे जगन शक्ति डायरेक्ट कर रहे थे और वाशु भगनानी प्रोड्यूसर थे. वाशु की प्रोडक्शन कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट के बैनर तले ही 'बड़े मियां छोटे मियां' बनी थी. बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया कि 'हीरो नंबर. 1' की 20 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी थी. बचे हुए हिस्से की शूटिंग अप्रैल में 'बड़े मियां छोटे मियां' की रिलीज के बाद होनी थी. लेकिन इस फिल्म से वाशु की कंपनी पूजा एंटरटेनमेंट को काफी नुकसान उठाना पड़ा और वो अभी कर्ज में हैं. वहीं वो अभी ऐसी स्थिति में नहीं हैं कि 'हीरो नंबर. 1' पर पैसा लगाएं. इसलिए, इस पिक्चर को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया.इस बारे में अभी किसी भी तरह की ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है. बताया जा रहा है कि डायरेक्टर जगन शक्ति ने पहले ही दूसरे प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है.